डाक पंजीयन क्र. MP/Bhopal/186/2021/2023
लाइसेंस क्र. WPP/Tech/23-04/08/2021-2023
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या 38506/84

रोज़गार और निर्माण

प्रति सोमवार को प्रकाशित, भोपाल 03.04.2023 से 09.04.2023 ▶ वर्ष-40 ▶ अंक-14 ▶ मूल्य ₹ 10.00

मध्यप्रदेश निरंतर लिख रहा है विकास की गाथा - प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री के नेतृत्व और मोदी विजन का चमत्कार है बदलता भारत - मुख्यमंत्री

मध्यप्रदेश निरंतर विकास की गाथाएं लिख रहा है। खेती, उद्योग, गरीबों के लिए घर, हर घर जल से नल, गेहूं उत्पादन आदि अनेक क्षेत्रों में प्रदेश अग्रणी है। पहले बीमारू कहा जाने वाला राज्य अब हर क्षेत्र में प्रशंसनीय कार्य कर रहा है। हमें विकसित भारत में मध्यप्रदेश की भूमिका को और बढ़ाना है। नई वंदे भारत ट्रेन इसी संकल्प का हिस्सा है। ये बातें प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने भोपाल स्थित रानी कमलापति स्टेशन से वंदे भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाते हुये कहीं। भोपाल प्रवास के दौरान प्रधानमंत्री कुशाभाऊ ठाकरे कन्वेंशन सेंटर में आयोजित संयुक्त कमांडर-2023 में भी शामिल हुये।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल और मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान भी उपस्थित थे।

भोपाल, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि आधुनिक भारत में नई व्यवस्था, नई परंपरा बन रही है। वंदे भारत ट्रेन नए भारत की उमंग और तरंग का प्रतीक है। यह भारत की आधुनिकतम ट्रेन है, जिसके लोकार्पण का मुझे सौभाग्य मिला है। प्रधानमंत्री ने कहा कि रेलवे के इतिहास में यह पहली बार हुआ है कि कोई प्रधानमंत्री इतने कम अंतराल में किसी रेलवे स्टेशन पर दोबारा किसी कार्यक्रम में आया है। मैं पहले रानी कमलापति स्टेशन के लोकार्पण पर आया था और अब वंदे भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखा रहा हूं।

प्रधानमंत्री ने ट्रेन के प्रथम कोच में जाकर स्कूली बच्चों से बातचीत की। श्री मोदी ने ड्राइविंग कैब के क्रू मेम्बर्स के साथ भी संवाद किया। वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन पर लघु फिल्म का प्रदर्शन किया गया। इस दौरान जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक, जिला प्रशासन तथा रेलवे के अधिकारी और बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित थे।

श्री मोदी ने कहा कि पहले की सरकारें वोट बैंक के तुष्टिकरण की नीति अपनाती थीं। हम देशवासियों के संतुष्टिकरण पर ध्यान दे रहे हैं। पहले की सरकार एक ही परिवार को प्रथम परिवार मानती थी और गरीब मध्यम वर्गीय परिवारों पर ध्यान नहीं देती थी।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारतीय रेल सामान्य भारतीय परिवार की सवारी है। पुरानी सरकारों ने राजनीतिक स्वार्थ के चलते रेलवे का आधुनिकीकरण नहीं किया। वर्ष 2014 तक नॉर्थ ईस्ट रेलवे से नहीं जुड़ा। हमारी सरकार आने के बाद हमने उसे रेलवे से जोड़ा और रेलवे का कायाकल्प किया। भारत का रेल नेटवर्क दुनिया का श्रेष्ठ नेटवर्क है। पहले हजारों मानवरहित फाटक थे, जहां आए दिन दुर्घटनाएं होती रहती थीं। अब पूरा ब्रॉडगेज मानव रहित, फाटक मुक्त है। रेल यात्री सुविधा को हमने मेड इन इंडिया कवच प्रणाली से लैस किया है। तकनीकी का प्रयोग कर शिकायतों का निराकरण किया गया है।

श्री मोदी ने कहा कि हमने 'वन स्टेशन-वन प्रोडक्ट' योजना से कारीगरों के कपड़े, कलाकृतियों, पेंटिंग्स, बर्तन इत्यादि के विक्रय के लिए पूरे भारत में 600 से अधिक आउटलेट रेलवे स्टेशन पर खोले हैं, जिनका लाभ अब लाखों लोग ले रहे हैं। रेलवे स्टेशनों का आधुनिकीकरण किया गया है, 6 हजार रेलवे स्टेशन वाईफाई युक्त हैं और 900 रेलवे स्टेशन पर सीसीटीवी का काम पूरा हो गया है। वंदे भारत ट्रेन पूरे भारत में सुपरहिट रही है और हर कोने से इन्हें चलाने की मांग आ रही है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि रेलवे के बजट में भी रिकॉर्ड वृद्धि की जा रही है। वर्ष 2014 से पहले मध्यप्रदेश का रेलवे बजट औसतन 600 करोड़ रुपये हुआ करता था, जो अब बढ़कर 13000 करोड़ रुपये हो गया है। मध्यप्रदेश सहित देश के 11 राज्यों में रेलवे ट्रेक का शत-प्रतिशत इलेक्ट्रिफिकेशन हो गया है। इलेक्ट्रिफिकेशन की रफ्तार वर्ष 2014 से पहले 600 किलोमीटर प्रति वर्ष थी, अब वह बढ़कर 6000 किलोमीटर प्रति वर्ष हो गई है।

प्रधानमंत्री ने दिया स्वदेशी का मंत्र

मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछली सरकारों ने हमें विदेशी तंत्र दिया था। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने देश को स्वदेशी का मंत्र दिया है। वंदे भारत रेल पूरी तरह से स्वदेशी है। भोपाल में लगे फौजी मेले में प्रदर्शित युद्ध पोत, टैंक और अन्य उपकरण भी स्वदेशी हैं। यह प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व और मोदी विजन का चमत्कार है। उनके नेतृत्व में पूरे देश के साथ मध्यप्रदेश भी बदल रहा है। वंदे भारत ट्रेन ही नहीं, शानदार हाई-वे, साढ़े चार लाख लम्बी सड़कें मध्यप्रदेश की धरती पर बनी हैं। सिंचाई क्षमताओं का विस्तार हुआ है, 98 लाख गरीबों को मकान, 82 लाख गैस कनेक्शन, 80 लाख किसानों को सम्मान निधि, एक करोड़ 15 लाख लोगों को राशन, 3 करोड़ से ज्यादा आयुष्मान कार्ड और 25 लाख लोगों का मुफ्त इलाज दर्शाता है कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश के साथ मध्यप्रदेश भी बदल रहा है।

सैकड़ों स्टेशनों को वर्ल्ड क्लास बनाने का मार्ग हुआ प्रशस्त

रेल मंत्री श्री अश्वनी वैष्णव ने कहा कि पिछले 9 वर्षों में प्रधानमंत्री श्री मोदी ने रेलवे में अभूतपूर्व परिवर्तन किए हैं। विशेष रूप से मध्यप्रदेश में रेलवे के क्षेत्र में प्रधानमंत्री के विजन के परिणामस्वरूप बहुत विकास हुआ है। प्रधानमंत्री ने देश भर में वर्ल्ड क्लास रेलवे स्टेशन बनाने का संकल्प लिया था। इस संकल्प की सिद्धि में रानी कमलापति रेलवे स्टेशन का महत्वपूर्ण स्थान है। इस स्टेशन के आधुनिकीकरण से जो अनुभव प्राप्त हुए उसके आधार पर प्रधानमंत्री ने पूरे देश में 1200 स्टेशनों को वर्ल्ड क्लास स्टेशन बनाने का निर्णय लिया है। मध्यप्रदेश में छोटे-बड़े कुल 80 स्टेशनों को वर्ल्ड क्लास बनाने का काम जारी है। जनता को अधिक से अधिक सुविधाएं मिलें, यह डबल इंजन की सरकार का लक्ष्य है। रेल मंत्री श्री वैष्णव ने मध्यप्रदेश में रेलवे प्रोजेक्टों में सहयोग के लिए मुख्यमंत्री का आभार माना।

प्रधानमंत्री ने दी है प्रदेश को वंदे भारत ट्रेन की सौगात - मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि मध्यप्रदेश के सौभाग्य का फिर से उदय हुआ है। प्रधानमंत्री फिर से हमारे प्रदेश पधारे हैं। जो कभी पिछली सरकारों में गंदे और बदबू मारते हुए रेलवे स्टेशन होते थे, उनको वर्ल्ड क्लास शानदार रेलवे स्टेशन में बदला गया है, यह मोदी विजन है। प्रधानमंत्री पहली बार आए तो हबीबगंज रेलवे स्टेशन का नाम रानी कमलापति स्टेशन किया गया, और अब यह वर्ल्ड क्लास रेलवे स्टेशन बना है। इस बार प्रधानमंत्री श्री मोदी प्रदेश को वंदे भारत ट्रेन की सौगात दे रहे हैं।

रीवा के सुंदरजा आम और मुरैना की गजक को मिला जीआई टैग

भोपाल, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि हर्ष का विषय है कि प्रदेश के रीवा के सुंदरजा आम और मुरैना की गजक को जीआई टैग मिलने से वैश्विक पहचान मिली है। इस गौरवपूर्ण सम्मान के लिए रीवा और मुरैना के भाई-बहनों एवं सभी प्रदेशवासियों को मैं हृदय से बधाई देता हूं। मुख्यमंत्री ने इस उपलब्धि के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल का आभार माना है।

- **पिछला सप्ताह** - देश-विदेश की साप्ताहिक खबरों का संक्षिप्त विवरण
- **चर्चा में** - प्रमुख चर्चित व्यक्तियों और ध्यान आकर्षित करने वाली खबरों की चर्चा
- **खेल चर्चा** - प्रमुख खेल गतिविधियों का विवरण
- **सामयिकी** - देश-विदेश की प्रमुख घटनाएं

औद्योगिक इकाइयां प्रदेश की अर्थव्यवस्था की आत्मा - मुख्यमंत्री

भोपाल, सूक्ष्म, लघु और मध्यम स्तर की औद्योगिक इकाइयां ही मध्यप्रदेश की अर्थव्यवस्था की आत्मा हैं। यह इकाइयां स्थानीय स्तर पर कृषि उत्पादों तथा अन्य सामग्री का वैल्यू एडिशन करने के साथ युवाओं के लिए रोज़गार के अवसरों का सृजन करती हैं। अर्थव्यवस्था को गति देने में इन इकाइयों की महत्वपूर्ण भूमिका है। उद्यमी हमारे विकास के पार्टनर हैं। राज्य सरकार सूक्ष्म, लघु और मध्यम स्तर की इकाइयों को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है। हम प्रदेश में इन इकाइयों का जाल बिछाना चाहते हैं। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल में 1450 एमएसएमई औद्योगिक इकाइयों को सिंगल क्लिक से 400 करोड़ रुपये की सब्सिडी अंतरित कर संबोधित करते हुये कहीं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत की अर्थ-व्यवस्था आगे बढ़ रही है। प्रधानमंत्री के आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के संकल्प के क्रम में ही आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश का रोड मैप विकसित कर गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। मध्यप्रदेश, भारत की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है। प्रदेश की जीएसडीपी 13 लाख करोड़ हो गई है। पर कैपिटा इनकम एक लाख 40 हजार रुपये है। सिंचाई क्षमता में भी हमने बहुत वृद्धि की है। कृषि हमारी अर्थव्यवस्था की रीढ़ है।

श्री चौहान ने कहा कि सफल उद्यमियों को विकसित करने के लिए राज्य सरकार हर संभव सहयोग प्रदान कर रही है। उद्यमियों की कठिनाइयों को दूर करने में क्लस्टर एप्रोच की महत्वपूर्ण भूमिका है।

खरीफ ऋण चुकाने की समय-सीमा 30 अप्रैल तक बढ़ाई गई - मुख्यमंत्री

भोपाल, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि किसानों द्वारा खरीफ फसल का ऋण चुकाने की समय-सीमा 28 मार्च से बढ़ा कर 30 अप्रैल की जा रही है। यह निर्णय किसानों के आग्रह पर लिया गया है। समय-सीमा में वृद्धि से 60 करोड़ रुपये का अतिरिक्त ब्याज भार आएगा, जिसका भुगतान राज्य शासन द्वारा किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने मंत्रीगण को अपने-अपने प्रभार के जिलों में गेहूं खरीदी व्यवस्था की मॉनीटरिंग करने के निर्देश भी दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ओलावृष्टि से उपजी आपदा में राज्य सरकार किसान भाइयों के साथ है। किसानों को 32 हजार रुपये प्रति हेक्टेयर की दर से राहत राशि प्रदान की जाएगी। किसानों को 25 से 35 प्रतिशत की स्थिति में भी राहत राशि उपलब्ध कराई जाएगी और 50 प्रतिशत से अधिक नुकसान को 100 प्रतिशत मानते हुए राहत दी जाएगी। मंत्रीगण अपने-अपने क्षेत्रों में ओला प्रभावित खेतों के सर्वे कार्य में आवश्यक समन्वय और निगरानी करें। यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि प्रभावित किसानों के फसल बीमा योजना के प्रकरण बन जाएं और किसानों को योजना का लाभ समय रहते मिले। मुख्यमंत्री ने कहा कि ओला प्रभावित किसानों से वसूली स्थगित करने का फैसला भी लिया गया है, उसका ब्याज भी राज्य शासन द्वारा भरा जाएगा।

श्री चौहान ने कहा कि मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना में आवेदन शुरू हो गये हैं।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

25 मार्च

उत्तर कोरिया ने किया सुनामी पैदा करने वाले ड्रोन का परीक्षण

● उत्तर कोरिया लगातार अपनी सामरिक क्षमता में वृद्धि करता जा रहा है। उत्तर कोरिया ने दावा किया है कि उसने पानी में मार करने वाले एक ऐसे ड्रोन का सफल परीक्षण किया है, जो परमाणु क्षमता से लैस होने के साथ ही रेडियोएक्टिव सुनामी पैदा करने में सक्षम है। यह ड्रोन दुश्मन देश की नौसेना और बंदरगाह को तबाह कर सकता है। इस ड्रोन को 'हैइल' नाम दिया गया है। कोरियाई भाषा में 'हैइल' का अर्थ समुद्री लहर या सुनामी होता है। उत्तर कोरिया वर्ष 2012 से इस ड्रोन पर काम कर रहा था। उत्तर कोरिया ने कहा कि अब तक इस ड्रोन के लगभग 50 परीक्षण किये जा चुके हैं। उत्तर कोरिया ने इस ड्रोन को पूर्वी तट पर तैनात किया है।

● दक्षिण चीन सागर के मुद्दे पर अमेरिका और चीन में एक बार फिर तनाव बढ़ गया है। अमेरिका ने दक्षिण चीन सागर के विवादित पारासेल द्वीप के निकट अपने विध्वंसक पोतों को रवाना किया है। अमेरिका के इस कदम पर चीन ने कड़ी आपत्ति जताई है। चीन ने पारासेल द्वीप पर अपना अधिकार जताते हुए दावा किया है कि अमेरिका का ये फैसला उसकी संप्रभुता और सुरक्षा का उल्लंघन है। चीन ने अमेरिका को दक्षिण चीन सागर में हस्तक्षेप नहीं करने की चेतावनी दी है। उल्लेखनीय है कि चीन समूचे दक्षिण चीन सागर पर अपना दावा करता है। वहीं अमेरिका इस दावे को स्वीकार नहीं करता है। ताइवान और चीन के बीच जारी संघर्ष में भी अमेरिका खुलकर ताइवान के पक्ष में खड़ा है।

26 मार्च

एआईसीटीई ने नए कॉलेज खोलने पर लगी रोक हटाई

● अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) ने देश में नये इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी कॉलेज खोलने का रास्ता साफ कर दिया है। एआईसीटीई ने घोषणा की है कि नये इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी कॉलेज खोलने पर लगी अस्थाई रोक शैक्षणिक सत्र 2023-24 से समाप्त होगी। एआईसीटीई ने कहा कि नये इंजीनियरिंग और तकनीकी कॉलेज खोलने के संबंध में नई शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप बहु विषयक पाठ्यक्रमों की पेशकश करने वाले आवेदनों को प्राथमिकता दी जायेगी। नए कॉलेज और कोर्स की अनुमति नेशनल सिंगल विंडो सिस्टम पोर्टल के जरिए मिलेगी। उल्लेखनीय है कि एआईसीटीई ने दो वर्ष पहले तकनीकी पाठ्यक्रमों में विद्यार्थियों की कम संख्या को देखते हुए शैक्षणिक सत्र 2021-23 तक नये इंजीनियरिंग और मैनेजमेंट कॉलेज खोलने पर रोक लगाई थी।

● केंद्र सरकार ने कोविड-19 और मौसमी इंफ्लूएंजा बीमारी के बढ़ते मामलों के बीच अस्पतालों की तैयारियों को जांचने के उद्देश्य से 10 और 11 अप्रैल को राष्ट्रव्यापी मॉकड्रिल अभियान चलाने का निर्णय लिया है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय और भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) की ओर से इस मॉकड्रिल के संबंध में एक परामर्श जारी किया गया है। परामर्श में सभी जिलों के सार्वजनिक और निजी स्वास्थ्य केंद्रों को इस अभियान में भाग लेने को कहा गया है। इस मॉकड्रिल का उद्देश्य दवाओं, अस्पतालों में बिस्तर, चिकित्सा उपकरणों और मेडिकल ऑक्सीजन की उपलब्धता की समीक्षा करना है।

27 मार्च

आईआईटी के पाठ्यक्रम में शामिल हो सकती है वैदिक गणित

● भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) जैसे देश के बड़े शिक्षण संस्थानों के पाठ्यक्रम में भारतीय वैदिक गणित जल्द ही एक विषय के रूप में शामिल किया जा सकता है। देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों सहित कई अन्य उच्च शिक्षण संस्थानों में वैदिक गणित को विषय के रूप में पढ़ाने की तैयारी चल रही है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने कहा है कि भारतीय वैदिक गणित के साथ. साथ भारतीय दर्शनशास्त्र, भारतीय संस्कृत और विज्ञान एवं सौंदर्यशास्त्र भी उच्च शिक्षण संस्थानों में पढ़ाए जायेंगे। यूजीसी के अनुसार शिक्षा मंत्रालय द्वारा इन सभी विषयों पर देशभर के उच्च शिक्षण संस्थानों से एक्प्रेशन ऑफ इंटरेस्ट (अभिरुचि की अभिव्यक्ति) मांगा गया है। विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षण संस्थानों को यह अभिमत 30 अप्रैल से पहले ऑनलाइन देना होगा।

● इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने देश की न्यायिक प्रणाली में बदलाव और सुधार की योजना का विरोध करने पर रक्षा मंत्री योआव गैलेंट को बर्खास्त कर दिया है। गैलेंट ने न्यायिक प्रणाली में आमूल-चूल बदलाव की योजना का विरोध करते हुए इसे टालने का अनुरोध किया था। गैलेंट ने एक टीवी कार्यक्रम में कहा कि न्यायिक प्रणाली में बदलाव के विरुद्ध हो रहा देशव्यापी विरोध राष्ट्रीय सुरक्षा को कमजोर कर रहा है। इस योजना ने इजराइल के इतिहास में सबसे बड़े विरोध आंदोलन को जन्म दिया है। गैलेंट के इस बयान से प्रधानमंत्री नेतन्याहू नाराज हो गए। नेतन्याहू ने कहा कि उन्हें बतौर रक्षा मंत्री गैलेंट पर जरा भी भरोसा नहीं है। गैलेंट पूर्व सैन्य जनरल हैं और नेतन्याहू की लिकुड पार्टी के सांसद है।

28 मार्च

एनसीईआरटी की पाठ्यपुस्तकें 22 भाषाओं में होंगी प्रकाशित

● शिक्षा मंत्रालय नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप एनसीईआरटी की पाठ्यपुस्तकों में संशोधन करेगा। पाठ्यपुस्तकों को नेशनल कैरिकुलम फ्रेमवर्क के अनुसार तैयार किया जायेगा। केंद्रीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेन्द्र प्रधान ने इस संबंध में एक उच्चस्तरीय बैठक की। बैठक में श्री प्रधान ने कहा कि संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल 22 भाषाओं में एनसीईआरटी की पाठ्यपुस्तकें प्रकाशित की जायेंगी। उन्होंने कहा कि नई पाठ्यपुस्तकों को शैक्षणिक सत्र 2024-25 से लागू किए जाने की योजना है। उल्लेखनीय है कि अभी देश में वर्ष 1986 की शिक्षा नीति के तहत वर्ष 2005 के नेशनल कैरिकुलम फ्रेमवर्क के अनुसार तैयार की गई पाठ्यपुस्तकें चलन में हैं। नई शिक्षा नीति में स्कूली शिक्षा को 10+2 फॉर्मेट की जगह 5+3+3+4 फॉर्मेट में बदला गया है।

● अफगानिस्तान में तालिबान की सत्ता में वापसी के साथ बम धमाकों का सिलसिला लगातार जारी है। अब राजधानी काबुल में विदेश मंत्रालय के पास एक बम धमाका हुआ। इस धमाके में 6 लोगों की मौत हो गई और कई लोग घायल हो गए हैं। मृतकों में अफगान सेना के तीन जवान भी शामिल हैं। बीते तीन महीने में विदेश मंत्रालय के पास यह दूसरा आत्मघाती बम धमाका है। अफगानिस्तान के गृह मंत्रालय के प्रवक्ता अब्दुल नफी ने बताया कि आत्मघाती हमलावरों ने विदेश मंत्रालय के पास एक बिजनेस सेंटर के सामने खुद को विस्फोट से उड़ा लिया।

29 मार्च

शिक्षा मंत्रालय नए स्वरूप में शुरू करेगा राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा

● शिक्षा मंत्रालय ने स्कूली विद्यार्थियों के बीच लोकप्रिय राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा एक बार फिर शुरू करने का ऐलान किया है। शिक्षा मंत्रालय ने कहा कि छात्रों की ओर से लगातार उठ रही मांगों को देखते हुए इस परीक्षा को नए स्वरूप में लॉन्च किया जायेगा। इस परीक्षा को लेकर नई गाइड लाइन तैयार करने पर काम किया जा रहा है। मंत्रालय के अनुसार नए प्रस्ताव में राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा के दायरे को बढ़ाया जा सकता है। अभी इसके तहत हर वर्ष दो हजार विद्यार्थियों का चयन किया जाता है, जिसे बढ़ाने पर विचार किया जा रहा है। राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा आर्थिक रूप से कमजोर प्रतिभाशाली विद्यार्थियों की मदद के लिए शुरू की गई थी। इस परीक्षा को पिछले वर्ष निर्धारित अवधि पूरी होने के बाद बंद कर दिया गया था।

● कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने कर्मचारियों की भविष्य निधि जमा पर ब्याज दर में वृद्धि करने का निर्णय लिया है। ईपीएफओ की न्यासी केंद्रीय ट्रस्ट ने वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए भविष्य निधि जमा पर ब्याज दर में 0.05 प्रतिशत की वृद्धि की है। यह ब्याज दर अब 8.10 प्रतिशत से बढ़कर 8.15 प्रतिशत हो गई है। ब्याज दर में वृद्धि होने से ईपीएफओ के लगभग 6 करोड़ खाताधारकों को लाभ मिलेगा। इसके अलावा ईपीएफओ ने अपने खाताधारकों के लिए ई-पासबुक सुविधा भी शुरू की है। ईपीएफओ के अनुसार इस सुविधा के जरिए खाताधारक विस्तार से अपने खातों का विवरण देख सकेंगे।

30 मार्च

यूक्रेन से लौटे छात्रों को एमबीबीएस फाइनल करने का मिलेगा एक मौका

● यूक्रेन में युद्ध की वजह से मेडिकल की पढ़ाई छोड़कर भारत लौटे एमबीबीएस के छात्रों को बिना किसी कॉलेज में दाखिला लिए एमबीबीएस फाइनल परीक्षा के भाग एक और दो में बैठने का एक मौका मिलेगा। केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में जानकारी दी कि यूक्रेन से लौटे छात्रों को एमबीबीएस फाइनल की दोनों परीक्षाओं में सिर्फ एक बार ही बैठने का मौका मिलेगा। केंद्र सरकार ने सूचित किया कि छात्र एक वर्ष की अवधि के भीतर परीक्षा दे सकते हैं। परीक्षा के भाग एक को मंजूरी मिलने के बाद ही भाग दो की अनुमति दी जायेगी। सरकार ने कहा कि भाग दो में प्रेक्टिकल परीक्षाएं होंगी जो कुछ नामित सरकारी मेडिकल कॉलेजों द्वारा आयोजित की जायेंगी।

● केंद्र सरकार ने आधार नंबर को पैन नंबर से लिंक करने की समयसीमा में एकबार फिर वृद्धि की है। अब आधार पैन लिंक करने

की प्रक्रिया 30 जून तक जारी रहेगी। पहले यह समयसीमा 31 मार्च, 2023 तक थी। वित्त मंत्रालय की ओर से पैन को आधार से लिंक करने की अंतिम तिथि में बढ़ोत्तरी के फैसले के बाद कहा गया है कि 30 जून के बाद ये समयसीमा नहीं बढ़ाई जायेगी। वहीं आयकर विभाग ने कहा कि पैन को आधार से लिंक नहीं कराने पर पैन कार्ड डिएक्टिवेट हो जायेगा। डिएक्टिवेट होने के बाद यदि कोई व्यक्ति पैन नंबर का इस्तेमाल वित्तीय दस्तावेज के रूप में करता है तो उस पर भारी जुर्माना लगाया जायेगा।

31 मार्च

रक्षा मंत्रालय ने नौसेना के लिए गश्ती जहाजों के निर्माण को दी मंजूरी

● रक्षा मंत्रालय ने भारतीय नौसेना के लिए 11 गश्ती जहाजों और छह मिसाइल दागने में सक्षम युद्धपोतों के निर्माण के सौदे को मंजूरी दी है। रक्षा मंत्रालय के अनुसार ये सौदा 19 हजार 600 करोड़ रुपये का है। 11 गश्ती जहाजों के निर्माण का सौदा गोवा शिपयार्ड लिमिटेड और गार्डन रीच शिपबिल्डर्स के साथ किया गया है। 11 में से 7 जहाज गोवा में बनाये जायेंगे वहीं 4 जहाज कोलकाता में बनाये जायेंगे। वहीं छह मिसाइल लॉन्च युद्धपोतों का निर्माण कोच्चि शिपयार्ड लिमिटेड करेगी। मंत्रालय ने नौसेना के युद्धपोतों में लगी तोपों के फायर को नियंत्रित करने के लिए 13 लिंक्स यू 2 फायर कंट्रोल सिस्टम की खरीद पर भी मुहर लगाई है।

● रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध के बीच यूक्रेन को पश्चिमी देशों से मिल रही मदद के जवाब में रूस ने परमाणु हथियारों के संचालन संबंधी युद्ध तैयारियां शुरू कर दी हैं। रूस ने परमाणु बम ले जाने में सक्षम यार्स अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइलों के साथ अभ्यास किया। साइबेरिया में किए गए इस अभ्यास में रूस के तीन हजार से ज्यादा विशेष प्रशिक्षित सैनिकों ने तीन सौ मिसाइल सिस्टम के साथ अभ्यास किया। यार्स मिसाइलें कई बड़े परमाणु बम लेकर 12 हजार किलोमीटर तक हमला करने में सक्षम हैं।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित
फोटो : गूगल से साभार)

साप्ताहिक
रोज़गार और निर्माण
में विज्ञापन के लिए दरें

टैरिफ

क्रमांक	ब्लैक एंड व्हाइट रेट प्रति वर्ग सेमी (sq Per cm)	रंगीन रेट प्रति वर्ग सेमी (sq Per cm)
1. डीएवीपी (DAVP) रेट	17.76	24.86
2. कॉन्ट्रैक्ट रेट	70.00	98.00
3. कमर्शियल रेट	80.00	112.00

फुल पेज का आकार

चौड़ाई	-	25 सेंटीमीटर
लंबाई	-	37 सेंटीमीटर
कुल वर्ग सेंटीमीटर	-	925 वर्ग सेंटीमीटर

संपर्क करें :
40, प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल (म.प्र.) 462011
फोन नंबर : 0755-2551330, 0755-2760006
ई मेल : madhyam.rojgar@gmail.com, वेबसाइट : www.mpmadhyam.in

नोट : 1. 5% जीएसटी (GST) शुल्क अलग से देय होगा।
2. 4.5x5 सेमी (cm) से कम का विज्ञापन स्वीकार नहीं किया जाएगा।

वर्ष 40, अंक 14 03.04.2023 से 09.04.2023

रोज़गार और निर्माण

rojgaraurnirman.in

- प्रबंध संचालक - राघवेन्द्र कुमार सिंह
- सम्पादक - राजीव तिवारी
- प्रबंधक - वंदना चतुर्वेदी (विज्ञापन एवं प्रसार)
- प्रबंधक - सुभाष चन्द्र जोशी (मुद्रण)
- आकल्पन - अरविन्द टोप्पो
- वेबसाइट - आत्माराम शर्मा

वार्षिक सदस्य बनने के लिये रुपये 500/- (पाँच सौ) का डी.डी., मनीऑर्डर अथवा पोस्टल ऑर्डर रोज़गार और निर्माण, भोपाल के नाम बनवाकर नीचे लिखे पते पर भेजें :-
रोज़गार और निर्माण, मध्यप्रदेश माध्यम, 40 प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल (म.प्र.) पिन-462011
फोन- 2760006, 2551330, 4281330, फैक्स - 4228409, **e-mail : madhyam.rojgar@gmail.com**
रोज़गार और निर्माण कार्यालय में नगद राशि जमा कर भी इसकी वार्षिक सदस्यता प्राप्त की जा सकती है। रोज़गार और निर्माण में प्रकाशित लेखों में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं। इनसे सम्पादक की सहमति अनिवार्य नहीं है। किसी भी प्रकार के विवाद के लिये न्यायालयीन अधिकार क्षेत्र भोपाल रहेगा। रोज़गार और निर्माण में निजी संस्थाओं के विज्ञापन भी प्रकाशित किये जाते हैं, इन विज्ञापनों में किए गए दावे और तथ्य निजी संस्थाओं के अपने होते हैं। इसका समाचार पत्र के प्रबंधन से कोई संबंध नहीं है।

सम्पादकीय

समाधान ऑनलाइन से हल हुये लंबित प्रकरण

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि आमजन द्वारा सीएम हेल्पलाइन से दर्ज करायी गयी शिकायतों के त्वरित निराकरण के लिये विभागीय अधिकारी कार्य की गति बढ़ाएं। अनेक अधिकारी संवेदनशील होकर यह कार्य कर रहे हैं, वे बधाई के पात्र हैं। इस दौरान मुख्यमंत्री ने भोपाल स्थित मंत्रालय से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग द्वारा विभिन्न जिलों के आवेदकों से चर्चा कर उनके प्रकरणों में की गयी कार्यवाही की जानकारी प्राप्त की। मुख्यमंत्री द्वारा एक अस्पताल ब्लैक लिस्टेड करने के साथ 15 शासकीय सेवकों के विरुद्ध दंडात्मक कार्यवाही की गयी। समाधान ऑनलाइन में प्रकरणों को देरी से हल करने के दोषी एक लिपिक के निलंबन, 3 शासकीय सेवकों की वेतनवृद्धि रोकने, एक शासकीय सेवक का 15 दिन का वेतन काटने और 10 अधिकारी-कर्मचारियों को नोटिस देने की कार्यवाही की गयी। मुख्यमंत्री को खरगोन जिले के श्री यशवंत कर्मा ने बताया कि उन्हें आयुष्मान भारत योजना में एक निजी अस्पताल द्वारा नि:शुल्क उपचार के प्रावधान का लाभ नहीं दिया गया। उनसे अतिरिक्त 61 हजार रुपये की राशि ली गयी, जिसे लौटाने के लिये वे करीब डेढ़ वर्ष से प्रयास कर रहे हैं। शिकायत दर्ज करवाने के बाद 2 दिवस पहले उन्हें राशि वापस मिल गयी है। मुख्यमंत्री को धन्यवाद देते हुये आवेदक ने कहा कि सीएम हेल्पलाइन के कारण ही उन्हें राशि वापस मिल सकी है। प्रकरण में कलेक्टर खरगोन द्वारा शिकायत की जांच में अस्पताल प्रबंधन को दोषी पाया गया। मुख्यमंत्री ने अस्पताल को ब्लैक लिस्टेड करने के निर्देश दिये। अशोकनगर जिले के श्री गौरव यादव ने नल-जल योजना में पाइप के लीक होने से जलापूर्ति न होने की शिकायत की थी। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग ने विभागीय कार्य में लापरवाही बरतने पर कार्यपालन यंत्री श्री एस.के. जाटव, सहायक यंत्री श्री बी.एस. सुमंत, उपयंत्री श्री विनोद गुप्ता की वेतन वृद्धि रोकी है। प्रभारी अधीक्षण यंत्री श्री विनोद कुमार छारी से शिकायत का समय पर निराकरण नहीं करवाये जाने के लिये स्पष्टीकरण मांगा गया है। मुख्यमंत्री ने अन्य जिलों में भी सुचारु पेयजल आपूर्ति के कार्य में रुकावट के प्रकरण आने पर दोषी अमले के विरुद्ध सख्त कार्यवाही के निर्देश दिये। बालाघाट जिले की सुश्री सुनीता मेश्राम द्वारा प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के कार्य से क्षतिग्रस्त मुख्य पाइप लाइन की समय पर मरम्मत नहीं करवाने की शिकायत मई 2022 में दर्ज करवाई गई थी। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा अगस्त 2022 में पाइप लाइन का सुधार करवाने पर भी पर्याप्त पेय जल आपूर्ति नहीं होने की पुन: शिकायत दर्ज करवायी गई। मुख्यमंत्री ने पाइप लाइन की टूट-फूट को तुरंत ठीक करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि चाहे किसी भी जिले का मामला हो, नल-जल योजनाओं का उचित संधारण नियमित रूप से होना चाहिये। इस प्रकरण में दोषी निर्माण एजेंसी को कारण बताओ सूचना पत्र देते हुये मध्यप्रदेश ग्रामीण सड़क प्राधिकरण के उपयंत्री और ग्राम सचिव से स्पष्टीकरण मांगा गया है। उपयंत्री श्री रामनरेश यादव का 15 दिवस का वेतन काटने की कार्यवाही भी की गई है। समाधान ऑनलाइन में भोपाल के श्री प्रताप द्वारा छात्रवृत्ति राशि प्राप्त न होने की शिकायत पर अनुसूचित कल्याण विभाग और तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोज़गार विभाग द्वारा समाधान की कार्यवाही की गयी।

शोधकर्ताओं ने बच्चों में मिर्गी का कारण खोजा

मिर्गी एक ऐसी बीमारी है, जिससे ग्रसित होने पर व्यक्ति अचानक बेहोश होने लगता है। बच्चों में भी यह बीमारी पाई जाती है। डब्ल्यूएचओ के एक अध्ययन के अनुसार दुनिया में इससे पीड़ितों की आबादी लगभग 4 प्रतिशत है। यह बच्चों में सबसे आम मस्तिष्क विकारों में से एक है। एक नये अध्ययन में यह दावा किया गया है कि वैज्ञानिकों ने बच्चों में मिर्गी के कारणों की पहचान की है। शोध के मुताबिक दिमाग में उत्पन्न होने वाले पैच (क्षतिग्रस्त या असामान्य मस्तिष्क के ऊतकों के पैच) को हटाया जा सकता है। अध्ययन में कई अलग-अलग जीन के बारे में पता लगाया गया है, जिससे पैच उत्पन्न होते हैं। कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने बताया कि मस्तिष्क के ऊतकों में होने वाले पैच को कॉर्टिकल विकास की विकृतियों (एमसीडी) के रूप में जानते हैं। मेडिकल में इसे न्यूरोलॉजिकल डिसऑर्डर कहा जाता है। शोध विशेषज्ञ ने बताया कि पैच के उत्पन्न होने के कारणों में एमसीडी के आनुवांशिक कारणों को लक्षित किया गया। शोधकर्ताओं ने 20 से अधिक बच्चों के अस्पतालों से संपर्क किया। फिर एमसीडी प्रकारों की एक सीरीज में 283 बच्चों के दिमाग की जांच की। इसमें कोशिकाओं के छोटे हिस्से में मौजूद म्यूटेशन पर ध्यान केंद्रित किया गया। ये म्यूटेशन सेलुलर फंक्शन को बाधित करते हैं। इन्हें शोधित करने की जरूरत होती है। मस्तिष्क कोशिकाएं ज्यादातर विभाजित नहीं होती हैं, इसलिये मिर्गी के दौरे को उत्तेजित करके गलत व्यवहार करती हैं। शोध विशेषज्ञ ने बताया कि दिमाग में पहुंचने वाले संकेत में आनुवांशिक सौमेरिक मोजेकवाद प्रमुख कारक था। छिपे हुये उत्परिवर्तन के लिये परीक्षण किया गया। इस दौरान मस्तिष्क म्यूटेशन वाले 69 जीन की पहचान की। ये एमसीडी में पहले रिपोर्ट नहीं किये गये थे। वैज्ञानिकों ने बताया कि सभी जीन कैल्शियम सिग्नलिंग, जीन एक्सप्रेशन और सिनैप्टिक फंक्शन में परिवर्तित हो गये। म्यूटेशन को एक माउस मॉडल में पेश किया गया तो वह रोगियों में देखी गई असमान्यताओं के समान थी।

- देवेश तिवारी

(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी पर लिखते हैं)

विश्व हिन्दी रंगमंच दिवस | 3 अप्रैल

'जानकी मंगल' से हुआ था हिन्दी रंगमंच का आगाज

वर्ष 1868, तीन अप्रैल की शाम बनारस में पहली बार शीतला प्रसाद त्रिपाठी कृत हिन्दी नाटक 'जानकी मंगल' का मंचन हुआ था। इसी नाटक के मंचन से हिन्दी रंगमंच का आगाज हुआ था। आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ने जून 1967 में हिन्दी साहित्य के इतिहास में पहली बार इस नाटक के मंचन की प्रामाणिक तौर पर पुष्टि की थी। इंग्लैंड के 'एलिन इंडियन मेल' के आठ मई, 1868 के अंक में भी उस नाटक के मंचन की जानकारी प्रकाशित की गई थी। इसी आधार पर पहली बार हिन्दी रंगमंच दिवस की घोषणा तीन अप्रैल को की गई। हिन्दी रंगमंच की स्थापना में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका तत्कालीन काशी नरेश ईश्वरीनारायण सिंह ने निभाई। उन दिनों नाट्य क्षेत्र में ब्रितानी मॉडल ज्यादा प्रभावी थे। काशी की पारम्परिकता उस समय आधुनिकता के दबाव से बचने की कोशिश में बीच का रास्ता खोज रही थी। तब काशी के महाराज ईश्वरीयनारायण सिंह ने अपने दरबारी कवि गणेश को इस पर काम करने को कहा। गणेश ने जो नाटक लिखा वह पारम्परिक और छन्दबद्ध था, महाराज उससे संतुष्ट नहीं हुए। वह ऐसी परम्परा शुरू करना चाहते थे, जो अंग्रेजी नाट्य प्रस्तुति का मुकाबला कर सके। तब उन्होंने यह जिम्मेदारी शीतला प्रसाद त्रिपाठी को सौंपी। उन्होंने शास्त्रीय संस्कृत नाटक, पारम्परिक रामलीला और यूरोपीय नाट्य तत्वों को मिलाकर 'जानकी मंगल' तैयार किया। बाबू ऐश्वर्यनारायण प्रसाद सिंह ने रामलीला के कलाकारों के संग रिहर्सल शुरू की। प्रस्तुति का स्थान चुना गया कैंटोनमेंट का असेम्बली रूम्स एण्ड थियेटर जिसे बाद में 'रॉयल थिएटर' के नाम से भी जाना गया। इस नाट्य प्रस्तुति को ही हिन्दी रंगमंच की पहली आधिकारिक प्रस्तुति माना जाता है।

हिन्दी रंगमंच के आविर्भाव में भारतेन्दु हरिश्चन्द्र की भूमिका

जानकी मंगल की प्रस्तुति के ठीक पूर्व लक्ष्मण की भूमिका निभाने वाला कलाकार बीमार पड़ गया। नाटक स्थगित होने की नौबत आ गई। तभी अट्ठारह वर्षीय युवा भारतेन्दु हरिश्चंद्र वहां पहुंचे। उन्होंने लक्ष्मण की भूमिका करने को कहा। महाराज ने संवाद याद होना असम्भव बताया तो उन्होंने घण्टे भर में सभी संवाद याद कर सुना दिये और फिर नाटक खेला गया। हिन्दी नाट्य के आविर्भाव और उन्नयन में भारतेंदु हरिश्चंद्र के अवदान की यह शुरुआत थी। भारतेन्दु के मन में हिन्दी नाटक लेखन और उसके अभिनय का उत्साह जगा और उन्होंने खुद नाटक लिखना शुरू कर दिया। अपना नाट्य दल भी बनाया जिसमें राधाकृष्ण दास, रविदत्त शुक्ल, दामोदर शास्त्री, पण्डित चिन्तामणि, पण्डित माणिक लाल जोशी आदि थे। उन्होंने वाराणसी और बलिया के दादरी मेले में नाट्य प्रस्तुतियां दीं। इसके बाद तो काशी में नाटक करने के लिए नाट्य संस्थाओं का बनना आरम्भ हो गया।

भारतेन्दु हरिश्चंद्र के नाटक लिखने की शुरुआत वर्ष 1867 में बांग्ला नाटक विद्यासुन्दर के अनुवाद से होती है। यद्यपि नाटक उनके पहले भी लिखे जाते रहे किन्तु नियमित रूप से खड़ीबोली में अनेक नाटक लिखकर भारतेन्दु हरिश्चन्द्र ने ही हिन्दी नाटक की नींव को सुदृढ़ बनाया। उन्होंने 'हरिश्चन्द्र चन्द्रिका', 'कविवचनसुधा' और 'बाला बोधिनी' पत्रिकाओं का संपादन भी किया। वे एक उत्कृष्ट कवि, सशक्त व्यंग्यकार, सफल नाटककार, जागरूक पत्रकार तथा ओजस्वी गद्यकार थे। वे एक लेखक, कवि, सम्पादक एवं निबन्धकार भी थे।

हिन्दी रंगमंच के केन्द्र

काशी नरेश से इतर कानपुर की नाट्य संस्थाओं ने भी हिन्दी रंगमंच को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इससे यह स्पष्ट होता है कि उस समय देश में काशी से इतर भी हिन्दी रंगमंच के कई केंद्र थे। कानपुर के प्रमुख नाट्य मंच थे- 'भारत नाट्य समिति' और 'भारतीय कला मन्दिर' इन दोनों संस्थाओं का भी हिन्दी रंगमंच के आविर्भाव और उन्नयन में उल्लेखनीय योगदान रहा। इस समय भी 'कानपुर अकादमी ऑफ ड्रामेटिक आर्ट्स' तथा 'एम्बेसेडर' संस्थाएं समकालीन नाटकों के मंचन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। उधर बिहार में 'पटना नाटक मण्डली' तथा 'अमेच्योर ड्रामेटिक एसोसिएशन' उल्लेखनीय नाट्य मंच रहे हैं। वर्ष 1871 में हिन्दी रंगमंच का नवोत्थान कलकत्ता की 'अल्फ्रेड नाटक मंडली' से हुआ जिसने भारतेन्दु और राधाकृष्ण दास के नाटकों का मंचन प्रस्तुत किया। राधेश्याम कथावाचक इस मण्डली के प्रमुख नाटककार थे। इस मण्डली के मंच पर स्त्री चरित्रों की भूमिका पुरुष पात्र ही किया करते थे। इसी बीच कोलकाता के 'मॉर्डन थिएटर' ने मुम्बई की 'पारसी रंगमंच' की 'इम्पीरियर' आदि अनेक नाटक कम्पनियों को खरीदकर कोलकाता को रंगमंच का केंद्र बना दिया। इन संस्थाओं के एकीकरण के कारण नारायण बेताब, आगा हश्र, तुलसीदत्त शैदा, हरिकृष्ण जौहर आदि अनेक नाटककारों का संगम-स्थल कलकाता का 'मॉडर्न थिएटर' हो गया। मुंबई और कोलकाता के इन रंगमंच के एकीकरण में हिंदी रंगमंच के विकास में अभूतपूर्व योगदान दिया।

हिन्दी रंगमंच की पृष्ठभूमि

हिन्दी रंगमंच की पृष्ठभूमि का यदि हम भाष्य करें तो यह अत्यंत संपुष्ट और व्यापक रही है। हिन्दी रंगमंच संस्कृत नाटक, लोक रंगमंच एवं पारसी रंगमंच की पृष्ठभूमि का आधार लेकर विकसित हुआ है। संस्कृत के आचार्य भरतमुनि ने नाट्यशास्त्र में 'नाट्य' शब्द का प्रयोग केवल नाटक के रूप में न करके व्यापक अर्थ में किया है, जिसके अंतर्गत रंगमंच, अभिनय, नृत्य, संगीत, रस, वेशभूषा, रंगशिल्प, दर्शक आदि सभी पक्ष आ जाते हैं। भारत में संस्कृत रंगमंच की पृष्ठभूमि में चले जाने के बाद भी लोक रंगमंचों की परम्परा अत्यन्त सुदृढ़ रही। नौटंकी, रासलीला, रामलीला, स्वांग, नकल, खयाल, यात्रा, यक्षगान, नाचा, तमाशा आदि लोकप्रिय लोक-नाट्य रूप रहे हैं। इसी प्रकार पारसी रंगमंच की भी हिंदी रंगमंच के विकास में ऐतिहासिक भूमिका है। हिन्दी में वस्तुत: अव्यवसायिक रंगमंच का सूत्रपात वर्ष 1868 में बनारस थिएटर के साथ हुआ था। वर्ष 1884 में बनारस में 'नेशनल थियेटर' की स्थापना हुई। भारतेन्दु के अंधेर नगरी का प्रथम मंचन नेशनल थियेटर में ही किया था। हिन्दी रंगमंच के विकास में 'भारतेन्दु नाटक मण्डली' की भूमिका महत्वपूर्ण मानी जाती है। इस मण्डली ने लगभग डेढ़ दर्जन नाटकों का मंचन किया जिसमें सत्यवादी हरिश्चंद्र, सुभद्रा हरण, चंद्रगुप्त, स्कंदगुप्त, ध्रुवस्वामिनी प्रमुख हैं। इस नाटक मण्डली ने भारतेन्दुयुगीन नाटकों के साथ-साथ प्रसाद के नाटकों को भी सफलतापूर्वक मंचित कर हिन्दी के अपने रंगमंच के विकास का मार्ग प्रशस्त किया। जयशंकर प्रसाद के नाटकों को मंचित कर इस संस्था ने सिद्ध किया कि प्रसाद के नाटक पूर्णतः अभिनेय है।

इस दौर के हिन्दी रंगमंच के सरोकार सुस्पष्ट और सोद्देश्य थे

पिछली सदी के उत्तरार्द्ध के हिन्दी रंगमंच का यदि हम भाष्य करें तो इस दौर में हिन्दी रंगमंच के सामाजिक सरोकार न केवल सुस्पष्ट थे अपितु उद्देश्यपूर्ण भी थे। इस कालखण्ड के नाटकों में शहरी परिवेश और उनकी समस्याओं को खास जगह दी गई है यह नाटक इस दौर में खासे लोकप्रिय तो थे मगर आज के दौर में भी इन नाटकों को बड़े ही शिद्दत से देखा जाता है। हिन्दी के नाटकों में आजादी के बाद नवलेखन का दौर आया था जहां जयशंकर प्रसाद, धर्मवीर भारती, सर्वेश्वर दयाल सक्सेना, शंकर शेष, भीष्म साहनी, मन्नू भंडारी, कमलेश्वर, असगर वजाहत जैसे नाम अपने नाटकों के चलते मशहूर हुए। इन साहित्यकारों ने अपनी रचनाओं में शहरी परिवेश और उनकी समस्याओं को खास जगह दी। इनके नाटक अपने दौर में खासे लोकप्रिय तो थे ही मगर आज के दौर में भी इन नाटकों को बड़े ही शिद्दत से देखा जाता है। जिसका सबसे बड़ा उदाहरण यह है कि इन नाटकों के मंचन के दौरान पूरा हॉल खचा-खच भरा रहता है। इन्हीं नवलेखन के साहित्यकारों में जो नाम सबसे ज्यादा लोकप्रिय हुआ वह नाम मोहन राकेश का है। अपने नाटक 'आषाढ़ का एक दिन' में मोहन राकेश ने कालिदास के जीवन की कठोर वास्तविकताओं और उनकी कविताओं की कोमलता के आपसी द्वन्द्व को उभारा है। हालांकि, इन नाटक में बहुत से कठिन शब्द हैं फिर भी लोग इसे पसंद करते हैं। दूसरे विश्व युद्ध की त्रासदी को धर्मवीर भारती ने अपने नाटक 'अंधायुग' में महाभारत की कथा के स्वरूप में प्रस्तुत किया। हालांकि, यह नाटक कविता के रूप में है, फिर भी इसके मंचन को लोगों ने काफी पसंद किया एक और प्रख्यात लेखक भीष्म साहनी का नाटक 'कबीरा खड़ा बाजार में' समाज से सबसे बड़े आलोचक कबीर की जिंदगी के इर्द-गिर्द घूमता है। जहां समाज में इतना असंतोष फैला हो, जगह-जगह हिंसा और दंगे हो रहे हों वहां ऐसे नाटक की वास्तविकता समाज को आईना दिखाने का काम करती है।

स्वातंत्र्योत्तर भारत में बनी हिन्दी रंगमंच की राष्ट्रीय पहचान

देश की आज़ादी के बाद स्वातंत्र्योत्तर भारत में हिन्दी सहित भारतीय भाषाओं की राष्ट्रीय पहचान निर्मित करने में रंगमंच की भूमिका को भी महत्वपूर्ण मान कर राष्ट्रीय रंगमंच की स्थापना की राजकीय पहल हुई। आजादी के पूर्व ही भारतीय जननाट्य संघ (इप्टा) ने अपने प्रयासों से अखिल भारतीय रंगमंच को खड़ा किया। राजनीतिक और जन सरोकारों से युक्त नाटक करने के लिये इन्होंने रंगमंच को प्रोसेनियम से बाहर निकाला और परम्पराशील नाट्यशैलियों की ओर उन्मुख किया। आजादी के बाद इसका आंदोलनात्मक स्वरूप क्षीण हुआ, लेकिन इससे जुड़े अनेक रंगकर्मी स्वातंत्र्योत्तर भारतीय रगमंच के सूत्रधार बने।

औपनिविशिक रंगमंच की परम्परा आजादी के बाद भी रही जिसे मुख्यतः शहरी अभिजात मध्यवर्गीय और रंगकर्मियों ने आगे बढ़ाया। यथार्थवाद आधुनिकता की उपज थी इसलिये यह मान लिया गया था कि शहर और आधुनिक जीवन की विसंगतियों को यथार्थवाद ही व्यक्त कर सकता है। राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय की स्थापना भी इस दिशा में एक बड़ा कदम था।

राजा दुबे

(लेखक : जनसम्पर्क के सेवानिवृत्त संयुक्त संचालक हैं।)

मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग

क्रमांक 16882/09/2022/चयन इन्दौर, दिनांक : 21.03.2023

पदनाम - वैज्ञानिक अधिकारी (रसायन)

चयन - सूची (मुख्य भाग - 87 प्रतिशत)

आयोग के विज्ञापन **क्रमांक 14/2021 दिनांक 30.12.2021** एवं समय-समय पर जारी शुद्धिपत्रादि, सूचनाओं आदि के संदर्भ में गृह विभाग के अंतर्गत विज्ञापित पद - **वैज्ञानिक अधिकारी (रसायन)** के कुल-16 पद (अनारक्षित-04, अ.जा.-03, अ.ज.जा.-03, अ.पि.वर्ग-04, ई.डब्ल्यू.एस.-02) इनमें से महिलाओं हेतु आरक्षित पद - अनारक्षित-01, अ.जा.-01, अ.ज.जा.-01, अ.पि.वर्ग-01, ई.डब्ल्यू.एस.-01 (कुल विज्ञापित पदों में से दिव्यांगजन के लिए आरक्षित पद - अस्थिबाधित-01, दृष्टिबाधित-निरंक, श्रवणबाधित-01 एवं बहु-दिव्यांग-निरंक पद आरक्षित) विज्ञापित किए गए हैं। उक्त पदों की पूर्ति के लिए अर्ह आवेदकों के साक्षात्कार **दिनांक 15.03.2023 से 17.03.2023 तक** आयोजित किए गए।

2. म.प्र. शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के पत्र क्रमांक एफ 07-46/2021/आ.प्र./एक दिनांक 29.09.2022 में दिए गए दिशा-निर्देशों के अनुपालन में गृह विभाग के पत्र क्रमांक एफ 1(बी) 152/16/बी-4/दो दिनांक 26.12.2022 में उल्लेखित रिक्ति विवरण के अनुसार आयोग द्वारा विज्ञापित शुद्धि पत्र क्रमांक 05/14/2021 दिनांक 03.01.2023 के माध्यम से उपरोक्त विज्ञापन क्रमांक 14/2021 दिनांक 30.12.2021 के अंतर्गत विज्ञापित पदों का 87 प्रतिशत मुख्य भाग एवं 13 प्रतिशत प्रावधिक भाग की रिक्तियों का पद विभाजन विज्ञापित किया गया है जिसके अनुसार, चयन परिणाम दो भागों में मुख्य भाग एवं प्रावधिक भाग के रूप में घोषित किया जाना प्रावधानित किया गया है। चयन परिणाम केवल 87 प्रतिशत पदों (मुख्य भाग) का घोषित किए जाने के प्रावधान के तहत मुख्य भाग हेतु पुनरीक्षित रिक्तियों का विवरण निम्नांकित तालिका में अंकित है। उक्त शुद्धि पत्र दिनांक 03.01.2023 के बिन्दु क्रमांक 3 में उल्लेखित कंडिका के अनुसार प्रावधिक भाग का चयन परिणाम अन्य पिछड़ा वर्ग आरक्षण के संबंध में प्रचलित न्यायालयीन प्रकरण के अंतिम न्यायिक निर्णय के पश्चात् घोषित किया जाएगा।

3. अतएव साक्षात्कार में प्राप्तांकों के गुणानुक्रम के आधार पर निम्नानुसार केवल 87 प्रतिशत पदों (मुख्य भाग) की चयन सूची घोषित की जाती है :–

वैज्ञानिक अधिकारी (रसायन) (गृह विभाग)

पद विवरण तालिका (मुख्य भाग - 87 प्रतिशत)

	अनारक्षित	अ.जा.	अ.ज.जा.	अ.पि.व.	ई.डब्ल्यू.एस.	योग
कुल पदों की संख्या	4	3	3	2	2	14
इनमें से महिलाओं के लिए आरक्षित पद	1	1	1	1	1	
कुल पदों में से अस्थिबाधित दिव्यांगजनों के लिए आरक्षित पद					1	
कुल पदों में से श्रवणबाधित दिव्यांगजनों के लिए आरक्षित पद					1	

मुख्य सूची

स.क्र.	अनुक्रमांक	नाम	लिंग	Seat	श्रेणी
1.	4124	ANAND KUMAR AWASTHI	M	UNR	UNR
2.	4180	DEEPAK SINGN	M	UNR	UNR
3.	4097	DEEPA OBEROI	F	UNRF	UNR
4.	4398	SIDDARTH JAIN	M	EWS	EWS
5.	4289	KULDEEP MALVIY	M	OBC	OBC
6.	4231	HEMLATA BHAMDARE	F	OBCF	OBC
7.	4328	MITHUN KORI	M	SC	SC
8.	4324	RAJESH KUMAR KORI	M	SC	SC
9.	4384	MUKESH KANESH	M	ST	ST
10.	4403	RENU DUBEY	F	EWSF	EWS
11.	4365	PRIYANKA PAHADE	F	SCF	SC
12.	4375	CHANCHALA MANDLOI	F	STF	ST
13.	4379	MOHAN SINGH DAWAR	M	STHO अस्थिबाधित	ST

अनुपूरक सूची

स.क्र.	अनुक्रमांक	नाम	लिंग	श्रेणी
1.	4001	BHARTI TIWARI	F	UNR
2.	4149	NIHARIKS SHARMA	F	UNR
3.	4079	ROHINI	F	UNR
4.	4287	PRACHI TADGE	F	OBC
5.	4410	VIRENDRA PRASAD TIWARI	M	EWS
6.	4249	TARUN KUMARI	F	OBC
7.	4371	PRADEEP UIKEY	M	ST
8.	4407	KAVITA JAIN	F	EWS
9.	4369	SANJAY SINGH BAGRI	M	SC
10.	4376	PRERANA ALAWA	F	ST
11.	4347	MINAKSHEE SAWANKAR	F	SC
12.	4357	MINI BHARATI AHIRWAR	F	SC
13.	4382	PAWAN BHANWER	M	ST
14.	4160	RIPUL MEHROTRA	M अस्थिबाधित	UNR

टीप :–

1. म.प्र. शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के परिपत्र क्रमांक एफ-7-46/99/आ.प्र./एक भोपाल दिनांक 07 नवम्बर, 2000 में दिए निर्देशों के तहत अनारक्षित (ओपन) पदों पर चयन हेतु निर्धारित मापदंड के तहत आरक्षित वर्ग के वे ही आवेदक ऐसे ओपन पदों पर चयनित किए गए हैं जो कि हर प्रकार से सामान्य वर्ग के उम्मीदवार के समान ही बिना किसी रियायत के योग्यता प्राप्त किए हों। किसी प्रकार की रियायत को प्राप्त किए बिना तथा मेरिट में आने पर ही आरक्षित वर्ग के उम्मीदवारों का चयन मेरिट गुणानुक्रम के आधार पर अनारक्षित पदों पर किया गया है।
2. म.प्र. शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के परिपत्र क्रमांक सी/3-2/97/3/एक भोपाल, दिनांक 10.02.1997 की कंडिका 05 के परिपालन में घोषित की गई चयन सूची में पर्याप्त संख्या में महिला अभ्यर्थी अनुपलब्ध होने की दशा में महिलाओं हेतु आरक्षित पदों को संबंधित प्रवर्ग के पुरुष अभ्यर्थियों से भरे जाने का प्रावधान प्रावधानित है।
3. चयन परिणाम प्रकाशित होने के बाद यदि कम्प्यूटर त्रुटि/लिपिकीय त्रुटि आयोग के संज्ञान में आती है तो आयोग के पास चयन परिणाम सुधारने का अधिकार सुरक्षित रहेगा।
4. कुल विज्ञापित पदों में से शुद्धिपत्र दिनांक 03.01.2023 में उल्लेखित मुख्य भाग - 87 प्रतिशत हेतु विज्ञापित कुल 14 पदों में से दिव्यांग श्रेणी हेतु 02 पद (अस्थिबाधित-01, श्रवणबाधित-01 पद) विज्ञापित है परंतु श्रवणबाधित दिव्यांग श्रेणी हेतु अभ्यर्थी उपलब्ध नहीं होने के कारण (श्रवणबाधित-01 पद) कुल 01 पद रिक्त रहा है। शासन निर्देश के परिपालन में दिव्यांगजनों के पद रिक्त रहने की स्थिति में अनारक्षित वर्ग के विज्ञापित पदों से उतने ही पद रिक्त रखे जाने का प्रावधान है। अतः कुल 01 पद दिव्यांगजन के रिक्त पद के विरुद्ध अनारक्षित वर्ग से रिक्त रखा गया है।
5. घोषित चयन परिणाम मान. उच्च न्यायालय में लंबित याचिका क्रमांक डब्ल्यू.पी. 5901/2019 एवं अन्य समान याचिकाओं के अंतिम निर्णय के अध्यधीन रहेगा। इसीप्रकार ई.डब्ल्यू.एस. वर्ग के अभ्यर्थियों के चयन की अभ्यर्थिता शुद्धिपत्र दिनांक 25.05.2022 में वर्णित कंडिका 03 में उल्लेखित याचिका क्रमांक 2108/2022 के अंतिम निर्णय के अध्यधीन रहेगा।

सचिव
म.प्र. लोक सेवा आयोग, इंदौर

जी-25037/48336/2023

कार्यालय कलेक्टर (जनजातीय कार्य विभाग) मण्डला

जिला-मण्डला

क्रमांक/निर्माण/ई-निविदा/सहा.आयु./2022-23/19001 मण्डला, दिनांक : 17.03.2023

ऑनलाइन ई-निविदा (द्वितीय आमंत्रण)

मध्यप्रदेश के राज्यपाल की ओर से प्रतिशत दर पर मध्यप्रदेश लोक निर्माण विभाग की केन्द्रीयकृत पंजीयन प्रणाली में पंजीकृत सक्षम ठेकेदारों से तालिका में अंकित निर्माण कार्यों हेतु लोक निर्माण विभाग की प्रचलित दर अनुसूची (भवन कार्य हेतु) जो परियोजना संचालक, लोक निर्माण विभाग म.प्र. भोपाल द्वारा जारी एवं दिनांक 15.09.2022 से प्रभावशील है तथा विद्युतीकरण कार्यों हेतु प्रचलित दर अनुसूची लोक निर्माण विभाग (विद्युत प्रभाग) म.प्र. द्वारा जारी एवं दिनांक 15.09.2022 से प्रभावशील (निविदा दिनांक तक समस्त संशोधनों सहित) तथा सी.सी. रोड निर्माण कार्य हेतु मार्च 2022 से प्रभावशील (निविदा दिनांक तक समस्त संशोधनों सहित) निम्नलिखित कार्यों हेतु ऑनलाइन निविदा वर्ष 2022-23 के लिये आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण ऑनलाइन पोर्टल **http://www.mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है। अतः ऑनलाइन निविदा प्रपत्र विक्रय की **अंतिम तिथि 05.04.2023** समय शाम 5.00 बजे एवं ऑनलाइन निविदा जमा करने की **अंतिम तिथि 05.04.2023 समय शाम 5.30 बजे तक** आमंत्रित की जाती है तथा निविदा का शेड्यूल (key date) विभागीय ई निविदा के पोर्टल पर देखा जा सकता है।

क्र.	कार्य का नाम	Online Tender NIT No.	निविदा कार्य की लागत राशि (लाखों में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (लाखों में)	अमानत राशि (लाखों में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	पंजीयन की श्रेणी
1.	शासकीय उ.मा. शाला बम्हनीदेवहरा, उमरिया, अहमदपुर, औरई हेतु वित्तीय वर्ष 2022-23 में विद्युतीकरण, बाउण्ड्रीवॉल, शौचालय बाथरूम, प्लास्टर, खिड़की, छत, फर्श, दरवाजा, रंगाई, पुताई, मच्छरजाली एवं विविध लघुमूल निर्माण कार्य।	2023 TAD 261661 -1	89.74 (नवासी लाख चौहत्तर हजार)	0.10 (दस हजार)	0.90 (नब्बे हजार)	03 माह वर्षाकाल सहित	लो.नि.वि. में पंजीकृत ठेकेदार
2.	आदिवासी बैगा बालक आश्रम पिपरिया, उत्कृष्ट बालक छात्रावास निवास, कन्या निवास, महाविद्यालयीन कन्या छात्रावास निवास, हेतु वित्तीय वर्ष 2022-23 में विद्युतीकरण, शौचालय बाथरूम, प्लास्टर, खिड़की, छत, फर्श, दरवाजा, रंगाई, पुताई, मच्छरजाली एवं विविध लघुमूल निर्माण कार्य।	2023 TAD 261666 -1	75.24 (पिछत्तर लाख चौबीस हजार)	0.10 (दस हजार)	0.76 (छिहत्तर हजार)	03 माह वर्षाकाल सहित	लो.नि.वि. में पंजीकृत ठेकेदार
3.	आदिवासी सीनियर बालक छात्रावास निवास, कन्या आश्रम निवास, हेतु वित्तीय वर्ष 2022-23 में विद्युतीकरण, शौचालय, बाथरूम, प्लास्टर, खिड़की, छत, फर्श, दरवाजा, रंगाई पुताई, मच्छरजाली एवं विविध लघुमूल निर्माण कार्य।	2023 TAD 261667 -1	78.60 (अठहत्तर लाख साठ हजार)	0.10 (दस हजार)	0.79 (उन्यासी हजार)	03 माह वर्षाकाल सहित	लो.नि.वि. में पंजीकृत ठेकेदार
4.	आदिवासी उत्कृष्ट बालक छात्रावास नारायणगंज, कन्या छात्रावास नारायणगंज, बालक बबलिया, मानेगांव, कन्या आश्रम सिवनीमाल हेतु वित्तीय वर्ष 2022-23 में विद्युतीकरण, शौचालय बाथरूम, खिड़की, छत, फर्श, दरवाजा, रंगाई, पुताई एवं विविध लघुमूल निर्माण कार्य।	2023 TAD 261668 -1	88.98 (अट्ठासी लाख अंठान्वे हजार)	0.10 (दस हजार)	0.89 (नवासी हजार)	03 माह वर्षाकाल सहित	लो.नि.वि. में पंजीकृत ठेकेदार
5.	आदिवासी बालक आश्रम सलैया, बालक छात्रावास रतनपुर चौकी हेतु वित्तीय वर्ष 2022-23 में विद्युतीकरण, शौचालय बाथरूम, खिड़की, छत, फर्श, दरवाजा, रंगाई, पुताई एवं विविध लघुमूल निर्माण कार्य।	2023 TAD 261669 -1	57.99 (संतावन लाख निन्यान्वे हजार)	0.10 (दस हजार)	0.58 (अंठावन हजार)	03 माह वर्षाकाल सहित	लो.नि.वि. में पंजीकृत ठेकेदार
6.	कन्या आश्रम औरई, मवई बालक मांगा हेतु वित्तीय वर्ष 2022-23 में विद्युतीकरण, शौचालय बाथरूम, खिड़की, छत, फर्श, दरवाजा, रंगाई, पुताई एवं विविध लघुमूल निर्माण कार्य।	2023 TAD 261670 -1	89.96 (नवासी लाख छियान्वे हजार	0.10 (दस हजार)	0.90 (नब्बे हजार)	03 माह वर्षाकाल सहित	लो.नि.वि. में पंजीकृत ठेकेदार

अतएव उपरोक्तानुसार दर्शित कार्यों को समय सीमा पर पूर्ण कराने के निर्देश पोर्टल पर देखा जा सकता है तथा निविदा की शेष अनिवार्य शर्तें निविदा पोर्टल **http://www.mptenders.gov.in** पर देखी जा सकती है।

सहायक आयुक्त
जनजातीय कार्य विभाग मण्डला

जी-25022/48335/2023

कार्यालय मुख्य अभियंता
लोक निर्माण विभाग, उज्जैन परिक्षेत्र उज्जैन

दूरभाष नं. :– 0734-2524462, ई-मेल :– cepwdujjain@mp.nic.in

निविदा सूचना क्र. 24/सामान्य/मु.अ./2022-23 उज्जैन, दिनांक : 20.03.2023

निविदा सूचना

निम्नलिखित कार्यों हेतु प्रतिशत दर के आधार पर निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट www.mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र.	जिला	टेण्डर आई.डी. क्रमांक	कार्य का नाम	ठेके की अनु. राशि (रु. लाख में)	कार्य की समयावधि
1.	उज्जैन	2023_PWDRB_261843_pack1	आलमपुर उड़ाना से नरवर व्हाया बोलसा मार्ग का मजबूतीकरण कार्य। (तृतीय आमंत्रण)	521.14	05 माह वर्षाकाल सहित
2.	देवास	2023_PWDRB_261844_pack1	देवास मेढकीचक देवर पहुंच मार्ग कि.मी. 2/8 से 11/6 कुल लंबाई 9.30 कि.मी. का मजबूतीकरण कार्य। (तृतीय आमंत्रण)	696.98	05 माह वर्षाकाल सहित
3.	शाजापुर	2023_PWDRB_261829_pack1	कालापीपल-मगराखेड़ी मार्ग के कि.मी. 3/4 से 6/8, 13/4 से 14/8, 15/4 से 15/10 लंबाई 6.00 कि.मी. में मजबूतीकरण कार्य। (प्रथम आमंत्रण)	520.60	04 माह वर्षाकाल सहित

उपरोक्त वेबसाइट ऑनलाइन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय एवं ऑनलाइन बिड सबमिशन की **अंतिम दिनांक 03.04.2023 सायं 5.30 बजे** निर्धारित है। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखा जा सकता है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर किया जायेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।

मुख्य अभियंता

जी-24981/48338/2023 **लोक निर्माण विभाग, उज्जैन परिक्षेत्र उज्जैन**

कार्यालय अधिष्ठाता एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी
गांधी चिकित्सा महाविद्यालय, स्वशासी समिति, भोपाल

क्रमांक/12530/एम.सी./4/राज/2023 भोपाल, दिनांक : 24.03.2023

विज्ञप्ति

म.प्र. शासन चिकित्सा शिक्षा विभाग मंत्रालय भोपाल के ज्ञाप क्रमांक एफ 2-53/2017/1/55 दिनांक 12.01.2018 मध्यप्रदेश स्वशासी चिकित्सा शैक्षणिक आदर्श सेवा नियम 2018 एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग मंत्रालय भोपाल का आदेश क्रमांक एफ 2-45/2010/1/55 दिनांक 27.12.2022 के अंतर्गत स्वशासी संस्था गांधी चिकित्सा महाविद्यालय भोपाल के अधीन निम्नलिखित विभागों में प्राध्यापक/सह प्राध्यापक/सहायक प्राध्यापक के रिक्त पदों की पूर्ति की जाना है। आवेदन करने की पात्रता केवल उन्हीं उम्मीदवार को होगी जो शासन/एनएमसी द्वारा निर्धारित टी.ई.क्यू नियमावली दिनांक 14.02.2022 अनुसार अर्हताएं पूरी करते हों। रिक्तियां निम्नानुसार है :–

प्राध्यापक - वेतनमान लेवल 14 : 144200-218200

पदोन्नति/सीधी भर्ती

क्रमांक	विभाग	UR	OBC	ST	SC	Remark
1.	पी एम आर	01	-	-	-	-
2.	मेडिकल आकोलॉजी	01	-	-	-	-
3.	स्पोर्ट्स मेडिसिन	01	-	-	-	-
4.	मेडिकल फिजिसिस्ट	01	-	-	-	-
	कुल-04	**04**	**00**	**00**	**00**	**-**

सह-प्राध्यापक वेतनमान - लेवल 13ए : 131400-217100

पदोन्नति/सीधी भर्ती

क्रमांक	विभाग	UR	OBC	ST	SC	Remark
1.	पी एम आर	01	-	-	-	-
2.	मेडिकल आकोलॉजी	01	-	-	-	-
3.	स्पोर्ट्स मेडिसिन	01	-	-	-	-
	कुल-03	**03**	**00**	**00**	**-**	**-**

सहायक-प्राध्यापक (सीधी भर्ती) वेतन मेट्रिक्स लेवल 11 - 68900-139900

क्रमांक	विभाग	UR	OBC	ST	SC	EWS	Remark
1.	इमरजेंसी मेडिसिन	01	-	-	-	-	-
2.	जनरल सर्जरी	01	-	-	-	-	-
3.	माइक्रोबायोलॉजी RIRD	01	-	-	-	-	-
4.	बाल्य एवं शिशुरोग	02	-	01	01	-	-
5.	फिजियोलॉजी	01	-	-	-	-	-
6.	पी एम आर	01	-	-	-	-	-
7.	रेस्पिरेटरी मेडिसिन	-	-	-	01	-	-
8.	नेफ्रोलॉजी	-	-	01	-	-	-
9.	स्पोर्ट्स मेडिसिन	01	-	-	-	-	-
10.	क्रिटिकल केयर मेडिसिन RIRD	01	-	-	-	-	-
11.	कम्यूनिटी मेडिसिन	-	-	01	-	-	-
	कुल-14	**09**	**00**	**03**	**02**	**-**	**-**

रिक्तियों की संख्या परिवर्तनीय है।

नोट : उपरोक्तानुसार रिक्त पदों की पूर्ति हेतु नियम/शर्ते एवं विस्तृत जानकारी संस्था की वेबसाइट **www.gmcbhopal.net** पर उपलब्ध होंगी। आवेदित पद हेतु आवेदन प्राप्ति की अंतिम तिथि विज्ञापन संस्था की वेबसाइट पर **प्रकाशित होने से 15 दिवस तक** रहेगी।

अधिष्ठाता एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी

जी-25044/48337/2023 **गांधी चिकित्सा महाविद्यालय, स्वशासी समिति, भोपाल**

मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग
रेसीडेंसी क्षेत्र - इंदौर

शुद्धिपत्र क्रमांक 10.03.2019 दिनांक 17.03.2023

राज्य सेवा मुख्य परीक्षा 2019 (विशेष परीक्षा) का आयोजन परीक्षा केन्द्रों के संदर्भ में आवश्यक सूचना

1. मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा राज्य सेवा परीक्षा 2019 हेतु जारी विज्ञापन क्रमांक 03/2019 दिनांक 14.11.2019 के संदर्भ में आयोजित की गई, प्रारंभिक परीक्षा का पुनरीक्षित परिणाम दिनांक 13.01.2023 को घोषित किया गया है।
2. उक्त परीक्षा में सफल आवेदकों हेतु राज्य सेवा मुख्य परीक्षा 2019 (विशेष परीक्षा) का आयोजन दिनांक 15.04.2023 से दिनांक 20.04.2023 तक एक सत्र में निम्नानुसार 04 परीक्षा केन्द्रों पर किया जाएगा :–

क्रमांक	परीक्षा केन्द्र
1	जबलपुर
2	इंदौर
3	भोपाल
4	ग्वालियर

3. परीक्षा हेतु प्रवेश पत्र की उपलब्धता **दिनांक 08.04.2023 से** आयोग की वेबसाइट **http://www.mppsc.mp.gov.in/** पर रहेगी।

जी-25004/48340/2023 **उप सचिव**

कार्यालय अधिष्ठाता एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी
गांधी चिकित्सा महाविद्यालय, स्वशासी समिति, भोपाल

क्रमांक/12529/एम.सी./4/राज/2023 भोपाल, दिनांक : 24.03.2023

विज्ञप्ति

म.प्र. शासन चिकित्सा शिक्षा विभाग मंत्रालय भोपाल के ज्ञाप क्रमांक एफ 2-53/2017/1/55 दिनांक 12.01.2018 मध्यप्रदेश स्वशासी चिकित्सा शैक्षणिक आदर्श सेवा नियम 2018 एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग मंत्रालय भोपाल का आदेश क्रमांक एफ 2-45/2010/1/55 दिनांक 27.12.2022 के अंतर्गत स्वशासी संस्था गांधी चिकित्सा महाविद्यालय भोपाल के अधीन निम्नलिखित विभागों में प्राध्यापक/सह प्राध्यापक/सहायक प्राध्यापक के बैकलॉग के रिक्त पदों की पूर्ति की जाना है। आवेदन करने की पात्रता केवल उन्हीं उम्मीदवार को होगी जो शासन/एनएमसी द्वारा निर्धारित टी.ई.क्यू नियमावली दिनांक 14.02.2022 अनुसार अर्हताएं पूरी करते हों। रिक्तियां निम्नानुसार है :–

प्राध्यापक - वेतनमान लेवल 14 : 144200-218200

पदोन्नति/सीधी भर्ती

क्रमांक	विभाग	UR	OBC	ST	SC	Remark
1.	प्रसूति एवं स्त्री रोग	-	-	01	-	-
2.	कार्डियोलॉजी	-	-	01	-	-
	कुल-02	**00**	**00**	**02**	**00**	**-**

सह-प्राध्यापक वेतनमान - लेवल 13ए : 131400-217100

पदोन्नति/सीधी भर्ती

क्रमांक	विभाग	UR	OBC	ST	SC	Remark
1.	प्रसूति एवं स्त्री रोग	-	-	01	-	-
2.	रेस्पिरेटरी मेडिसिन	-	-	01	-	-
3.	कार्डियोलॉजी	-	-	01	-	-
	कुल-03	**00**	**00**	**03**	**-**	**-**

सहायक-प्राध्यापक (सीधी भर्ती) वेतन मेट्रिक्स लेवल 11 - 68900-139900

क्रमांक	विभाग	UR	OBC	ST	SC	EWS	Remark
1.	प्रसूति एवं स्त्री रोग	-	01	04	-	-	-
2.	फार्माक्लॉजी	-	-	01	-	-	-
3.	गेस्ट्रोइंटेलॉजी	-	-	01	-	-	-
4.	जनरल सर्जरी	-	01	-	-	-	-
5.	रेस्पिरेटरी मेडिसिन	-	01	02	-	-	-
6.	रेडियोडायग्नोसिस	-	-	01	02	-	-
7.	नेफ्रोलॉजी	-	01	0	0	-	-
8.	मेडिकल आंकोलॉजी	-	01	-	-	-	-
	कुल-16	**00**	**05**	**09**	**02**	**00**	**-**

रिक्तियों की संख्या परिवर्तनीय है।

नोट : उपरोक्तानुसार रिक्त पदों की पूर्ति हेतु नियम/शर्ते एवं विस्तृत जानकारी संस्था की वेबसाइट **www.gmcbhopal.net** पर उपलब्ध होंगी। आवेदित पद हेतु आवेदन प्राप्ति की अंतिम तिथि विज्ञापन संस्था की वेबसाइट पर **प्रकाशित होने से 15 दिवस तक** रहेगी।

अधिष्ठाता एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी

जी-25000/48339/2023 **गांधी चिकित्सा महाविद्यालय, स्वशासी समिति, भोपाल**

अधोसंरचना निर्माण के लिए 36 निकायों को 200 करोड़ की राशि जारी

भोपाल, नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री भूपेन्द्र सिंह ने बताया है कि मुख्यमंत्री नगरीय क्षेत्र अधोसंरचना निर्माण योजना में 36 नगरीय निकायों को 200 करोड़ रुपये जारी किये गये हैं। इस राशि से नगरों में स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स, सी.सी रोड, पार्किंग, ऑडिटोरियम, विद्युतीकरण और सौन्दर्यीकरण जैसे विभिन्न विकास कार्य किए जायेंगे।

यह राशि नगर निगम ग्वालियर, देवास, खण्डवा, उज्जैन, इंदौर, सागर, जबलपुर और भोपाल सहित नगरीय निकाय भाण्डेर, शिवपुरी, गुना, अशोकनगर, सुरखी, टीकमगढ़, खरगापुर, राजनगर, नागौद, मैहर, अमरपाटन, गोविन्दगढ़, बरगंवा, ब्यौहारी, मण्डला, सिवनी, हरदा, माखन नगर, सोहागपुर, औबेदुल्लागंज, मंडीदीप, सांची, सीहोर, बदनावर, नीमच, अठाना, सिंगोली और कन्नौद को जारी की गई है।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड - सिवनी (म.प्र.)

विज्ञापन पत्र क्रमांक/1089/व.ले.लि./का.यं./लो.स्वा.यां./खण्ड/2023 सिवनी, दिनांक 27.03.2023

निविदा आमंत्रण सूचना (संक्षिप्त)

निम्नलिखित कार्य की निविदा प्रक्रिया ई-प्रोक्यूरमेंट ई-टेण्डरिंग पद्धति से पोर्टल **http://www.mptenders.gov.in** पर आमंत्रित हैं। निविदा का विवरण निम्नानुसार है :–

कार्य का नाम :– जल जीवन मिशन के अंतर्गत सिवनी जिले के विकासखण्ड केवलारी के ग्राम चमरवारा, तुरगा, भोरगोंदी, किमाची, पीपरदौन, भाटा, खापा, भादूटोला, पीपरदौन (झोला), घरगोंदी, चीचबंद, धनागढ़ा एवं रायखेड़ा की नवीन नलजल प्रदाय योजना का क्रियान्वयन कार्य 20/30/40 कि.ली. क्षमता का आर.सी.सी. सम्पवेल निर्माण तुरगा, भोरगोंदी, किमाची, पीपरदौन, भाटा, खापा, भादूटोला, पीपरदौन (झोला), घरगोंदी, चीचबंद, धनागढ़ा एवं रायखेड़ा इत्यादि सामग्री एवं मजदूरी सहित, 100 प्रतिशत एफ.एच.टी.सी. एवं 90 दिवस का ट्रायल रन सहित कार्य। समूह क्रमांक 01 (प्रथम आमंत्रण)

निविदा सूचना क्र./ दिनांक	ई-टेण्डरिंग पद्धति क्रमांक	कुल अनुमानित लागत (रु. लाख में)	कुल अमानती राशि (रु. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु. में)	ऑनलाइन निविदा प्रपत्र क्रय करने की अंतिम तिथि	ऑनलाइन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि	समय अवधि	ठेकेदार की श्रेणी
28/नि.प्र./2022-23 दिनांक 24.03.2023	2023_PHED_262421_1	346.87	3,46,870/-	15,000/-	10.04.2023	10.04.2023	270 दिवस (वर्षाकाल सहित) 90 दिवस ट्रायल रन सहित	म.प्र. लोक निर्माण विभाग, भोपाल में केन्द्रीयकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ''स'' सिविल एवं उससे ऊपर की श्रेणी तथा अन्य राज्य अथवा केन्द्र के विभागों में उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदार

कार्य का नाम :– जल जीवन मिशन के अंतर्गत सिवनी जिले के विकासखण्ड छपारा के ग्राम भेंड़की, भौरगढ़, धारिया रैयत, कमली, तिलेपानी, ढोडा, ढुटई, सर्रा एवं सुकरी (अटामा) की नवीन नलजल प्रदाय योजना का क्रियान्वयन कार्य 20/30/40 कि.ली. क्षमता का आर.सी.सी. सम्पवेल निर्माण (भेंड़की, भौरगढ़, धारिया रैयत, कमली, तिलेपानी, ढोडा, ढुटई, सर्रा एवं सुकरी (अटामा), 50/75 कि.ली. क्षमता की आर.सी.सी. उच्चस्तरीय टंकी निर्माण (तिलेपानी, ढुटई एवं सुकरी (अटामा), इत्यादि सामग्री एवं मजदूरी सहित, 100 प्रतिशत एफ.एच.टी.सी. एवं 90 दिवस का ट्रायल रन सहित कार्य। समूह क्रमांक 02 (प्रथम आमंत्रण)

28/नि.प्र./2022-23 दिनांक 24.03.2023	2023_PHED_262422_1	365.88	3,65,880/-	15,000/-	10.04.2023	10.04.2023	270 दिवस (वर्षाकाल सहित) 90 दिवस ट्रायल रन सहित	म.प्र. लोक निर्माण विभाग, भोपाल में केन्द्रीयकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ''स'' सिविल एवं उससे ऊपर की श्रेणी तथा अन्य राज्य अथवा केन्द्र के विभागों में उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदार

कार्य का नाम :– जल जीवन मिशन के अंतर्गत सिवनी जिले के विकासखण्ड छपारा के ग्राम सिरकापार, बड़पानी, देवतामउ, दिघोरी, गंगई बंजर, इमलीपठार माल, साल्हेगढ़, सुकरी (सालीवाड़ा), तन्दनी एवं उटेकटा+तिघरा टोला की नवीन नलजल प्रदाय योजना का क्रियान्वयन कार्य 20/30/40 कि.ली. क्षमता का आर.सी.सी. सम्पवेल निर्माण (सिरकापार, बड़पानी, देवतामउ, दिघोरी, गंगई बंजर, इमलीपठार माल, साल्हेगढ़, सुकरी (सालीवाड़ा), तन्दनी एवं उटेकटा+तिघरा टोला), 50 कि.ली. क्षमता की आर.सी.सी. उच्चस्तरीय टंकी निर्माण (सुकरी (सालीवाड़ा) एवं तन्दनी), इत्यादि सामग्री एवं मजदूरी सहित, 100 प्रतिशत एफ.एच.टी.सी. एवं 90 दिवस का ट्रायल रन सहित कार्य। समूह क्रमांक 03(प्रथम आमंत्रण)

28/नि.प्र./2022-23 दिनांक 24.03.2023	2023_PHED_262423_1	395.09	3,95,090/-	15,000/-	10.04.2023	10.04.2023	270 दिवस (वर्षाकाल सहित) 90 दिवस ट्रायल रन सहित	म.प्र. लोक निर्माण विभाग, भोपाल में केन्द्रीयकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ''स'' सिविल एवं उससे ऊपर की श्रेणी तथा अन्य राज्य अथवा केन्द्र के विभागों में उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदार

कार्य का नाम :– जल जीवन मिशन के अंतर्गत सिवनी जिले के विकासखण्ड छपारा के ग्राम बकोड़ा, सोठावारी, दिघोरी टोला, ताखला, जमुनिया, जामुनपानी एवं बरबसपुर में पूर्व से विद्यमान नलजल योजना का रेट्रोफिटिंग कार्य एवं विकासखण्ड सिवनी के ग्राम भालीवाड़ा, बटवानी, बघराज, खैरटोला, खिरकीरांजी, पिपरिया, पोंगार+भर्रा टोला, थांवरी+खाका टोला एवं जुरतरा की नवीन नलजल प्रदाय योजना का क्रियान्वयन कार्य 20/40 कि.ली. क्षमता का आर.सी.सी. सम्पवेल निर्माण (विकासखण्ड छपारा के ग्राम बकोड़ा, सोठावारी, दिघोरी टोला, ताखला, जमुनिया, जामुनपानी एवं बरबसपुर तथा विकासखण्ड सिवनी के ग्राम भालीवाड़ा एवं जुरतरा), 50 कि.ली. क्षमता की आर.सी.सी. उच्चस्तरीय टंकी निर्माण (विकासखण्ड सिवनी के ग्राम भालीवाड़ा) इत्यादि सामग्री एवं मजदूरी सहित, 100 प्रतिशत एफ.एच.टी.सी. एवं 90 दिवस का ट्रायल रन सहित कार्य। समूह क्रमांक 04 (प्रथम आमंत्रण)

28/नि.प्र./2022-23 दिनांक 24.03.2023	2023_PHED_262424_1	493.81	4,93,810/-	15,000/-	10.04.2023	10.04.2023	270 दिवस (वर्षाकाल सहित) 90 दिवस ट्रायल रन सहित	म.प्र. लोक निर्माण विभाग, भोपाल में केन्द्रीयकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ''स'' सिविल एवं उससे ऊपर की श्रेणी तथा अन्य राज्य अथवा केन्द्र के विभागों में उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदार

कार्य का नाम :– जल जीवन मिशन के अंतर्गत सिवनी जिले के विकासखण्ड कुरई के ग्राम सिल्लारी, मोहगांव (यादव), परासपानी (पीपरवानी) + गोंडी टोला, जटामा, आगरी (धोबीटोला माल), खैरघाट, नयेगांव, वहिदाबाद, कुड़वा, पुलपुला, पिटेसुर, बाबई, चीचलडोल रैयत एवं धोबीटोला माल की नवीन नलजल प्रदाय योजना का क्रियान्वयन इकाई 20/30 कि.ली. क्षमता का आर.सी.सी. सम्पवेल निर्माण (मोहगांव (यादव), परासपानी (पीपरवानी) +गोंडी टोला, जटामा, खैरघाट, नयेगांव, वहिदाबाद, कुड़वा, पुलपुला, पिटेसुर, बाबई एवं धोबीटोला माल), 50 कि.ली. क्षमता की आर.सी.सी. उच्चस्तरीय टंकी निर्माण (मोहगांव (यादव), खैरघाट, वहिदाबाद एवं बाबई), इत्यादि सामग्री एवं मजदूरी सहित, 100 प्रतिशत एफ.एच.टी.सी. एवं 90 दिवस का ट्रायल रन सहित कार्य। समूह क्रमांक 05 (प्रथम आमंत्रण)

28/नि.प्र./2022-23 दिनांक 24.03.2023	2023_PHED_262425_1	494.69	4,94,690/-	15,000/-	10.04.2023	10.04.2023	270 दिवस (वर्षाकाल सहित) 90 दिवस ट्रायल रन सहित	म.प्र. लोक निर्माण विभाग, भोपाल में केन्द्रीयकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ''स'' सिविल एवं उससे ऊपर की श्रेणी तथा अन्य राज्य अथवा केन्द्र के विभागों में उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदार

कार्य का नाम :– जल जीवन मिशन के अंतर्गत सिवनी जिले के विकासखण्ड कुरई के ग्राम खम्बा, जीरेवाड़ा, विजयपानी, उतरिया, सतोषा, कुप्पीटोला रैयत, ओवरगनी, जिलापुर रैयत, मुढ़ियारीठ रैयत, मरझोर रैयत, अम्बाडी, बीसापुर रैयत, भिलमा एवं बोरनाश की नवीन नलजल प्रदाय योजना का क्रियान्वयन कार्य 20/30 कि.ली. क्षमता का आर.सी.सी. सम्पवेल निर्माण (खम्बा, जीरेवाड़ा, विजयपानी, जिलापुर रैयत एवं बोरमारा), 50 कि.ली. क्षमता की आर.सी.सी. उच्चस्तरीय टंकी निर्माण (जीरेवाड़ा), इत्यादि सामग्री एवं मजदूरी सहित, 100 प्रतिशत एफ.एच.टी.सी. एवं 90 दिवस का ट्रायल रन सहित कार्य। समूह क्रमांक 06 (प्रथम आमंत्रण)

28/नि.प्र./2022-23 दिनांक 24.03.2023	2023_PHED_262426_1	327.69	3,27,690/-	15,000/-	10.04.2023	10.04.2023	270 दिवस (वर्षाकाल सहित) 90 दिवस ट्रायल रन सहित	म.प्र. लोक निर्माण विभाग, भोपाल में केन्द्रीयकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ''स'' सिविल एवं उससे ऊपर की श्रेणी तथा अन्य राज्य अथवा केन्द्र के विभागों में उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदार

कार्य का नाम :– जल जीवन मिशन के अंतर्गत सिवनी जिले के विकासखण्ड कुरई के ग्राम ढुटेरा, खैररांजी, आमटपानी, दरगढ़ा, घोघरी, मोहगांव (सड़क)+झिरिया टोला, बड़झिर, तीतरी (बादलपार), टेवनी, टिकारी माल, जनावरखेड़ा + कन्हार टोला, मोहगांव (तीतरी), पतरई एवं सर्राहिर्री की नवीन नलजल प्रदाय योजना का क्रियान्वयन कार्य 20/30 कि.ली. क्षमता का आर.सी.सी. सम्पवेल निर्माण (दरगढ़ा, घोघरी, मोहगांव (सड़क)+झिरिया टोला, मोहगांव (तीतरी), पतरई एवं सर्राहिर्री), 50/75 कि.ली. क्षमता की आर.सी.सी. उच्चस्तरीय टंकी निर्माण (दरगढ़ा, घोघरी, मोहगांव (सड़क)+झिरिया टोला, पतरई एवं सर्राहिर्री), इत्यादि सामग्री एवं मजदूरी सहित, 100 प्रतिशत एफ.एच.टी.सी. एवं 90 दिवस का ट्रायल रन सहित कार्य। समूह क्रमांक 07 (प्रथम आमंत्रण)

28/नि.प्र./2022-23 दिनांक 24.03.2023	2023_PHED_262427_1	490.62	4,90,620/-	15,000/-	10.04.2023	10.04.2023	270 दिवस (वर्षाकाल सहित) 90 दिवस ट्रायल रन सहित	म.प्र. लोक निर्माण विभाग, भोपाल में केन्द्रीयकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ''स'' सिविल एवं उससे ऊपर की श्रेणी तथा अन्य राज्य अथवा केन्द्र के विभागों में उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदार

कार्य का नाम :– जल जीवन मिशन के अंतर्गत सिवनी जिले के विकासखण्ड कुरई के ग्राम लावेसर्रा+लावेसर्रा टोला, खापा (दरासी खुर्द), खापा (छीतापारी), दलाल, डुंगरिया, लोंढाझिर, तुईयापार+आगरी टोला, झालागोंदी, बड़गांव, बेलगांव, मूण्डापार, नयेगांव, शाखादेही एवं छीतापार की नवीन नलजल प्रदाय योजना का क्रियान्वयन कार्य 20/30 कि.ली. क्षमता का आर.सी.सी. सम्पवेल निर्माण (लावेसर्रा+लावेसर्रा टोला, खापा (दरासी खुर्द), खापा (छीतापारी), बड़गांव, बेलगांव एवं छीतापार), 50 कि.ली. क्षमता की आर.सी.सी. उच्चस्तरीय टंकी निर्माण (लावेसर्रा+लावेसर्रा टोला, बड़गांव, बेलगांव एवं छीतापार), इत्यादि सामग्री एवं मजदूरी सहित, 100 प्रतिशत एफ.एच.टी.सी. एवं 90 दिवस का ट्रायल रन सहित कार्य। समूह क्रमांक 08 (प्रथम आमंत्रण)

28/नि.प्र./2022-23 दिनांक 24.03.2023	2023_PHED_262428_1	494.99	4,94,990/-	15,000/-	10.04.2023	10.04.2023	270 दिवस (वर्षाकाल सहित) 90 दिवस ट्रायल रन सहित	म.प्र. लोक निर्माण विभाग, भोपाल में केन्द्रीयकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ''स'' सिविल एवं उससे ऊपर की श्रेणी तथा अन्य राज्य अथवा केन्द्र के विभागों में उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदार

कार्य का नाम :– जल जीवन मिशन के अंतर्गत सिवनी जिले के विकासखण्ड बरघाट के ग्राम मोहगांव (साल्हेखुर्द), टिकारी (बरघाट)+हन्ना टोला+जोरावारी, ताखला खुर्द, बावली, खुर्सीपार खुर्द, कुड़ोपार, नयेगांव एवं बेलगांव की नवीन नलजल प्रदाय योजना का क्रियान्वयन कार्य 20/30/40 कि.ली. क्षमता का आर.सी.सी. सम्पवेल निर्माण (मोहगांव (साल्हेखुर्द), टिकारी (बरघाट)+हन्ना टोला+जोरावारी, ताखला खुर्द, बावली, खुर्सीपार खुर्द, कुड़ोपार, नयेगांव एवं बेलगांव), 50/75 कि.ली. क्षमता की आर.सी.सी. उच्चस्तरीय टंकी निर्माण (टिकारी (बरघाट), ताखला खुर्द, बावली, खुर्सीपार खुर्द, कुड़ोपार, नयेगांव एवं बेलगांव) इत्यादि सामग्री एवं मजदूरी सहित, 100 प्रतिशत एफ.एच.टी.सी. एवं 90 दिवस का ट्रायल रन सहित कार्य। समूह क्रमांक 09 (प्रथम आमंत्रण)

28/नि.प्र./2022-23 दिनांक 24.03.2023	2023_PHED_262429_1	492.77	4,92,770/-	15,000/-	10.04.2023	10.04.2023	270 दिवस (वर्षाकाल सहित) 90 दिवस ट्रायल रन सहित	म.प्र. लोक निर्माण विभाग, भोपाल में केन्द्रीयकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ''स'' सिविल एवं उससे ऊपर की श्रेणी तथा अन्य राज्य अथवा केन्द्र के विभागों में उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदार

कार्य का नाम :– जल जीवन मिशन के अंतर्गत सिवनी जिले के विकासखण्ड बरघाट के ग्राम पौनार खुर्द, खामी, मोहगांव, सरेखा कला, छपारा एवं धाना खुर्द की नवीन नलजल प्रदाय योजना का क्रियान्वयन कार्य 20/30 कि.ली. क्षमता का आर.सी.सी. सम्पवेल निर्माण (पौनार खुर्द, खामी, मोहगांव, सरेखा कला, छपारा एवं धारना खुर्द), 50/75/100 कि.ली. क्षमता की आर.सी.सी. उच्चस्तरीय टंकी निर्माण (पौनार खुर्द, खामी, मोहगांव, सरेखा कला, छपारा एवं धारना खुर्द), इत्यादि सामग्री एवं मजदूरी सहित, 100 प्रतिशत एफ.एच.टी.सी. एवं 90 दिवस का ट्रायल रन सहित कार्य। समूह क्रमांक 10 (प्रथम आमंत्रण)

28/नि.प्र./2022-23 दिनांक 24.03.2023	2023_PHED_262430_1	434.96	4,34,960/-	15,000/-	10.04.2023	10.04.2023	270 दिवस (वर्षाकाल सहित) 90 दिवस ट्रायल रन सहित	म.प्र. लोक निर्माण विभाग, भोपाल में केन्द्रीयकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ''स'' सिविल एवं उससे ऊपर की श्रेणी तथा अन्य राज्य अथवा केन्द्र के विभागों में उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदार

कार्य का नाम :– जल जीवन मिशन के अंतर्गत सिवनी जिले के विकासखण्ड बरघाट के ग्राम काठी, गुर्रापाठा, खमरिया, साल्हे खुर्द (गुर्रापाठा) एवं निवारी का नवीन नलजल प्रदाय योजना का क्रियान्वयन कार्य 20/30/40 कि.ली. क्षमता का आर.सी.सी. सम्पवेल निर्माण (काठी, गुर्रापाठा, खमरिया, साल्हे खुर्द (गुर्रापाठा) एवं निवारी), 50/75/100/150 कि.ली. क्षमता की आर.सी.सी. उच्चस्तरीय टंकी निर्माण (काठी, गुर्रापाठा, खमरिया, साल्हे खुर्द (गुर्रापाठा) एवं निवारी), इत्यादि सामग्री एवं मजदूरी सहित, 100 प्रतिश एफ.एच.टी.सी. एवं 90 दिवस का ट्रायल रन सहित कार्य। समूह क्रमांक 11 (प्रथम आमंत्रण)

28/नि.प्र./2022-23 दिनांक 24.03.2023	2023_PHED_262431_1	464.38	4,64,380/-	15,000/-	10.04.2023	10.04.2023	270 दिवस (वर्षाकाल सहित) 90 दिवस ट्रायल रन सहित	म.प्र. लोक निर्माण विभाग, भोपाल में केन्द्रीयकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ''स'' सिविल एवं उससे ऊपर की श्रेणी तथा अन्य राज्य अथवा केन्द्र के विभागों में उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदार

कार्य का नाम :– जल जीवन मिशन के अंतर्गत सिवनी जिले के विकासखण्ड बरघाट के ग्राम पाण्ड्येर, बोरी खुर्द, दुल्हापुर+बापू टोला, ताखला कला एवं सरेखा खुर्द की नवीन नलजल प्रदाय योजना का क्रियान्वयन कार्य 20 कि.ली. क्षमता का आर.सी.सी. सम्पवेल निर्माण (पाण्ड्येर, बोरी खुर्द, दुल्हापुर+बापू टोला, ताखला कला एवं सरेखा खुर्द), 75/100 कि.ली. क्षमता की आर.सी.सी. उच्चस्तरीय टंकी निर्माण (बोरी खुर्द, दुल्हापुर+बापू टोला, ताखला कला एवं सरेखा खुर्द), इत्यादि सामग्री एवं मजदूरी सहित, 100 प्रतिशत एफ.एच.टी.सी. एवं 90 दिवस का ट्रायल रन सहित कार्य। समूह क्रमांक 12 (प्रथम आमंत्रण)

28/नि.प्र./2022-23 दिनांक 24.03.2023	2023_PHED_ 262432_1	436.22	4,36,220/-	15,000/-	10.04.2023	10.04.2023	270 दिवस (वर्षाकाल सहित) 90 दिवस ट्रायल रन सहित	म.प्र. लोक निर्माण विभाग, भोपाल में केन्द्रीयकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ''स'' सिविल एवं उससे ऊपर की श्रेणी तथा अन्य राज्य अथवा केन्द्र के विभागों में उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदार

कार्य का नाम :– जल जीवन मिशन के अंतर्गत सिवनी जिले के विकासखण्ड बरघाट के ग्राम पनवास, बिरहोली+चिखलू टोला, सजनवाड़ा, सिलघाट एवं कन्हरगांव की नवीन नलजल प्रदाय योजना का क्रियान्वयन कार्य 20/30/40 कि.ली. क्षमता एवं आर.सी.सी. सम्पवेल निर्माण (पनवास, बिरहोली+चिखलू टोला, सजनवाड़ा, सिलघाट एवं कन्हरगांव), 50/75/100/125 कि.ली. क्षमता की आर.सी.सी. उच्चस्तरीय टंकी निर्माण (पनवास, बिरहोली+चिखलू टोला, सजनवाड़ा, सिलघाट एवं कन्हरगांव), इत्यादि सामग्री एवं मजदूरी सहित, 100 प्रतिशत एफ.एच.टी.सी. एवं 90 दिवस का ट्रायल रन सहित कार्य। समूह क्रमांक 13 (प्रथम आमंत्रण)

28/नि.प्र./2022-23 दिनांक 24.03.2023	2023_PHED_ 262433_1	483.16	4,83,160	15,000/-	10.04.2023	10.04.2023	270 दिवस (वर्षाकाल सहित) 90 दिवस ट्रायल रन सहित	म.प्र. लोक निर्माण विभाग, भोपाल में केन्द्रीयकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ''स'' सिविल एवं उससे ऊपर की श्रेणी तथा अन्य राज्य अथवा केन्द्र के विभागों में उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदार

कार्य का नाम :– जल जीवन मिशन के अंतर्गत सिवनी जिले के विकासखण्ड बरघाट के ग्राम गोंडेगांव, मोहगांव (गोंडेगांव), अगरवाड़ा, उलट, पांडरवानी, अमूरला+गोंडी टोला, डोरली एवं सैला की नवीन नलजल प्रदाय योजना का क्रियान्वयन कार्य 20/30/40 कि.ली. क्षमता का आर.सी.सी. सम्पवेल निर्माण (गोंडेगांव, मोहगांव (गोंडेगांव), अगरवाड़ा, उलट, पांडरवानी, अमूरला+गोंडी टोला, डोरली एवं सैला), 75/100 कि.ली. क्षमता की आर.सी.सी. उच्चस्तरीय टंकी निर्माण (गोंडेगांव, अमूरला+गोंडी टोला एवं सैला), इत्यादि सामग्री एवं मजदूरी सहित, 100 प्रतिशत एफ.एच.टी.सी. एवं 90 दिवस का ट्रायल रन सहित कार्य। समूह क्रमांक 14 (प्रथम आमंत्रण)

28/नि.प्र./2022-23 दिनांक 24.03.2023	2023_PHED_ 262434_1	467.24	4,67,240/-	15,000/-	10.04.2023	10.04.2023	270 दिवस (वर्षाकाल सहित) 90 दिवस ट्रायल रन सहित	म.प्र. लोक निर्माण विभाग, भोपाल में केन्द्रीयकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ''स'' सिविल एवं उससे ऊपर की श्रेणी तथा अन्य राज्य अथवा केन्द्र के विभागों में उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदार

कार्य का नाम :– जल जीवन मिशन के अंतर्गत सिवनी जिले के विकासखण्ड बरघाट के ग्राम मऊ, बेहरई उमरवाड़ा, लाटगांव, चमरवाही एवं गंगपुर की नवीन नलजल प्रदाय योजना का क्रियान्वयन कार्य 20/30/40 कि.ली. क्षमता का आर.सी.सी सम्पवेल निर्माण (मऊ, बेहरई उमरवाड़ा, लाटगांव, चमरवाही एवं गंगपुर), 75/100 कि.ली. क्षमता की आर.सी.सी. उच्चस्तरीय टंकी निर्माण (मऊ, बेहरई उमरवाड़ा, लाटगांव एवं गंगपुर), इत्यादि सामग्री एवं मजदूरी सहित, 100 प्रतिशत एफ.एच.टी.सी. एवं 90 दिवस का ट्रायल रन सहित कार्य। समूह क्रमांक 15 (प्रथम आमंत्रण)

28/नि.प्र./2022-23 दिनांक 24.03.2023	2023_PHED_ 262435_1	450.70	4,50,700/-	15,000/-	10.04.2023	10.04.2023	270 दिवस (वर्षाकाल सहित) 90 दिवस ट्रायल रन सहित	म.प्र. लोक निर्माण विभाग, भोपाल में केन्द्रीयकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ''स'' सिविल एवं उससे ऊपर की श्रेणी तथा अन्य राज्य अथवा केन्द्र के विभागों में उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदार

कार्य का नाम :– जल जीवन मिशन के अंतर्गत सिवनी जिले के विकासखण्ड लखनादौन के ग्राम गौराबीबी, सागर, ओझेरा, ढाना रैयत, हमीरगढ़, मोहगांव गूजर, बिजना+मुठिया टोला, कुहिया एवं रायचोर की नवीन नलजल प्रदाय योजना का क्रियान्वयन कार्य तथा ग्राम धाधरा, धाधरा रैयत+टिरू टोला, मण्डवा रैयत एवं पलका में पूर्व से विद्यमान नलजल योजना का रेट्रोफिटिंग कार्य 20/30/40 कि.ली. क्षमता का आर.सी.सी. सम्पवेल निर्माण (गौराबीबी, सागर, ओझेरा, ढाना रैयत, हमीरगढ़, मोहगांव गूजर, बिजना+मुठिया टोला, कुहिया, रायचोर, धाधरा, मण्डवा रैयत एवं पलका), 50 कि.ली. क्षमता की आर.सी.सी. उच्चस्तरीय टंकी निर्माण (मोहगांव ग्रजर), इत्यादि सामग्री एवं मजदूरी सहित, 100 प्रतिशत एफ.एच.टी.सी. एवं 90 दिवस का ट्रायल रन सहित कार्य। समूह क्रमांक 16 (प्रथम आमंत्रण)

28/नि.प्र./2022-23 दिनांक 24.03.2023	2023_PHED_ 262436_1	497.92	4,97,920/-	15,000/-	10.04.2023	10.04.2023	270 दिवस (वर्षाकाल सहित) 90 दिवस ट्रायल रन सहित	म.प्र. लोक निर्माण विभाग, भोपाल में केन्द्रीयकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ''स'' सिविल एवं उससे ऊपर की श्रेणी तथा अन्य राज्य अथवा केन्द्र के विभागों में उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदार

कार्य का नाम :– जल जीवन मिशन के अंतर्गत सिवनी जिले के विकासखण्ड लखनादौन के ग्राम पलारी, रामनगरी, सिंघोड़ी, करपडोल, औरापानी, कोहका रैयत, सिमरिया, कल्याणपुर, करछुआई रैयत, मधपुरा, डाला, कपारगढ़ एवं नागटोरिया की नवीन नलजल प्रदाय योजना का क्रियान्वयन कार्य 20/30/40 कि.ली. क्षमता का आर.सी.सी. सम्पवेल निर्माण (पलारी, रामनगरी, सिंघोडी, करपडोल, औरापानी, कोहका रैयत, सिमरिया, कल्याणपुर, करछुआई रैयत, मधपुरा, डाला एवं कपारगढ़), 50 कि.ली. क्षमता की आर.सी.सी. उच्चस्तरीय टंकी निर्माण (कल्याणपुर), इत्यादि सामग्री एवं मजदूरी सहित, 100 प्रतिशत एफ.एच.टी.सी. एवं 90 दिवस का ट्रायल रन सहित कार्य। समूह क्रमांक 17 (प्रथम आमंत्रण)

28/नि.प्र./2022-23 दिनांक 24.03.2023	2023_PHED_ 262437_1	474.35	4,74,350/-	15,000/-	10.04.2023	10.04.2023	270 दिवस (वर्षाकाल सहित) 90 दिवस ट्रायल रन सहित	म.प्र. लोक निर्माण विभाग, भोपाल में केन्द्रीयकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ''स'' सिविल एवं उससे ऊपर की श्रेणी तथा अन्य राज्य अथवा केन्द्र के विभागों में उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदार

कार्य का नाम :– जल जीवन मिशन के अंतर्गत सिवनी जिले के विकासखण्ड कुरई के ग्राम/बसाहट पोटिया, करजमारा रैयत, खण्डासा, गोरखपुर, पाटन, रिड्डी, पीपरवानी, कुरई, पिण्डकापार, कोदाझिरी, सेठेवानी, पिण्डरई, चिखली, चिखली टोला, रमपुरी एवं आवास टोला में पूर्व में विद्यमान नलजल प्रदाय योजना का रेट्रोफिटिंग कार्य 20/30 कि.ली. क्षमता का आर.सी.सी. सम्पवेल निर्माण (पोटिया, खण्डासा, पाटन, पीपरवानी, कुरई, पिण्डकापार, रिड्डी एवं पिण्डरई), 50/75/100 कि.ली. क्षमता का आर.सी.सी. उच्चस्तरीय टंकी निर्माण (पोटिया, खण्डासा, पाटन, पीपरवानी, सेठेवानी, चिखली एवं रिड्डी) इत्यादि सामग्री एवं मजदूरी सहित, 100 प्रतिशत एफ.एच.टी.सी. एवं 90 दिवस का ट्रायन रन सहित कार्य। समूह क्रमांक 18 (प्रथम आमंत्रण)

28/नि.प्र./2022-23 दिनांक 24.03.2023	2023_PHED_ 262438_1	489.39	4,89,390/-	15,000/-	10.04.2023	10.04.2023	270 दिवस (वर्षाकाल सहित) 90 दिवस ट्रायल रन सहित	म.प्र. लोक निर्माण विभाग, भोपाल में केन्द्रीयकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ''स'' सिविल एवं उससे ऊपर की श्रेणी तथा अन्य राज्य अथवा केन्द्र के विभागों में उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदार

कार्य का नाम :– जल जीवन मिशन के अंतर्गत सिवनी जिले के विकासखण्ड सिवनी के ग्राम डोकररांजी, नयेगांव एवं कटेगांव, विकासखण्ड बरघाट के ग्राम भीपाठा, मगरकठा लालपुर एवं डुंगरिया तथा विकासखण्ड केवलारी के ग्राम डोकररांजी, टोला, डुंगरिया, झोला, चिखला टोला एवं ग्वारी सिंघोड़ी में पूर्व से विद्यमान नलजल प्रदाय योजना का रेट्रोफिटिंग कार्य 20 कि.ली. क्षमता का आर.सी.सी. सम्पवेल निर्माण (विकासखण्ड बरघाट के ग्राम भीमपाठा, मगरकठा, लालपुर एवं डुंगरिया), 50/75 कि.ली. क्षमता का आर.सी.सी. उच्चस्तरीय टंकी निर्माण (विकासखण्ड बरघाट के ग्राम भीमपाठा, मगरकठा, लालपुर एवं डुंगरिया तथा विकासखण्ड केवलारी के ग्राम डोकररांजी, झोला एवं ग्वारी सिंघोड़ी) इत्यादि सामग्री एवं मजदूरी सहित, 100 प्रतिशत एफ.एच.टी.सी. एवं 90 दिवस का ट्रायल रन सहित कार्य। समूह क्रमांक 19 (तृतीय आमंत्रण)

28/नि.प्र./2022-23 दिनांक 24.03.2023	2023_PHED_ 262439_1	499.90	4,99,900/-	15,000/-	10.04.2023	10.04.2023	270 दिवस (वर्षाकाल सहित) 90 दिवस ट्रायल रन सहित	म.प्र. लोक निर्माण विभाग, भोपाल में केन्द्रीयकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ''स'' सिविल एवं उससे ऊपर की श्रेणी तथा अन्य राज्य अथवा केन्द्र के विभागों में उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदार

कार्यपालन यंत्री,

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड सिवनी (म.प्र.)

जी-25293/48354/2023

कार्यालय संभागीय परियोजना यंत्री
लोक निर्माण विभाग परियोजना क्रियान्वयन इकाई सिंगरौली (म.प्र.)

E-mail : piusingrauli@gmail., Ph.No. : 07805-297421

एनआईटी नं. - 09/2023 केन्द्रीय निविदा/ए.पी.डी./पी.आई.यू./567 **रीवा, दिनांक : 16.03.2023**

निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन निविदा पंजीकृत ठेकेदारों अथवा पंजीयन हेतु उपयुक्त पात्रता वाली प्रतिष्ठित फर्म से आमंत्रण की जाती है :-

स. क्र.	टेंडर पोर्टल नं.	कार्य का नाम	जिला	ठेके की अनुमानित राशि (पीएसी) लाख में	अमानत राशि (ईएमडी) (रु. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने का समय (वर्षाकाल सहित)
1.	2023_ PWPIU_ 262119_1	जिला सिंगरौली में सी.एम. राइज योजना अंतर्गत शा. हा.स्कूल चकरिया एवं शास. उ.मा. विद्यालय हिरवाह (बैढ़न) का निर्माण कार्य इलेक्ट्रिफिकेशन सहित हेतु कंसल्टेंसी (S.Q.C.) (द्वितीय आमंत्रण)	सिंगरौली	5160.95	103210/-	12500/-	18 माह

1. निविदा से संबंधित बिड डाक्यूमेंट वेबसाइट **http://mptenders.gov.in** पर बिना भुगतान के देखे एवं डाउनलोड किये जा सकेंगे।
2. निविदा प्रपत्र का मूल्य ऑनलाइन पोर्टल पर क्रेडिट/डेबिट/कैशकार्ड/इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से भुगतान कर निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकेगा।
3. निविदा प्रपत्र केवल ऑनलाइन दिनांक 20.03.2023 समय 10.00 से **दिनांक 03.04.2023** समय 18.00 तक खरीदा जा सकेगा। सूचना व अन्य जानकारी वेबसाइट पर देखी जा सकती है।
4. निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उपरोक्त वेबसाइट पर ही दर्ज किये जायेंगे, पृथक से समाचारपत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

संभागीय परियोजना यंत्री

जी-25138/48344/2023 **लोक निर्माण विभाग (पी.आई.यू.) सिंगरौली (म.प्र.)**

संचालनालय, नगरीय प्रशासन एवं विकास
म.प्र. भोपाल, 06 नं. बस स्टॉप, शिवाजी नगर, भोपाल
कर्मचारी चयन मण्डल, भोपाल द्वारा आयोजित उपयंत्री (सिविल) के मेरिट सूची के चयनित अभ्यर्थियों के दस्तावेजों का परीक्षण।

म.प्र. कर्मचारी चयन मण्डल, भोपाल द्वारा राज्य नगरीय यांत्रिकी सेवा अंतर्गत उपयंत्री (सिविल) के पदों पर भर्ती हेतु परीक्षा आयोजित की गई, जिसका परीक्षा परिणाम दिनांक 10.02.2023 एवं पुनरीक्षित परिणाम दिनांक 20.02.2023 को घोषित किया गया है।

चयनित अभ्यर्थियों के नियुक्ति आदेश जारी करने के पूर्व मूल अभिलेखों का परीक्षण निम्नानुसार किया जायेगा :–

क्र.	संवर्ग	पद का विवरण	अभ्यर्थियों की संख्या	निर्धारित तिथि
1.	म.प्र. राज्य नगरीय यांत्रिकी सेवा	उपयंत्री (सिविल)	41	**05.04.2023**
			40	06.04.2023

चयनित अभ्यर्थियों को सूचना पत्र जारी किये जा रहे हैं। दस्तावेजों के परीक्षण हेतु अभ्यर्थियों को संचालनालय द्वारा प्रेषित पत्र अनुसार निर्धारित तिथि पर कार्यालयीन समय प्रातः 10.00 बजे से शाम 06.00 बजे तक संचालनालय के भूतल स्थित सभाकक्ष क्रमांक 105 में स्वयं उपस्थित होना है, जिसकी विस्तृत जानकारी विभाग की वेबसाइट **www.mpurban.gov.in** पर दी गई है।

अतः नियत तिथि पर मूल दस्तावेज तथा दस्तावेजों की 02 स्वप्रमाणित प्रतियों के साथ उपस्थित होवें।

(वि.क.अ.-सह-आयुक्त द्वारा अनुमोदित)

उप संचालक (स्था.)

जी-25096/48343/2023 **नगरीय प्रशासन एवं विकास, भोपाल (म.प्र.)**

केंद्रीय पेट्रोरसायन अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (सिपेट)

सी.एस.टी.एस. भोपाल

(रसायन एवं पेट्रोरसायन विभाग, रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय, भारत सरकार)

जी सेक्टर, गोविन्दपुरा औद्योगिक क्षेत्र, जे.के. रोड, भोपाल 462023 (म.प्र.)

☎ : 0755-4028622/23, ई-मेल : bhopal@cipet.gov.in / cipet.bhopal@gmail.com, वेबसाइट : www.cipet.gov.in

CIPET सिपेट

सत्यमेव जयते

AITCE/NBA* से मान्यता प्राप्त

सिपेट प्रवेश परीक्षा (CAT) 2023

उत्कृष्ट प्लेसमेन्ट रिकॉर्ड

ऑनलाइन आवेदन हेतु वेबसाइट : https://cipet23.onlineregistrationform.org/CIPET/ पर उपलब्ध है।

क्रम सं.	पाठ्यक्रम का नाम	अवधि	प्रवेश योग्यता
1.	डिप्लोमा इन प्लास्टिक्स मोल्ड टेक्नोलॉजी (डी.पी.एम.टी)*	3 वर्ष	कक्षा 10 उत्तीर्ण।
2.	डिप्लोमा इन प्लास्टिक्स टेक्नोलॉजी (डी.पी.टी)*	3 वर्ष	कक्षा 10 उत्तीर्ण।
3.	पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन प्लास्टिक्स प्रोसेसिंग एन्ड टेस्टिंग (पीजीडी-पीपीटी)	2 वर्ष	विज्ञान में 3 वर्ष की डिग्री
4.	पोस्ट डिप्लोमा इन प्लास्टिक्स मोल्ड डिजाइन विथ कैड / केम (पीडी-पीएमडी विथ कैड/केम)	1½ वर्ष	मैकेनिकल/प्लास्टिक्स/पॉलीमर/टूल/टूल एवं डाई मेकिंग/उत्पादन /मेक्ट्रोनिक्स/ऑटोमोबाइल/पेट्रोकेमिकल्स/औद्योगिक/इंस्ट्रूमेंटेशन इंजीनियरिंग/प्रौद्योगिकी में डिप्लोमा या डी.पी.एम.टी/डी.पी.टी/या समकक्ष।

क्रम संख्या 1 व 2 पाठ्यक्रम ग्वालियर केन्द्र में भी उपलब्ध है।

सिपेट प्रवेश परीक्षा (CAT) की महत्वपूर्ण तिथियाँ		
	ऑनलाइन आवेदन करने की प्रारंभ तिथि -	24.02.2023
	ऑनलाइन आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि -	28.05.2023
	सिपेट प्रवेश परीक्षा 2023 की तिथि (कैट :2023) -	11.06.2023
	पाठ्यक्रमों की शुरूआत तिथि -	अगस्त प्रथम सप्ताह 2023

उम्र की सीमा नहीं।

छात्रवृत्ति (शासन के नियमानुसार)

छात्र एवं छात्राओं के लिए अलग-अलग छात्रावास

SHARAD

नोट: प्रवेश योग्यता परीक्षा में बैठने वाले उम्मीदवार भी उपरोक्त सभी पाठ्यक्रमों के लिए आवेदन करने के पात्र हैं।

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें - 9713109460, 9726835057, 8887987463, 7869955238, 9425929097, 9131520467
ग्वालियर - 9478355969, 9893344859

R-48348/2023

RPL MAHESHWARI COLLEGE

Estd.: 1994

Recognized by MP Govt., Permanently Affiliated to DAVV Indore
51, Chhatribaag, Indore, Mob.: 90390-94111
Email- hrrplmcollegeindore@gmail.com

REQUIREMENT

Applications are invited for the following posts.

Professors (Under Code 28):
Commerce-2, Management-2

Associate Professors (Under code 28):
Commerce-3, Management-2

Assistant Professor (Under code 28) :
Commerce- 8, Management-5, Computer-3, Economics-1, English-2, Hindi-1, Political Science-1, History-1, Sociology-1, Sports-(M-1), (F-1)

Non - Teaching Staff
Accountant-1, Office Executive-5, Computer Operator-2, Lab Assistant-1, Hardware Engineer-1, Peon-M-2, F-2

Eligibility as per UGC Norms. Freshers may also be considered. Only committed candidates should apply and salary is no bar for deserving candidates. **Apply with photo, complete Resume & copies of testimonials within 21 days. Contact personally between 9 to 11 AM.**

deepak

CA. Santosh Muchhal	Kishan Mundra	Dr. Rajeev Jhalani	Dr. Bharat Chhaparwal
President	Secretary	Principal	Mentor

R-48347/2023

श्री भगवन महावीर चेरिटेबल ट्रस्ट मुंबई द्वारा संचालित

श्री परशुराम इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नालॉजी एण्ड रिसर्च खंडवा

एआईसीटीई द्वारा अनुमोदित, डीएवीवी और आरजीपीवी से मान्यता प्राप्त

आवश्यकता है

डीएवीवी कॉलेज कोड 28 एवं आरजीपीवी कॉलेज कोड (स्टेट्यूट -30) के अन्तर्गत निम्न पदों पर भर्ती हेतु आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं

पद- प्राचार्य, सह प्राध्यापक एवं सहायक प्राध्यापक
योग्यता एवं वेतन - ए.आई.सी.टी.ई विनियमों के अनुसार

योग्य व इक्छुक उम्मीदवार अपना आवेदन एवं सीवी इस विज्ञापन की प्रकाशन तिथि से 15 दिनों के भीतर spitrhr@gmail.com पर भेज सकते हैं।

मोबाइल - 9039922393 निर्देशक- एस.पी.आई.टी.आर, खण्डवा

R-48346/2023

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(AN AGENCY OF PANCHAYAT & RURAL DEVELOPMENT DEPARTMENT, GOVT. OF M.P.)
5th Floor, Block-II, Paryawas Bhawan, Bhopal M.P.-462011
(GST No. 23AAATM9054A3ZX)

NOTICE INVITING TENDER No. 1084 (PMGSY-B.W.)

No./4942/22/D-12/MPRRDA/2023 Bhopal, Dated 27.03.2023

Online Tenders for Construction of Rural Roads/CDs with 5 years maintenance are invited on the E-Procurement System portal **www.mptenders.gov.in** as detailed below :

- **Name of Work –** Construction/Up-gradation of Rural Roads under PMGSY including maintenance for Five year after construction

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (In Rs.)
1	Barwani	1	51943813.00

1. Bid document may be purchase online from 27.02.2023 (17:30 hrs) and last date for online bid submission is 10.04.2023 (17:00 hrs.)
2. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed N.I.T. and tender document on the above-mentioned portal and concerned PIU.

CHIEF GENERAL MANAGER (TENDER)

M.P. Madhyam/109125/48349/2023

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(AN AGENCY OF PANCHAYAT & RURAL DEVELOPMENT DEPARTMENT, GOVT. OF M.P.)
5th Floor, Block-II, Paryawas Bhawan, Bhopal M.P.-011
No./5399/FA/WB/CMGSY/2023 Bhopal, Dated : 31.03.2023

IFB No. WB–65/1087

Online item rate bids are invited on e-procurement portal **https://www.mptenders.gov.in** for Implementation of Engineering Improvements of Blackspots under Community Participatory Road Safety Program for selected stretches under Public Works Department (PWD) Indore in Indore as under :-

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total Estimated Cost (In Rs.)
1.	Indore	1	11050000.00

1. Tender document can be purchased only online from the above website from **05.04.2023 from 17.30 hrs.**
2. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed IFB and tender document on the above-mentioned portal and concerned PIU.

CHIEF GENERAL MANAGER (TENDER)

M.P. Madhyam/109212/2023

R-48356/2023

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(AN AGENCY OF PANCHAYAT & RURAL DEVELOPMENT DEPARTMENT, GOVT. OF M.P.)
5th Floor, Block-II, Paryawas Bhawan, Bhopal M.P.-011
No./ 5393/FA/WB/CMGSY/2023 Bhopal, Dated : 31.03.2023

IFB No. WB –67/1089

Online item rate bids are invited on e-procurement portal **https://www.mptenders.gov.in** for Implementation of Engineering Improvements of Blackspots under Community Participatory Road Safety Program for selected stretches under Madhya Pradesh Road Development Corporation (MPRDC) Bhopal in Dhar as under :-

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total Estimated Cost (In Rs.)
1.	Dhar	1	973000.00

1. Tender document can be purchased only online from the above website from **05.04.2023 from 17.30 hrs.**
2. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed IFB and tender document on the above-mentioned portal and concerned PIU.

CHIEF GENERAL MANAGER (TENDER)

M.P. Madhyam/109214/2023

R-48358/2023

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(AN AGENCY OF PANCHAYAT & RURAL DEVELOPMENT DEPARTMENT, GOVT. OF M.P.)
5th Floor, Block-II, Paryawas Bhawan, Bhopal M.P.-011
No./5396/FA/WB/CMGSY/2023 Bhopal, Dated : 31.03.2023

IFB No. WB–66/1088

Online item rate bids are invited on e-procurement portal **https://www.mptenders.gov.in** for Implementation of Engineering Improvements of Blackspots under Community Participatory Road Safety Program for selected stretches under Madhya Pradesh Road Development Corporation (MPRDC) Bhopal in Dhar (Ujjain Division)as under :-

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total Estimated Cost (In Rs.)
1.	Ujjain	1	5005000.00

1. Tender document can be purchased only online from the above website from **05.04.2023 from 17.30 hrs.**
2. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed IFB and tender document on the above-mentioned portal and concerned PIU.

CHIEF GENERAL MANAGER (TENDER)

M.P. Madhyam/109213/2023

R-48357/2023

म.प्र. पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम

कार्यालय परियोजना यंत्री, ग्वालियर संभाग क्र. 02
फ्लैट क्र. 303 एवं 304 थर्ड फ्लोर साक्षी ग्रीन बिल्डिंग हरदौल गार्डन के फ्रन्ट पर, सचिन तेन्दुलकर मार्ग, ग्वालियर पिन-474011

निविदा आमंत्रण सूचना- 25/2022-23

कार्यालय मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम संभाग, ग्वालियर क्र.-2 द्वारा निर्माण/मरम्मत कार्यों हेतु निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक 25/2022-23 के अन्तर्गत ऑनलाइन निविदा की कार्यवाही की गई है। जिसके ऑनलाइन निविदा क्र. MPPHC_263661_1 है। निविदा प्रपत्र दिनांक 10.04.2023 तक खरीदे जा सकते हैं। जिसकी विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण **Portal : https://www.mptenders.gov.in** पर देखी जा सकती है।

म.प्र. माध्यम/109146/48353/2023

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(AN AGENCY OF PANCHAYAT & RURAL DEVELOPMENT DEPARTMENT, GOVT. OF M.P.)
5th Floor, Block-II, Paryawas Bhawan, Bhopal, M.P.-462011
No./5003/22/D-12/MPRRDA/2023 Bhopal, Dated : 27.03.2023

NOTICE INVITING TENDER No. 1085 (PMGSY-III-Bridge) (PMGSY-III, Batch-III, Year 2021-22)

Online Tenders for Construction of Bridges with 5 years defect liability & maintenance are invited on the E-Procurement System portal **https://www.pmgsytenders.gov.in** as detailed below :

- **Name of Work : Construction of Bridges under PMGSY including maintenance for Five year after construction.**

S. No.	Name of District	No. of Packages	No. of Bridge	Total PAC (In Rs.)
1.	Chhindwara	1	2	30314100.00

1. **Availability of Bid Documents and mode of submission.** The bid document is available online and should be submitted online in **www.pmgsytenders.gov.in.** The bidder would be required to register in the web-site which is free of cost. For submission of the bids, the bidder is required to have a valid Digital Signature Certificate (DSC) from one of the authorized Certifying Authorities.
2. Bid document may be purchased online from **28.03.2023 (17:30 hrs)** and last date for online bid submission is **11.04.2023 (17:00 hrs.)**
3. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed N.I.T. and SBD for PMGSY Works (June-2020) on the above-mentioned portal and concerned PIU.

CHIEF GENERAL MANAGER (TENDER)

M.P. Madhyam/109135/48350/2023

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(AN AGENCY OF PANCHAYAT & RURAL DEVELOPMENT DEPARTMENT, GOVT. OF M.P.)
5th Floor, Block-II, Paryawas Bhawan, BHOPAL M.P.-011
(GST No. 23AAATM9054A3ZX)
No./ 5390/22/D-12/MPRRDA/2023 Bhopal, Dated : 31.03.2023

NOTICE INVITING TENDER No. 1086 UPG (Mandi Roads)

Online Tenders for Construction of Rural Roads/CDs with 5 years maintenance are invited on the E-Procurement System portal **https://www.mptenders.gov.in** as detailed below :

- **Table-1 : Name of Work : UPG**

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (In Rs.)
1.	Sagar	1	11069000.00
2.	Seoni	1	58468000.00

- **Name of Work : UPG (Mandi Roads)**

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (In Rs.)
1.	Damoh	3	31424000.00
2.	Sagar	1	32029000.00
3.	Sehore	11	1376988000.00

1. Tender document can be purchased and submitted only online from the above website from **05.04.2023 from 17:30 hrs.**
2. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed N.I.T. and tender document for construction & maintenance of rural roads/Bridges Sept. 2017 on the above mentioned portal and concerned PIU.

CHIEF GENERAL MANAGER (TENDER)

M.P. Madhyam/109199/2023

R-48355/2023

दीक्षांत समारोह

देशहित के लिए व्यापक सोच के साथ आगे बढ़ना जरूरी - राज्यपाल

इंदौर, युवा कॅरियर निर्माण के साथ व्यापक सोच लेकर आगे बढ़ें। वे अपने कॅरियर के साथ समाज का कॅरियर भी बनाएं। अपनी शिक्षा का उपयोग स्वयं की उन्नति के साथ समाज एवं देश की उन्नति के लिए भी करें। युवाओं की सोच का दायरा और जिम्मेदारी कॅरियर से कहीं अधिक व्यापक होनी चाहिए, क्योंकि बेहतर इंसान बनना ही शिक्षा का प्रमुख उद्देश्य है। जीवन में बड़ा बनना अच्छी बात है, लेकिन अच्छा होना और भी बड़ी बात है। ये बातें राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने इंदौर में देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह को सम्बोधित करते हुए कहीं।

श्री पटेल ने कहा कि शोध, उपाधि एवं पदक प्राप्त करने वालों में बालिकाओं की संख्या बालकों से अधिक होना प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विकसित और समावेशी न्यू इंडिया की झलक है। यह सभी के लिए खुशी और गर्व का विषय है। प्रधानमंत्री ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति में विद्यार्थियों को बंधन मुक्त शिक्षा का अवसर देकर हौसलों के साथ सफलता की अनन्त ऊंचाइयों को छूने का मौका दिया है। राज्यपाल ने कहा कि विद्यार्थी नए भारत और नए विश्व के निर्माण के लिए बड़े सपने देखें। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय, विश्व समुदाय की वर्तमान की समस्याओं और भविष्य की चुनौतियों के समाधान के चिंतन का केंद्र बनें। उन्होंने कहा कि विकास और सभ्यता की आज की उपभोक्तावादी अवधारणा के कारण प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन तथा जीवन-शैली जनित रोगों की चुनौतियां और अधिक विकराल रूप ले रही हैं। मानव समाज के समक्ष युद्ध, अशांति, आतंकवाद, महिलाओं की असुरक्षा तथा असमानता जैसी अनेक समस्या, चुनौतियों के लिए विद्यार्थी और शिक्षकों को सचेत एवं सक्रिय रह कर समाधान प्रस्तुत करना चाहिए। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि हमारा देश नए और गहरे विचारों को अपनाने वाला देश है, जहां प्राचीनतम वेद और उपनिषद, भगवान महावीर और बुद्ध के विचार अभी जीवंत हैं।

सभी विश्वविद्यालय में पुस्तक ब्रिकी केंद्र खुलेगा - उच्च शिक्षा मंत्री

भोपाल, उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी की कार्य समिति एवं प्रबंधन मंडल की बैठक हुई। बैठक में डॉ. यादव ने कहा कि विद्यार्थियों को आसानी से पाठ्यक्रम की पुस्तक सुलभ हो, इसके लिए सभी विश्वविद्यालय में पुस्तक बिक्री केंद्र शुरू किये जायेंगे। उन्होंने कहा कि अकादमी उच्च शिक्षा में हिन्दी में पुस्तक प्रकाशित करने वाली देश में पहली अकादमी है।

डॉ. यादव ने कहा कि नवीन शैक्षणिक-सत्र में भी उच्च शिक्षा विभाग से अनुसूचित जाति और जनजाति के विद्यार्थियों को पुस्तक सप्लाई करने का आदेश अप्रैल-मई तक जारी करें। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 अब तीसरे वर्ष में प्रवेश कर लिया है। इस परिप्रेक्ष्य में एनईपी और आजादी के अमृतकाल संबंधी संभाग स्तर एवं और सभी विश्वविद्यालयों में विद्यार्थियों के लिए आलेख-भाषण प्रतियोगिता जैसी गतिविधियों से नीति का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाये। अपर मुख्य सचिव श्री के.सी. गुप्ता ने कहा कि मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी डिजिटल बुक की दिशा में भी आगे बढ़े। आम नागरिक और कॉलेज विद्यार्थियों से सुझाव आमंत्रित कर पुस्तकों का हिन्दी अनुवाद और समाचार-पत्रों की ऑडियो बुक तैयार की जाये।

भारत की सेना विश्व की सबसे अधिक सक्षम सेनाओं में से एक

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान भोपाल में फौजी मेला और शस्त्र प्रदर्शनी का शुभारंभ करते हुये।

भोपाल, मध्यप्रदेश और भोपाल का सौभाग्य है कि फौजी मेला और शस्त्र प्रदर्शनी से हमें शक्ति की आराधना का अवसर प्राप्त हुआ है। मैं प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी तथा केंद्र सरकार द्वारा भोपाल में फौजी मेला आयोजित करने के लिए आभारी हूं। भारत वर्ष का हजारों साल लम्बा ज्ञात इतिहास रहा है। हमारा शौर्य और वीरता भी हजारों वर्षों से स्थापित है। भारत के विचार, संस्कार, संस्कृति ने विश्व को दिशा दिखाई है। यदि हम शक्तिहीन हैं तो कोई हमारी बात नहीं सुनता है। भारत की सेना विश्व की सबसे अधिक सक्षम सेनाओं में से एक है। हमारे जवान कठिनतम परिस्थितियों में रह कर माँ भारती की रक्षा कर रहे हैं। सेना के त्याग, तपस्या के परिणामस्वरूप ही हम उत्सव और त्योहार मना पाते हैं। मैं अपनी अद्भुत सेना के शौर्य, साहस और वीरता को प्रणाम करता हूं। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल के मोतीलाल विज्ञान महाविद्यालय के मैदान में फौजी मेला और शस्त्र प्रदर्शनी का शुभारंभ कर संबोधित करते हुये कहीं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सौभाग्य का विषय है कि तीनों सेनाओं की कमांडर कॉन्फ्रेंस भोपाल में हो रही है। प्रधानमंत्री श्री मोदी, केंद्रीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह और तीनों सेनाओं के वरिष्ठतम अधिकारी इसमें शामिल हुये। उन्होंने कहा कि हमारी सेना धर्म की जय के लिए समर्पित है। प्रधानमंत्री का स्पष्ट संदेश है कि हम अपनी तरफ से किसी को छेड़ेंगे नहीं, अगर किसी ने हमें छेड़ा तो उसे छोड़ेंगे नहीं। पाकिस्तान ने सन् 1965 और 1971 में जुर्रत की तो हमारी सेनाओं ने उन्हें सबक सिखाया। कारगिल युद्ध और सर्जिकल स्ट्राइक में भी हमारे सैनिकों ने दुश्मन के इरादे नेस्तनाबूद किए। भारतीय सेना ने चीन को भी यह स्पष्ट कर दिया है कि भारत किसी से कम नहीं है। आजादी के बाद भी 30 हजार जवानों ने शहादत दी है। उनकी स्मृति में भोपाल में शौर्य स्मारक बनाया गया है।

मध्यप्रदेश सरकार शहीदों के सम्मान के लिए समर्पित

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे सैनिकों ने सर्वोच्च बलिदान देकर देश की रक्षा की है। केवल युद्ध ही नहीं आपदा प्रभावित क्षेत्रों में सहायता पहुंचाने में भी हमारी सेना संवेदनशीलता के साथ सक्रिय रही है। तुर्की में आई आपदा में सबसे पहले भारतीय सेना ने ही पहुंचकर राहत कार्य आरंभ किए थे। भारतीय सेना पर हमें गर्व है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार शहीदों के सम्मान के लिए समर्पित है। राज्य सरकार सर्वोच्च बलिदान की स्थिति में शहीद के परिवार को श्रद्धा और सम्मान स्वरूप एक करोड़ रुपये उपलब्ध कराती है। परिजन को शासकीय सेवा में स्थान देने के साथ शहीद की स्मृति में प्रतिमा या स्मारक भी स्थापित किया जाता है।

तीन सौ मीटर दूरी तक मार करने वाली एम-4 गन से साधा निशाना

श्री चौहान ने फौजी मेले में प्रदर्शित थल, वायु और जल सेना के अस्त्र-शस्त्र तथा उपकरणों का अवलोकन किया। मुख्यमंत्री ने 300 मीटर दूरी तक मार करने वाली एम-4 गन से निशाना साधा। साथ ही लेजर टारगेट डेसिंगनेटर, फगोट लॉन्चर, वर्चुअल रियालटी सेट पर नेवी की गतिविधियों का अवलोकन किया। मुख्यमंत्री ने सियाचिन सर्वाइवल गियर, लाइट स्ट्राइक रायफल, कम्यूनिकेशन रोवर, अर्जुन युद्धक टैंक, वायु सेना के विमान संचालन की कार्य-प्रणाली को भी देखा और तकनीक के संबंध में जानकारी प्राप्त की।

वृहद परियोजना नियंत्रण मण्डल की बैठक

मध्यप्रदेश में सिंचाई रकबा बढ़ाने के प्रयास निरंतर जारी हैं - मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान भोपाल में वृहद परियोजना नियंत्रण मंडल की बैठक को संबोधित करते हुये।

भोपाल, मध्यप्रदेश में सिंचाई का रकबा बढ़ाने के लिए प्रयास निरंतर जारी हैं। निर्माणाधीन सिंचाई परियोजनाओं के साथ जिन क्षेत्रों में नवीन परियोजनाएं आरंभ हो रही हैं, वहां किसानों को नहरों के रख-रखाव और पानी की हर बूंद के सही उपयोग के संबंध में जागरूक करना आवश्यक है, जिससे हम अपने संसाधनों का अधिक से अधिक उपयोग उत्पादन में कर सकें। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने मंत्रालय में हुई वृहद परियोजना नियंत्रण मंडल की 119वीं बैठक को संबोधित करते हुये कहीं। बैठक में एक हजार 11 करोड़ रुपये की बहोरीबंद और 720 करोड़ रुपये की शहीद इलाप सिंह उद्वहन माइक्रो सिंचाई परियोजना को प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई। बहोरीबंद परियोजना से कटनी जिले के 151 गांवों में 32 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। शहीद इलाप सिंह परियोजना से हरदा जिले के 118 गांवों के 26 हजार 890 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा उपलब्ध होगी।

खण्डवा जिले की खालवा उद्वहन माइक्रो सिंचाई परियोजना फेस-2 को तकनीकी स्वीकृति प्रदान की गई। परियोजना से खण्डवा जिले के 7 हजार 910 हेक्टेयर क्षेत्र में माइक्रो सिंचाई पद्धति से सिंचाई उपलब्ध कराई जाएगी। मण्डला जिले को लाभान्वित करने वाली हालोन सिंचाई परियोजना के शेष कार्यों और बरगी व्यपवर्तन परियोजना के संबंध में भी स्वीकृतियां प्रदान की गईं।

बढ़ेगा सिंचाई का रकबा

बाणसागर जलाशय से निकली बहुती नहर परियोजना के शेष निर्माण कार्य के लिए आवश्यक स्वीकृति प्रदान की गई। बहुती नहर से रीवा और सतना जिले के 383 ग्राम के एक लाख 15 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई उपलब्ध होगी। सतना जिले के विकासखण्ड मझगवां में पैसूनी नदी पर प्रस्तावित दौरी सागर मध्यम सिंचाई परियोजना से संबंधित प्रस्ताव को भी अनुमोदित किया गया। परियोजना से सतना जिले के विकास खण्ड मझगवां के पहाड़ी क्षेत्र के 15 गांव लाभान्वित होंगे।

मैपकॉस्ट और वन विभाग द्वारा वन बायोमास मैपिंग कार्य शुरू

वैज्ञानिकों ने नर्मदापुरम जिले में पूरा किया मैपिंग का कार्य

भोपाल, मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद ने विज्ञान के क्षेत्र में एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। नवाचार के क्रम में मैपकॉस्ट ने वन विभाग के सहयोग से फॉरेस्ट बायोमास की मैपिंग का कार्य शुरू किया है। खास बात यह है कि मैपकास्ट द्वारा की जाने वाली इस मैपिंग से मिले परिणाम का कैलिब्रेशन और वैलिडेशन (मिलान) जनवरी 2024 में लॉन्च होने वाले निसार सैटेलाइट डाटा से किया जायेगा। यह सैटेलाइट, नासा और इसरो के संयुक्त तत्वावधान में शुरू किये गये नासा इसरो सिंथेटिक अर्पचर राडार (निसार) प्रोजेक्ट का हिस्सा है।

डेटा का मिलान सैटेलाइट के सेंसर से किया जायेगा

मैपकास्ट के वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक डॉ. जीडी बैरागी ने बताया कि सैटेलाइट में मुख्य रूप से दो बैंड एल और एस भेजे जा रहे हैं। एक हेक्टेयर के प्लाट से प्राप्त किये गये डेटा का मिलान सैटेलाइट के एल बैंड सेंसर के माध्यम से किया जायेगा। यह मध्यप्रदेश के लिए वन वायोमास आकलन के लिए उपयोगी होगा। अब हम बायोमास की मैपिंग सैटेलाइट के माध्यम से भी जांच सकेंगे।

मैपिंग के लिये नर्मदापुरम जिले को किया गया चिन्हित

डॉ. बैरागी ने बताया कि यह काम मैपकास्ट और इसरो की टीम द्वारा किया जा रहा है। फॉरेस्ट बायोमास की मैपिंग के लिए नर्मदापुरम जिले को चिन्हित किया गया है। यहां एक हेक्टेयर के 10 प्लाट पर स्थायी तौर पर मैपिंग का कार्य किया जायेगा। स्थायी प्लाट्स पर वर्ष में एक बार भौतिक रूप से बायोमास मैपिंग का कार्य किया जायेगा। इसमें पेड़ की ऊंचाई, मोटाई, शाखाओं की गिनती आदि को नापकर बायोमास निकाला जाएगा।

मैपिंग के लिये इसरो और नासा की टीम ने किया दौरा

डॉ. बैरागी ने बताया कि विगत दिनों इस काम के लिए इसरो और नासा की टीम के विशेषज्ञ भोपाल पहुंचे। इसमें नासा से 6 और इसरो से 2 विशेषज्ञ शामिल थे। सभी सदस्यों ने चिन्हित किये गये प्लाट्स को देखा और वहां बायोमास के लिए, किये जा रहे कार्य को देखा। इस परियोजना से प्राप्त परिणाम से सैटेलाइट से वन बायोमास की मैपिंग की जा सकेगी, जिसका उपयोग वन और पर्यावरण-संरक्षण में होगा।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

राज्य स्तरीय दिशा समिति की बैठक

योजनाओं के क्रियान्वयन की निगरानी में जन-भागीदारी सुनिश्चित करना आवश्यक

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान भोपाल में राज्य स्तरीय दिशा समिति की बैठक में शामिल हुये।

भोपाल, मनरेगा योजना, अमृत सरोवरों के निर्माण, प्रधानमंत्री आवास योजना जैसी विकास और जनकल्याण की गतिविधियों के क्रियान्वयन तथा प्रभावशीलता की निगरानी में जनभागीदारी सुनिश्चित करना आवश्यक है। इसमें जन-प्रतिनिधियों को भी अपना दायित्व निभाना होगा। केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा विभिन्न योजनाओं की निगरानी और समीक्षा के लिए राज्य तथा जिला स्तर पर गठित दिशा समितियों की भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल स्थित मंत्रालय में राज्य स्तरीय दिशा समिति की बैठक को संबोधित करते हुये कहीं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मनरेगा में सृजित मानव दिवसों की संख्या में वृद्धि के लिए विशेष प्रयास किए जाएं। सामुदायिक कार्यों के क्रियान्वयन तथा भुगतान में पारदर्शिता सुनिश्चित करना आवश्यक है। प्रयास यह हो कि शत-प्रतिशत भुगतान आधार आधारित हो। सड़क निर्माण के कार्य बजट उपलब्धता के आधार पर ही आरंभ किए जाएं। यह सुनिश्चित करें कि जो सड़क निर्माण आरंभ हों, उसे अधूरा न छोड़ा जाए, अधूरी सड़कों के कारण लोगों को परेशानी न हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि खेतों तक सड़कों का विस्तार करना हमारा लक्ष्य है। इसी उद्देश्य से सुदूरवर्ती क्षेत्रों में सड़क निर्माण की योजना है। सूखे क्षेत्रों में वर्षा जल सहेजने के उद्देश्य से तालाबों के निर्माण को प्राथमिकता पर लिया जाए। अमृत सरोवरों के निर्माण में प्रधानमंत्री द्वारा दिए गए मापदण्डों का शत-प्रतिशत पालन सुनिश्चित करें।

जानकारी दी गई कि मनरेगा में अनुसूचित जनजाति को रोज़गार देने में मध्यप्रदेश, देश के अग्रणी राज्यों में है। योजना आरंभ होने से अब तक 68 लाख 84 हजार कार्य पूरे किए गए हैं। प्रदेश के प्रत्येक जिले में 75 अमृत सरोवर के निर्माण का लक्ष्य है। अब तक 2 हजार 657 अमृत सरोवर का कार्य पूर्ण हो चुका है। प्रदेश में निर्मित 63 अमृत सरोवर स्वतंत्रता सेनानी और शहीदों को समर्पित हैं। साथ ही 116 सरोवर ऐतिहासिक और 231 सरोवर धार्मिक महत्व के स्थानों पर निर्मित किए गए हैं। बहुउद्देशीय आर्थिक लाभ के लिए अमृत सरोवरों से मत्स्य और सिंघाड़ा उत्पादन गतिविधियों को जोड़ा गया है।

केंद्र सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा विभिन्न योजनाओं की निगरानी और समीक्षा के लिए जिला और राज्य स्तर पर दिशा समितियों के गठन की व्यवस्था की है। मुख्यमंत्री राज्य स्तरीय समिति के अध्यक्ष तथा जिला स्तरीय समिति के अध्यक्ष जिला क्षेत्र से निर्वाचित लोक सभा सांसद हैं। राज्य स्तरीय समिति की बैठक प्रत्येक 6 माह तथा जिला स्तरीय समिति की बैठक प्रत्येक 3 माह में होना आवश्यक है। वर्ष 2015-16 से अब तक जिलों में दिशा समिति की 445 बैठकें हो चुकी हैं। समिति में विभिन्न विभागों की 43 योजनाओं की समीक्षा की जाती है।

अटल एक्सप्रेस-वे

पुन: सर्वे कर ऐसा रास्ता चुनें कि किसानों की कीमती जमीन न जाए - मुख्यमंत्री

भोपाल, चंबल क्षेत्र का विकास और जनता का कल्याण राज्य शासन की प्राथमिकता है। विकास में चंबल क्षेत्र पीछे न रहे, इसलिये अटल एक्सप्रेस-वे श्योपुर, मुरैना और भिण्ड से निकाला जा रहा है। इस पर करीब 8 हजार करोड़ रुपये व्यय होंगे। इस वे के निर्माण के लिए किए गए सर्वे में यह तथ्य सामने आया है कि कई किसानों की कीमती जमीन इसमें आ रही है। इसलिये पुन: सर्वे कराया जाए, जिससे किसानों की कीमती जमीन नहीं जाए। उल्लेखनीय है कि 308 किलोमीटर लंबे इस वे के निर्माण से चंबल क्षेत्र का उत्तरप्रदेश और राजस्थान से बेहतर संपर्क हो जाने से विकास में गति आएगी। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से केंद्रीय कृषि एवं किसान-कल्याण मंत्री श्री नरेन्द्र सिंह तोमर से अटल एक्सप्रेस-वे के संबंध में चर्चा करते हुये कहीं। उन्होंने कहा कि इस एक्सप्रेस-वे के बनने से उद्योगों के साथ किसान भी अपनी खेती कर सकेंगे। साथ ही नए-नए उद्योग प्रारंभ होने से स्थानीय लोगों को रोज़गार मिलेगा और विकास के द्वार तेजी से खुलेंगे।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिये कि अधिक से अधिक सरकारी जमीन का उपयोग हो। जमीन का पुन: चिन्हांकन करें, जिससे किसानों की जमीन एक्सप्रेस-वे में नहीं जाए। अटल एक्सप्रेस-वे सर्वे कार्य भी इसी दृष्टि से किया जाए।

बैठक में केंद्रीय कृषि मंत्री श्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने कहा कि देश में छोटे किसानों की संख्या ज्यादा है। छोटे किसानों के लिये 2-4 बीघा जमीन अत्यंत उपयोगी है। अटल एक्सप्रेस-वे के बनने में अगर छोटे किसानों की जमीन उसमें जाती है, तो उनके लिये कठिनाई होगी। यह आवश्यक है कि छोटे किसानों के हितों को ध्यान में रखते हुये अटल एक्सप्रेस-वे का रि-सर्वे कराया जाये।

उन्होंने कहा कि किसान हितैषी मुख्यमंत्री श्री चौहान की पहल से अंचल में अनेक विकास कार्य हुए हैं। अटल एक्सप्रेस-वे भी क्षेत्र की तस्वीर बदल देगा। उन्होंने कहा कि एक्सप्रेस-वे के बनने से छोटे और मध्यम उद्योग लगेंगे, जिससे क्षेत्र का तेजी से विकास होगा।

प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी

योजना में तिहत्तर हजार 472 हितग्राहियों को 404 करोड़ 73 लाख रुपये जारी

भोपाल, प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी में प्रदेश के 73 हजार 472 बीएलसी हितग्राहियों को 404 करोड़ 73 लाख रुपये की राशि जारी की गई है। इसमें 1,102 हितग्राहियों को प्रथम किश्त के रूप में 11 करोड़ 2 लाख रुपये और दूसरी किश्त के लिए 6,554 हितग्राहियों को 65 करोड़ 54 लाख रुपये की राशि जारी की गई। तीसरी किश्त के लिए 65 हजार 816 हितग्राहियों को 328 करोड़ 17 लाख रुपये की राशि दी गई। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री भूपेन्द्र सिंह ने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी अंतर्गत प्रदेश में स्वीकृत लगभग 9 लाख 50 हजार आवासों में से 6 लाख से अधिक हितग्राहियों के आवास पूर्ण हो चुके हैं तथा शेष आवासों का कार्य जारी है। श्री सिंह ने सभी नगरीय निकायों को निर्देश दिये हैं कि प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी में हितग्राहियों के निर्मित किये जा रहे आवास समय-सीमा में पूर्ण हों।

मंत्रिपरिषद के निर्णय

अमरकंटक ताप विद्युत गृह चचाई के विस्तार के लिये 4665.87 करोड़ रुपये स्वीकृत

भोपाल, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में भोपाल स्थित मंत्रालय में हुई मंत्रिपरिषद की बैठक में 3 जिलों में 3 नवीन तहसीलों के सृजन का निर्णय लेते हुए उनके कुशल संचालन के लिये पदों की स्वीकृति दी गई। खण्डवा जिले में नवीन तहसील छैगांवमाखन, सिंगरौली जिले में नवीन तहसील बरगवां और आगर-मालवा जिले में नवीन तहसील सोयतकला के सृजन की स्वीकृति दी गई। मंत्रिपरिषद की बैठक में लिये गये अन्य निर्णय इस प्रकार हैं -

- जिला खंडवा में नवीन तहसील छैगांव माखन में वर्तमान तहसील खंडवा के राजस्व निरीक्षक मंडल चिचगोहन के पटवारी हल्का क्रमांक 1 से 20 तक एवं राजस्व निरीक्षक मंडल छैगांव माखन के पटवारी हल्का क्रमांक 21 से 40 तक कुल 40 पटवारी हल्के तथा वर्तमान पंधाना तहसील के राजस्व निरीक्षक मंडल (डूल्हार) के पटवारी हल्का क्रमांक 01 से 19 तक कुल 19 पटवारी हल्के इस प्रकार कुल 59 हल्के समाविष्ट होंगे।
- जिला खंडवा में नवीन तहसील छैगांव माखन के कुशल संचालन के लिये तहसीलदार का एक, नायब तहसीलदार का एक, सहायक ग्रेड-2 के 2, सहायक ग्रेड-3 के 3 सहायक ग्रेड-3 (प्रवाचक) के 3, जमादार/दफतरी/बस्तावरदार का एक, वाहन चालक का एक और भृत्य के 5 इस प्रकार कुल 17 पद स्वीकृत किये गए।
- जिला सिंगरौली में नवीन तहसील बरगवां में तहसील देवसर के राजस्व निरीक्षक मंडल देवसर गिर्द के पटवारी हल्का नंबर 32 व 33 एवं राजस्व निरीक्षक मंडल बरगवां के पटवारी हल्का नंबर 34 से 52 तक, तहसील सरई के राजस्व निरीक्षक मंडल खनुआनया के पटवारी हल्का नंबर 44 से 46 एवं 52 तथा 53 तक, तहसील सिंगरौली के राजस्व निरीक्षक मंडल परसौना के पटवारी हल्का नंबर 1 से 3 तक, इस प्रकार कुल 29 पटवारी हल्के समाविष्ट होंगे।
- नवीन तहसील बरगवां में समाविष्ट किये जाने के लिए प्रस्तावित हल्कों के अपवर्जन करने के बाद तहसील सिंगरौली में तहसील सिंगरौली के राजस्व निरीक्षक मंडल परसौना के पटवारी हल्का नंबर 4 से 13 तक, राजस्व निरीक्षक मंडल खुटार के पटवारी हल्का 14 से 22 एवं 45 से 48 तक, राजस्व निरीक्षक मंडल के पटवारी हल्के 42 एवं 44 एवं 49 से 59 तक, इस प्रकार कुल 36 पटवारी हल्के समाविष्ट होंगे।
- नवीन तहसील बरगवां के कुशल संचालन के लिए तहसीलदार का एक, सहायक ग्रेड-2 के 2, सहायक ग्रेड-3 के 4 सहायक ग्रेड-3. (प्रवाचक) के 2, जमादार/दफतरी/बस्तावरदार का एक, वाहन चालक का एक और भृत्य के 4 इस प्रकार 14 पद स्वीकृत किये गये।
- जिला आगर-मालवा में नवीन तहसील सोयतकला में तहसील सुसनेर के राजस्व निरीक्षक मंडल सोयतकला के पटवारी हल्का नम्बर 1 से 24 तक, कुल 24 पटवारी हल्के समाविष्ट होंगे, जिसके बाद मूल तहसील सुसनेर में राजस्व निरीक्षक मंडल श्यामपुर के पटवारी हल्का नम्बर 25 से 35 तक, राजस्व निरीक्षक मंडल सुसनेर के पटवारी हल्का नम्बर 36 से 49 तक और राजस्व निरीक्षक मंडल मोड़ी के पटवारी हल्का नम्बर 50 से 59 तक, इस प्रकार 35 पटवारी हल्के शेष रहेंगे।
- नवीन तहसील सोयतकला के कुशल संचालन के लिये तहसीलदार का एक, सहायक ग्रेड-2 के 2, सहायक ग्रेड-3 के 3, सहायक ग्रेड-3 (प्रवाचक) के 2, जमादार/दफतरी/बस्तावरदार का एक, वाहन चालक का एक और भृत्य के 4 इस प्रकार 14 पद स्वीकृत किये गए।
- मंत्रिपरिषद् द्वारा मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी लिमिटेड की पूंजीगत योजना अमरकंटक ताप विद्युत गृह, चचाई में विस्तार इकाई 1x660 मेगावॉट क्षमता की नवीन सुपर क्रिटिकल ताप विद्युत इकाई लागत 4665 करोड़ 87 लाख रुपये की स्थापना का अनुमोदन किया। इकाई का क्रियान्वयन मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी लिमिटेड एवं कोल इंडिया लिमिटेड की सहायक कंपनी एस.ई.सी.एल. के मध्य गठित संयुक्त उपक्रम द्वारा किया जाएगा।
- परियोजना के वित्तीय पोषण के लिये 70 प्रतिशत ऋण वित्तीय संस्थाओं द्वारा 15 प्रतिशत अंशपूंजी एस.ई.सी.एल. के द्वारा तथा शेष 15 प्रतिशत अंशपूंजी राज्य शासन द्वारा बजट से मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी को वर्ष 2022-23 से वर्ष 2028-29 के मध्य उपलब्ध करायी जाएगी। इस इकाई का निर्माण राज्य की भविष्य की ऊर्जा आवश्यकताओं को दृष्टिगत रख किया जा रहा है।
- मंत्रिपरिषद द्वारा कृषि यंत्रीकरण क्षेत्र में 'कौशल विकास योजना' को स्वीकृति प्रदान की गई। योजना में कृषि यंत्रीकरण के क्षेत्र में स्थापित हो रहे ड्रोन स्कूल में 10 दिवसीय प्रशिक्षण दिया जायेगा। इसके अतिरिक्त 3 वर्ष में 6 हजार युवाओं को वृहद कृषि यंत्रों को चलाने के लिए प्रशिक्षण दिया जाएगा। जिससे उन्हें स्व-रोज़गार स्थापित करने में सहायता मिलेगी। इसके लिये 22 करोड़ 73 लाख रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई है। इसका उद्देश्य प्रदेश में कृषि यंत्रीकरण को बढ़ावा देना है।
- मंत्रिपरिषद द्वारा श्योपुर जिले की चेंटीखेड़ा वृहद सिंचाई परियोजना लागत राशि 539 करोड़ रुपये सैंच्य क्षेत्र 15 हजार 300 हेक्टेयर की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई। परियोजना से सूक्ष्म सिंचाई पद्धति से विजयपुर विकासखण्ड के 16 ग्रामों का 11 हजार 118 हेक्टेयर क्षेत्र तथा सबलगढ़ विकासखण्ड के 16 ग्रामों की 4 हजार 112 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा का लाभ प्राप्त होगा।
- मंत्रिपरिषद ने जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय जबलपुर के अंतर्गत जिला पन्ना में नवीन कृषि महाविद्यालय की स्थापना की स्वीकृति दी। इसकी स्थापना के लिये 3 वर्षों के लिये अनावर्ती व्यय 51 करोड़ 90 लाख 35 हजार रुपये तथा आवर्ती व्यय 31 करोड़ 20 लाख 80 हजार रुपये की राशि स्वीकृत की गई।
- मंत्रिपरिषद द्वारा वित्तीय वर्ष 2022-23 में मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड जबलपुर और तीनों विद्युत वितरण कंपनियों की परियोजनाओं की कुल लागत 2610 करोड़ 46 लाख रुपये, इसमें वित्तीय संस्थाओं/कंपनी अंश 1661 करोड़ 80 लाख रुपये तथा राज्य शासन द्वारा प्रदान की जाने वाली राशि 948 करोड़ 66 लाख रुपये का अनुमोदन दिया।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

शिक्षा का अधिकार

एक लाख से अधिक बच्चों को निजी स्कूलों में मिला निःशुल्क प्रवेश

भोपाल, शिक्षा का अधिकार अधिनियम निजी स्कूलों में प्रवेश के लिए ऑनलाइन लॉटरी का शुभारंभ स्कूल शिक्षा राज्यमंत्री श्री इन्दर सिंह परमार ने किया। वर्चुअल कार्यक्रम में शुजालपुर से जुड़े स्कूल शिक्षा राज्यमंत्री ने आरटीई पोर्टल के सर्वर का बटन दबा कर बच्चों को स्कूलों का आवंटन किया। श्री परमार ने उन सभी बच्चों और अभिभावकों को बधाई दी।

श्री परमार ने कहा कि एक नये जोश और उत्साह के साथ हमारे प्रदेश के निजी विद्यालय आगे आकर बच्चों की शिक्षा का कार्य सुचारु रूप से कर रहे हैं। कमजोर और वंचित परिवार के बच्चों को प्रायवेट स्कूलों में निःशुल्क प्रवेश का यह कार्य, मध्यप्रदेश में शिक्षा गुणवत्ता के हमारे प्रयासों को बल प्रदान करेगा। प्रदेश के बच्चे राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपना और प्रदेश का नाम रोशन करें।

स्कूल शिक्षा राज्यमंत्री ने कहा कि यह एक क्रान्तिकारी कदम है, जब हम तकनीकी का उपयोग पारदर्शिता बनाने में कर रहे हैं। श्री परमार ने कहा कि हमारा प्रयास है कि प्रदेश के विद्यार्थियों को हर सुविधा समय से और गुणवत्ता के साथ प्राप्त हो।

संचालक, राज्य शिक्षा केंद्र श्री धनराजू एस ने शिक्षा के अधिकार कानून के तहत निःशुल्क प्रवेश की प्रक्रिया की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस वर्ष लगभग 1 लाख 34 हजार 851 बच्चों द्वारा ऑनलाइन आवेदन किये गये थे। इसमें से दस्तावेज सत्यापन के बाद ऑनलाइन लॉटरी के लिये 1 लाख 15 हजार 593 बच्चे पात्र हुये हैं, जिन्हे ऑनलाइन लॉटरी में शामिल करते हुये, रैंडम पद्धति से स्कूल का आवंटन किया जा रहा है।

ऑनलाइन लॉटरी से प्रदेश के विभिन्न प्रायवेट स्कूलों में, नर्सरी कक्षा में 59 हजार 75, केजी-1 में 30 हजार 197, केजी-2 में 1 हजार 698 तथा कक्षा-1 में 10 हजार 249 बच्चों को निःशुल्क प्रवेश प्राप्त हुआ है। इनमें से 85 हजार 336 बच्चों को उनकी पहली पसंद के, 8 हजार 806 को द्वितीय पसंद के और 4 हजार 212 को उनकी तीसरी पंसद के स्कूलों में प्रवेश मिला है। इन सभी चयनित बच्चों को एसएमएस भेज कर भी स्कूल आवंटन की सूचना प्रदान की गयी है।

जल जीवन मिशन का सफल क्रियान्वयन सभी की सामूहिक जिम्मेदारी - मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान भोपाल में जल जीवन मिशन के कार्यों की समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुये।

भोपाल, जल जीवन मिशन महत्वाकांक्षी योजना है। केंद्र और राज्य शासन के संसाधनों से क्रियान्वित होने वाले इस मिशन से हर घर में नल से जल की उपलब्धता सुनिश्चित होगी। योजना का सफल क्रियान्वयन सभी जनप्रतिनिधि और अधिकारी-कर्मचारियों की सामूहिक जिम्मेदारी है। योजना में हो रहे निर्माण कार्यों के प्रति सजग रहना और समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण कार्य सुनिश्चित करना आवश्यक है। जल-स्त्रोतों को इस प्रकार चिन्हित किया जाए कि ग्रीष्म ऋतु में निरंतर जलापूर्ति सुनिश्चित की जा सके। मिशन में पाइप लाइन डालने के लिए की गई खुदाई का रेस्टोरेशन कार्य प्राथमिकता से तत्काल पूर्ण किया जाए। जिला तथा राज्य स्तर के अधिकारी निरंतर भ्रमण कर कार्यों की गुणवत्ता और समय-सीमा में उन्हें पूर्ण करना सुनिश्चित करें। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल में जल जीवन मिशन के कार्यों की समीक्षा करते हुये कहीं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी जिले अपने कार्यों का रोडमैप बनाकर सप्ताहवार लक्ष्य तय करें, कार्य को गति दें और जून-जुलाई तक पूर्ण होने वाले कार्यों को प्राथमिकता से पूरा करवायें। योजनाओं के सुचारु संचालन और संधारण के लिए ग्राम पंचायतों, ग्राम, जल एवं स्वच्छता समिति के सदस्यों को जागरूक कर दायित्व सौंपा जाए। एल एंड टी सहित जिन फर्मों को कार्य सौंपे गए हैं, वे प्रमुख तकनीकी कार्य, पेटी कॉन्ट्रेक्टर को न दें। जिलों में कार्य कर रही फर्म, प्रदेश के विकास में हमारी सहयोगी हैं। जिले के अधिकारी, ठेकेदारों से निरंतर संवाद में रहें। जिन ठेकेदारों के कार्य गुणवत्तापूर्ण हैं और जो समय-सीमा का पालन करते हैं, उन्हें हरसंभव सहयोग प्रदान करें। घटिया और विलंब से कार्य करने वालों के भुगतान रोके जाएं। मुख्यमंत्री ने बैठक के प्रथम सत्र में इंदौर और उज्जैन संभाग की जिलेवार समीक्षा की।

बताया गया कि बुरहानपुर जिले के समस्त 254 गांवों का हर घर जल ग्राम के रूप में प्रमाणीकरण हो गया है। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि गर्मी में जल-स्रोत कमजोर होने पर नया स्रोत तत्काल विकसित करने की तैयारी रखी जाए। मुख्यमंत्री ने इंदौर जिले में 330 नल-जल योजनाओं के लंबित होने पर नाराजगी व्यक्त की। श्री चौहान ने कहा कि कलेक्टर साप्ताहिक रूप से कार्य की प्रगति की समीक्षा कर आगामी दो माह में कार्य पूर्ण कराएं। श्री चौहान ने खरगोन जिले में हुए समस्त कार्यों की जांच कराने के निर्देश दिए। धार जिले की समीक्षा के दौरान श्री चौहान ने कहा कि जिन ठेकेदारों ने घटिया काम किए हैं उनका भुगतान रोका जाए। जानकारी दी गई कि बड़वानी जिले की कुल स्वीकृत 315 एकल ग्राम नल-जल योजनाओं में से 59 का कार्य पूर्ण और 256 में कार्य प्रगति पर हैं।

मुख्यमंत्री ने उज्जैन संभाग की समीक्षा के दौरान रतलाम के बाजना क्षेत्र के कुछ गाँवों के पानी में फ्लोराइड की समस्या के आने से एकल योजना के स्थान पर समूह योजना बना कर समस्या का समाधान करने के निर्देश दिए।

मुख्य सचिव की अध्यक्षता में स्टीयरिंग कमेटी गठित

भोपाल, केंद्र सरकार द्वारा राज्यों में कुपोषण एवं एनीमिया से बचाव के लिए फोर्टिफाइड चावल वितरण की योजना लागू की गई है। यह योजना सार्वजनिक वितरण प्रणाली, एकीकृत बाल विकास योजना तथा प्रधानमंत्री पोषण शक्ति योजना में लागू की गई है। इन योजनाओं में फोर्टिफाइड चावल के वितरण के बेहतर क्रियान्वयन के लिए समन्वय एवं समीक्षा के लिए राज्य शासन ने मुख्य सचिव की अध्यक्षता में स्टीयरिंग कमेटी का गठन किया है।

समिति में अपर मुख्य सचिव/प्रमुख सचिव लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, महिला-बाल विकास एवं स्कूल शिक्षा सदस्य होंगे। अपर मुख्य सचिव/प्रमुख सचिव खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण समिति के सदस्य सचिव होंगे। समिति का कार्यकाल फोर्टिफाइड चावल के वितरण का राज्य में पूरी तरह क्रियान्वयन होने तक रहेगा।

स्मार्ट सिटी एक्सपो

मध्यप्रदेश की स्मार्ट सिटीज को 16 में से 7 अवॉर्ड मिले

नई दिल्ली, आठवें स्मार्ट सिटी एक्स-पो में कुल 16 कैटेगरी में से मध्यप्रदेश की स्मार्ट सिटीज को 7 कैटेगरी में अवॉर्ड मिले हैं। स्मार्ट सिटी इंदौर और जबलपुर को 2-2 और भोपाल, सागर एवं उज्जैन को एक-एक अवॉर्ड मिला। आयुक्त नगरीय प्रशासन और विकास श्री भरत यादव ने बताया कि स्मार्ट सिटी इंदौर को बेस्ट स्टार्टअप और बेस्ट वाटर मैनेजमेंट कैटेगरी, जबलपुर को गवर्नेन्स एवं इकोनॉमी (311 एप) और सिटी लीडर (बेस्ट स्मार्ट सिटी सीईओ) कैटेगरी में अवॉर्ड मिला है। इसी तरह स्मार्ट सिटी भोपाल को स्मार्ट पार्किंग कैटेगरी, सागर को क्लीन सिटी कैटेगरी और उज्जैन को श्री महाकाल महालोक के लिये विशेष अवॉर्ड प्राप्त हुआ है।

अवॉर्ड के लिए 16 कैटेगरी में नॉमिनेशन जनवरी से फरवरी 2023 तक लिये गये। नॉमिनेशन में गवर्नेंस एंड इकोनॉमी अवॉर्ड, स्मार्ट अर्बन मोबिलिटी, बेस्ट वाटर मैनेजमेंट, बेस्ट सिटी लीडर, बेस्ट हेल्थ केयर इनीशिएटिव, क्लीन सिटी, डिजिटल सिटी, पब्लिक-प्रायवेट पार्टनरशिप, सेफ सिटी, स्मार्ट सिटी ऑफ द ईयर, स्मार्ट एनर्जी प्रोजेक्ट, स्मार्ट वेस्ट डिस्पोजल, स्पेशल कैटेगरी, बेस्ट स्टार्टअप इनीशिएटिव, स्मार्ट पार्किंग इनीशिएटिव और पीपीपी इनीशिएटिव कैटेगरी शामिल है।

मुख्यमंत्री ने किया 'जनजातीय योद्धा' पुस्तक का विमोचन

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान भोपाल में 'जनजातीय योद्धा' पुस्तक का विमोचन करते हुये।

भोपाल, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने जनजातीय क्रांतिवीरों पर केंद्रित पुस्तक 'जनजातीय योद्धा-स्वाभिमान और स्वाधीनता का संघर्ष' का विमोचन किया। स्वाधीनता और राष्ट्र संस्कृति की रक्षा के विविध कालखंडों में जनजातीय योद्धाओं के पराक्रम पर केंद्रित पुस्तक में मध्यप्रदेश सहित अन्य राज्यों के 75 जनजातीय नायकों का विवरण शामिल है।

पुस्तक का प्रकाशन प्रभात पेपर बैक्स ने किया है। मुख्यमंत्री निवास स्थित कार्यालय भवन समत्व में पुस्तक के विमोचन के अवसर पर पुस्तक की लेखिका श्रीमती रंजना चितले, प्रकाशक श्री प्रभात तथा पूर्व आईएएस अधिकारी श्री अजातशत्रु उपस्थित थे।

प्रदेश के स्मार्ट शहरों ने दिल्ली में स्मार्ट सिटी इंडिया एक्सपो में की सहभागिता

नई दिल्ली, भारत सरकार के शहरी विकास मंत्रालय द्वारा नई दिल्ली स्थित प्रगति मैदान में देश की सभी स्मार्ट सिटी पर केंद्रित प्रदर्शनी लगाई गई है। प्रदर्शनी में मध्यप्रदेश की सभी सात स्मार्ट सिटी भी सहभागिता कर रही हैं। सतना, इंदौर, भोपाल, जबलपुर, ग्वालियर, उज्जैन और सागर स्मार्ट सिटी द्वारा प्रदर्शित स्टालों में नगरों की मुख्य परियोजनाओं के मॉडल प्रदर्शित किए गए हैं। सभी 7 स्मार्ट सिटी के मुख्य कार्यपालन अधिकारी भी इस अवसर मौजूद थे। आठवें स्मार्ट सिटी इंडिया एक्सपो में सभी स्मार्ट सिटी अपने बेहतर कार्यों को आपस में साझा कर रही हैं।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

श्रीलेखा पल्ले

वीएएबी में सलाहकार पद पर हुई नियुक्त

वर्जीनिया के गवर्नर ग्लेन यंगकिन ने भारतीय–अमेरिकी स्वास्थ्य पेशेवर श्रीलेखा पल्ले को वर्जीनिया एशियाई सलाहकार बोर्ड (वीएएबी) में नियुक्त किया है। पल्ले गवर्नर को एशियन अमेरिकन एंड पैसिफिक आइलैंडर घटकों के सामने आने वाले मुद्दों पर सलाह और जानकारी देंगी और समुदाय के हितों की वकालत करेंगी। वह गवर्नर को वाणिज्य, व्यापार, कला, शिक्षा और सामान्य सरकार के क्षेत्रों पर ध्यान देने के साथ राष्ट्रमंडल और एशियाई देशों के बीच आर्थिक और सांस्कृतिक संबंधों को सुधारने के तरीकों पर भी सलाह देंगी।

फिनलैंड

लगातार 6वीं बार दुनिया का सबसे खुशहाल देश

फिनलैंड ने लगातार छठवीं बार सबसे खुशहाल देश का दर्जा हासिल किया है। वर्ल्ड हैप्पीनेस रिपोर्ट 2023 में देशों की पिछले 3 साल के जीवन के मूल्यांकन के आधार पर रैंक किया गया है। यानि 2020 से 2022 तक के समय का डेटा लिया गया है। टॉप 10 देशों में फिनलैंड के साथ–साथ डेनमार्क, आइसलैंड, इजरायल, नीदरलैंड, स्वीडन, नॉर्वे, स्विट्जरलैंड लक्जमबर्ग और न्यूजीलैंड जैसे देश ने जगह बनाई है।

राहुल रॉय चौधरी

ग्रामरली के नये सीईओ होंगे

अमेरिका की कंपनी ग्रामरली ने भारतीय मूल के राहुल रॉय चौधरी को अपना नया सीईओ घोषित किया है। चौधरी एक मई से पद ग्रहण करेंगे। वह अभी तक वैश्विक उत्पाद प्रमुख के रूप में सेवा दे रहे हैं। ग्रामरली व्याकरण, विराम चिन्ह, वर्तनी और साहित्यिक चोरी की जांच सहित अंग्रेजी लिखने में मदद करती है।

इजरायल में

अब सुप्रीम कोर्ट भी प्रधानमंत्री को पद से नहीं हटा सकेगा

इजरायल सरकार ने एक नया बिल पास किया। अब सुप्रीम कोर्ट भी प्रधानमंत्री को पद से नहीं हटा सकेगा। प्रधानमंत्री के फिजिकली या मेंटली अनफिट होने पर सिर्फ सरकार ही उन्हें अयोग्य घोषित करके अस्थायी तौर पर हटा सकती है। इसके लिए भी 3 चौथाई सांसदों का समर्थन जरुरी होगा। इसके अलावा देश के प्रधानमंत्री संसद को जानकारी देकर खुद इस्तीफा दे सकते हैं। इजरायल की संसद में यह बिल 61-47 वोटों के अंतर से पारित हुआ।

सिग्नेचर बैंक को

न्यूयॉर्क कम्युनिटी बैंक खरीदेगा

न्यूयॉर्क कम्युनिटी बैंक ने विफल हो चुके सिग्नेचर बैंक की एक बड़ी हिस्सेदारी को 2.2 बिलियन डॉलर (22.29 हजार करोड़ रुपये) में खरीदने का फैसला किया है। फेडरल डिपॉजिट इंश्योरेंस कॉर्पोरेशन के अनुसार सिग्नेचर बैंक की 40 ब्रांच फ्लैगस्टार बैंक के नाम से जानी जायेंगी। फ्लैगस्टार न्यूयॉर्क कम्युनिटी बैंक की सब्सिडियरी में से एक है। इस डील में सिग्नेचर बैंक के 38.4 बिलियन डॉलर यानि 3.17 लाख करोड़ रुपये के एसेट्स की खरीद भी शामिल होगी।

नूरी

दुनिया की पहली क्लोन पश्मीना बकरी का निधन

जम्मू-कश्मीर में दुनिया की पहली क्लोन पश्मीना बकरी नूरी का कुछ दिनों पहले निधन हो गया। शेर-ए-कश्मीर कृषि विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (एसकेयूएएसटी) कश्मीर के वैज्ञानिकों ने मार्च 2012 में पहली दुर्लभ मादा पश्मीना बकरी का सफलतापूर्वक क्लोन करने की उपलब्धि हासिल की थी। नूरी का निधन 15 मार्च को विश्वविद्यालय के शुहामा फार्म में हो गया।

नासा

लेजर तकनीक के जरिये नष्ट करेगा अंतरिक्ष का मलबा

अंतरिक्ष में दिनों-दिन बढ़ते कचरे से चिंतित नासा लेजर तकनीक और सफाई अंतरिक्ष यान के जरिये इस मलबे को नष्ट करना चाहता है। नासा के अनुसार दो प्रकार के शक्तिशाली लेजर तकनीक का उपयोग अंतरिक्ष के मलबे को पृथक करने या नष्ट करने के लिए किया जायेगा। नासा फोटॉन दबाव और पृथक्करण लेजर तकनीक के जरिये अपने मिशन को पूरा करेगा। फोटॉन दबाव के कारण अंतरिक्ष के मलबे का विघटन होगा।

मंगल ग्रह पर

घर बनाने के लिए कॉस्मिक कंक्रीट तैयार

ब्रिटेन में वैज्ञानिकों की एक टीम ने स्टारक्रीट नाम से एक नई सामग्री बनाई है, जो अतिरिक्त स्थलीय धूल, आलू के स्टार्च और एक चुटकी नमक से बनी है। इसका इस्तेमाल मंगल ग्रह पर घर बनाने के लिये किया जा सकता है। अंतरिक्ष में बुनियादी ढांचे का निर्माण वर्तमान में निषेधात्मक रूप से महंगा है और इसे हासिल करना मुश्किल है, लेकिन मैनचेस्टर विश्वविद्यालय की टीम के अनुसार स्टारक्रीट एक संभावित समाधान पेश करता है। जर्नल ओपन इंजीनियरिंग में प्रकाशित एक लेख में शोध दल ने प्रदर्शित किया कि साधारण आलू स्टार्च एक ठोस जैसी सामग्री का उत्पादन करने के साथ स्टारक्रीट बनाने में मददगार साबित हुआ है।

अयरुर कथकली ग्रामम

कथकली के लिए लोकप्रिय गांव का नाम बदला

दक्षिणी केरल के पतनमतिट्टा जिले में पंपा नदी के तट पर स्थित एक छोटे से गांव के कथकली कलाकार कई दशकों से न केवल हिंदू पुराणों की कहानियां बल्कि बाइबिल की प्रस्तुति भी कर रहे हैं। पतनमतिट्टा के अयरुर गांव का नाम 12 वर्षों से अधिक समय के प्रयास के बाद अब भारतीय मानचित्र पर 'अयरुर कथकली ग्रामम' के तौर पर दिख रहा है, जो इस गांव में कथकली की लोकप्रियता दर्शाता है। गांव का नाम बदलने की प्रक्रिया में 12 साल लग गए।

किरण मजूमदार शॉ

इन्फोसिस के निदेशक मंडल से सेवानिवृत्त

इन्फोसिस ने अपने निदेशक मंडल से किरण मजूमदार शॉ की सेवानिवृत्ति की घोषणा कर दी है। यह आदेश 22 मार्च 2023 को शॉ का कार्यकाल पूरा होने के बाद प्रभावी हो गया। इन्फोसिस के बोर्ड ने प्रमुख स्वतंत्र निदेशक पद के लिए नामांकन और पारिश्रमिक समिति की सिफारिश पर 23 मार्च से ही डी सुंदरम को चुना है। किरण मजूमदार शॉ 2014 में इन्फोसिस बोर्ड की स्वतंत्र निदेशक चुनीं गई थीं।

स्पेन के

जंगलों में लगी भीषण आग

स्पेन के पूर्वी कास्टेलॉन और टेरुएल प्रांत के जंगलों में भीषण आग लगने के कारण 1,600 से अधिक निवासियों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। स्पेन के समाचार पत्र 20 मिनटोस में जारी रिपोर्ट के अनुसार अधिकारियों ने वालेंसियन समुदाय के कास्टेलॉन प्रांत के 9 शहरों और पड़ोसी प्रांत टेरुएल के दो शहरों से लोगों को बचाव स्थल पर पहुंचने के आदेश दिए हैं। वालेंसियन प्रशासन के अध्यक्ष जिमो पुइग ने कहा कि इन दो प्रांतों के जंगलों की लगभग 2,470 एकड़ जमीन भीषण आग की चपेट में आ गयी है।

रोजलीन अरोकिया मैरी

पहली महिला टीसी जिन्होंने 1 करोड़ रुपये जुर्माने में वसूले

भारतीय रेल मंत्रालय ने महिला टिकट चेकर रोजलीन अरोकिया मैरी की तारीफ की है। यह तारीफ इसलिए की गई है क्योंकि वह पहली ऐसी भारतीय महिला टीसी बनीं हैं जिन्होंने यात्रियों से 1 करोड़ रुपये से ज्यादा का जुर्माना वसूला है। मैरी दक्षिणी रेलवे में प्रिंसिपल टिकट इंस्पेक्टर के तौर पर पदस्थ हैं। ज्ञात रहे कि पूरे देश में सबसे ज्यादा जुर्माना वसूलने में चेन्नई डिवीजन आगे रहा है।

अब्बास गैलिमोव

रूस के राष्ट्रपति का स्पीच राइटर मोस्ट वांटेड घोषित

रूस की पुलिस ने राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन के स्पीच राइटर रहे अब्बास गैलिमोव को मोस्ट वांटेड घोषित किया गया है। उस पर यूक्रेन जंग को लेकर रूस की आलोचना करने का आरोप है। रूसी मीडिया के मुताबिक इंटीरियर मिनिस्ट्री के डेटाबेस में उसका नाम मोस्ट वांटेड लोगों की लिस्ट में है। ज्ञात रहे कि अब्बास ने साल 2008 से लेकर 2012 तक पुतिन के भाषण लिखे थे।

स्पेन में

दिखी टेढ़ी कमर वाली व्हेल

स्पेन के वेलेसिया शहर के पास टेढ़ी कमर वाली व्हेल देखने को मिली है। उस पर ट्रैकर लगाने की कोशिश की जा रही है। इस व्हेल की कमर टेढ़ी है। माना जा रहा है कि किसी जहाज से टकराने के बाद इस व्हेल की यह हालत हो गई होगी। ऐसा अनुमान है कि समंदर में जहाज से टक्कर होने की वजह से करीब 20 हजार व्हेल की मौत हो जाती है।

जॉन जेपकेमा

ग्रैंड कैनियन पार करने वाले सबसे उम्रदराज इंसान

अमेरिका का ग्रैंड कैनियन पार करने वाले कोलोराडो के जॉन जेपकेमा दुनिया के सबसे उम्रदराज इंसान बन गए हैं। गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में उनका नाम 91 साल 152 दिन की उम्र में दर्ज हुआ है। 4 महीने तक रोज 13 किलोमीटर चलकर उन्होंने इसकी तैयारी की थी। इसे पार करने के लिए वे 23 किलोमीटर चले। काफी गहराई में नीचे उतरे और 4500 फुट की चढ़ाई की।

सौर तूफान से

पूरे अमेरिका में फैली प्राकृतिक रोशनी

पृथ्वी पर 24 मार्च को आए सौर तूफान ने पिछले 6 वर्षों के सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए। नेशनल ओशनिक एंड एटमॉस्फेरिक एडमिनिस्ट्रेशन (एनओएए) ने कहा कि पृथ्वी पर आए इस तूफान से पूरे अमेरिका में खूबसूरत प्राकृतिक रोशनी (अरोरा) फैल गई थी। एनओएए ने पहले 23 से 25 मार्च के बीच मध्यम G2 तूफान और G3 स्थितियों की घोषणा की थी।

मिस्र के

मंदिर में मिले दो हजार साल पुराने राशि चक्र के चित्र

मिस्र के एस्ना में मिले मंदिर की छत के रंगीन चित्रों की एक श्रृंखला का खुलासा हुआ है। मिस्र–जर्मन शोध दल को मंदिर की छत पर राशियों के चित्र मिले हैं। बताया जाता है कि यह मंदिर दो हजार साल से जमीन में दबा हुआ था। इन राशियों के साथ गृह नक्षत्र भी दर्शाए गए हैं। इनका उपयोग समय मापने के लिए किया जाता था। चित्रों में बृहस्पति, शनि और मंगल स्पष्ट देखे जा सकते हैं। टूबिंगन विश्वविद्यालय के प्रोफेसर क्रिश्चियन लेइट्ज के अनुसार मिस्र में राशियों और नक्षत्रों की प्रणाली यूनानियों ने शुरू की थी।

स्मृति शेष

हॉलीवुड एक्टर लांस रेडिक का निधन

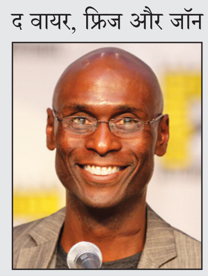

द वायर, फ्रिज और जॉन विक श्रृंखला की फिल्मों में शानदार अभिनय के लिए जाने जाने वाले अभिनेता लांस रेडिक का 60 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। रेडिक ने अपनी फिल्म जॉन विक : चैप्टर 4 की रीलिज पर इसी महीने अपने फैन्स से बातचीत भी की थी।

इंटेल के सह–संस्थापक मूर का निधन

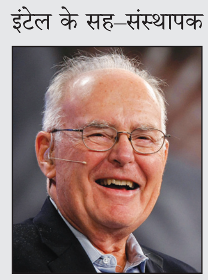

इंटेल के सह–संस्थापक गॉर्डन मूर का 24 मार्च को 94 वर्ष की आयु में हवाई में उनके घर पर निधन हो गया है। उन्होंने सेमीकंडक्टर चिप्स के डिजाइन और निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(AN AGENCY OF PANCHAYAT & RURAL DEVELOPMENT DEPARTMENT, GOVT. OF M.P.)
5th Floor, Block-II, Paryavas Bhawan, Bhopal M.P.-462 011
(GST No. 23AAATM9054A3ZX)

No./5010/22/D-12/NIT-Maint./2023
Bhopal, Dated : 27.03.2023

NOTICE INVITING TENDER No. 211/MTN/2023

Online Tenders for the following works are invited on the E-Procurement System portal **https://mptenders.gov.in** as detailed below.

1. **Table No. 1 : Name of Work - Repair/Maintenance of The Rural Roads for Five Years Constructed Under Pradhan Mantri Gram Sadak Yojna. (Post 5 Year)**

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (in Rs.)
1.	Chhindwara	1	39639921.00
2.	Dewas	4	22440035.00
3.	Dindori	1	22975123.00
4.	Gwalior	1	23959520.00
5.	Indore	1	22657733.00
6.	Jabalpur	1	9112272.00
7.	Khandwa	1	6978060.00
8.	Morena	1	10539867.00
9.	Narsinghpur	1	14903260.00
10.	Ujjain	3	34425183.00

2. **Table No. 2 : Name of Work - Repair/Maintenance of The Rural Roads for Five Years Constructed Under Pradhan Mantri Gram Sadak Yojna. (Post 10 Year)**

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (in Rs.)
1.	Dewas	2	10631983.00
2.	Dhar	1	8335435.00
3.	Harda	1	14787570.00
4.	Indore	1	15756465.00
5.	Khandwa	4	33637938.00
6.	Seoni	1	7002071.00
7.	Ujjain	2	34744519.00

3. **Table No. 3 : Name of Work - Repair/Maintenance of The Rural Roads for Five Years Constructed Under Pradhan Mantri Gram Sadak Yojna. (Post 15 Year)**

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (in Rs.)
1.	Dewas	1	13158783.00
2.	Harda	1	12717929.00
3.	Khandwa	2	7722396.00

1. Tender document can be purchased only online from the above website from **31.03.2023 from 17:30 hrs.**
2. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed N.I.T. and tender document on the above-mentioned portal and concerned PIU.

CHIEF GENERAL MANAGER (TENDER)

M.P. Madhyam/109136/48351/2023

MADHYA PRADESH BUILDING DEVELOPMENT CORPORATION

(An Agency of Govt. of M.P. Public Works Department)
16-A, CEDMAP Building, Arera Hills, Bhopal (M.P.)-462011
Telephone No. : 0755-4853297
E-mail : einc-mpbdc@mp.gov.in,ajay.nagaria@mp.gov.in

NIT No. : 2156/GM/MPBDC/CW/23/NIT-24 **Bhopal, Dated : 27.03.2023**

NOTICE INVINTING TENDER

Madhya Pradesh Building Development Corporation invites online tender for the following works in various Districts of Madhya Pradesh :-

1. Construction of CM Rise School - 05 Works.
2. Construction of Critical Care Hospital Block - 35 Works
3. Construction/Upgradation of Primary Health Centre - 14 Works
4. Construction/Upgradation of Community Health Centre - 04 Works
5. Construction of Paramedical Council, Nursing Council at Bhopal

From bidders registered in M.P. PWD Department under appropriate category. Detailed NIT and tender documents can be viewed and purchased online only from **31.03.2023 (18:00 hrs.) to 18.04.2023 (15:30 hrs.)** from website **www.mptenders.gov.in.**

M.P. Madhyam/109138/48352/2023 **MANAGING DIRECTOR**

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(AN AGENCY OF PANCHAYAT & RURAL DEVELOPMENT DEPARTMENT, GOVT. OF M.P.)
5th Floor, Block-II, Paryavas Bhawan, BHOPAL M.P.-011
(GST No. 23AAATM9054A3ZX)

No./ 5402/22/D-12/MPRRDA/2023 **Bhopal, Dated : 31.03.2023**

NOTICE INVITING TENDER No. 1090 (RCPLWEA-Road) (Batch-1, Year 2021-22)

Online Tenders for Construction of Rural Roads/CDs with 5 years maintenance are invited on the E-Procurement System portal **www.pmgsytenders.gov.in** as detailed below :

- **Name of Work - RCPLWE (Road) - Batch-I, Year 2021-22**

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (In Rs.)
1.	Balaghat	4	503109000.00

1. Tender document can be purchased and submitted only online from the above website from **10.04.2023 from 17:30 hrs.**
2. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed N.I.T. and tender document on the above-mentioned portal and concerned PIU.

CHIEF GENERAL MANAGER (TENDER)

M.P. Madhyam/109216/2023

R-48360/2023

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(AN AGENCY OF PANCHAYAT & RURAL DEVELOPMENT DEPARTMENT, GOVT. OF M.P.)
5th Floor, Block-II, Paryavas Bhawan, Bhopal (M.P.)-011

No./5405/22/D-12/MPRRDA/2023 **Bhopal, Dated : 31.03.2023**

NOTICE INVITING TENDER No. 1089 (RCPLWEA-Bridge) (Batch-I, Year 2022-23)

Online Tenders for Construction of Bridges with 5 years defect liability & maintenance are invited on the E-Procurement System portal **https://www.pmgsytenders.gov.in** as detailed below :

- **Name of Work : Construction of Bridges under PMGSY including maintenance for Five year after construction.**

S. No.	Name of District	No. of Packages	No. of Bridge	Total PAC (In Rs.)
1.	Balaghat	6	6	337487000/-

1. **Availability of Bid Documents and mode of submission :** The bid document is available online and should be submitted online in **www.pmgsytenders.gov.in.** The bidder would be required to register in the web-site which is free of cost. For submission of the bids, the bidder is required to have a valid Digital Signature Certificate (DSC) from one of the authorized Certifying Authorities.
2. Bid document may be purchased online from **10.04.2023 (17:30 hrs.)** and last date for online bid submission is **26.04.2023 (17:00 hrs.)**
3. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed N.I.T. and SBD for PMGSY Works (June-2020) on the above-mentioned portal and concerned PIU.

CHIEF GENERAL MANAGER (TENDER)

M.P. Madhyam/109215/2023

R-48359/2023

ADARSH INSTITUTE OF MANAGEMENT & SCIENCE

A. B. Road Dhamnod, Dhar (M. P.)-454552

(Affiliated to D.A.V.V.) NAAC "B" GRADE ACCREDITED COLLEGE
Mob.: 099262-79974, 98935-37647, Email: aimsrequirement@gmail.com

Requires **(Under College Code- 28)**

Professors, Associate Professors, Asst. Professors

- Commerce -(04)
- Chemistry - (04)
- Physics - (04)
- Biotechnology -(04)
- Botany - (04)
- Seed Technology - (03)
- Office Assistant -(01)
- Zoology-(04)
- Hindi -(04)
- English -(04)
- Life Science -(04)
- Mathematics-(02)
- Librarian -(01)
- Computer Science -(04)
- Political Science -(04)
- Sociology -(04)
- Sport Officer -(01)
- Accountant -(01)
- Lab Technician (Biotech, Zoology, Botany, Chemistry, Computer & Physics)

Qualification & Experience as per U.G.C. norms. Salary as per norms

Apply within 10 Days with full details and attested copies & testimonial send to college address and by Email.

Principal

R-48361/2023

कार्यालय मुख्य अभियंता
लोक निर्माण विभाग, सेतु निर्माण परिक्षेत्र भोपाल (म.प्र.)
निविदा सूचना

निविदा सूचना क्रमांक 29/मु.अ. (सेतु परिक्षेत्र)/वर्ष 2022-23 **भोपाल, दिनांक : 24.03.2023**

निम्नलिखित कार्यों हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट **www.mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है।

क्र.	टेंडर क्रमांक	जिला	कार्य का प्रकार	कार्य का नाम	आमंत्रण क्र.	कार्य की अनु. राशि (रु. लाख में)	ई.एम.डी. राशि एवं टेण्डर फीस तथा निविदा से संबंधित सम्पूर्ण दस्तावेज जमा करने हेतु।
1.	2023_ PWDRB_ 259850_1	खण्डवा	पुल कार्य	खण्डवा जिले के ओंकारेश्वर में बंगाली बाबा आश्रम के पास नर्मदा नदी पर पहुंच मार्ग सहित जलमग्नीय पुल निर्माण कार्य।	चतुर्थ	2969.89	केवल ऑनलाइन
				कुल योग -		**2969.89**	

उपरोक्त वेबसाइट ऑनलाइन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय करने की **अंतिम तिथि 13.04.2023 (17.30) बजे** निर्धारित है। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखा जा सकता है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर किया जायेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।

मुख्य अभियंता
लो.नि.वि. सेतु निर्माण परिक्षेत्र भोपाल

जी-25158/48345/2023

हीरे के बाद अब आंवला बना पन्ना की नई पहचान

पन्ना, पन्ना जिले में एक जिला-एक उत्पाद योजना ने आंवला को नई पहचान दी है। आंवला का उपयोग आयुष औषधि में मुख्य रूप से किया जाता है।

पन्ना के जंगलों में आंवले के वृक्ष मुख्य रूप से पाये जाते हैं। यहां का आंवला रेशा रहित होने से अत्यंत लाभकारी है। आंवला विटामिन-सी का समृद्ध स्रोत है। आयुष विभाग की देवारण्य योजना में आंवला के संग्रहण और प्रोसेसिंग के लिये प्रभावी प्रयास किये जा रहे हैं। इसके लिये जिला स्तर पर विभिन्न विभागों से समन्वय के लिये जिला स्तरीय समिति भी गठित की गई है। किसानों को आंवले की खेती के लिये प्रोत्साहित किया जा रहा है। जिला स्तर पर वन, उद्यानिकी, पंचायत एवं ग्रामीण विकास और जनजातीय कार्य विभाग मिल कर कार्य कर रहे हैं। साथ ही स्वयंसेवी संगठनों और स्व-सहायता समूहों की इस कार्य में मदद ली जा रही है। किसानों को प्रशिक्षण दिये जाने की व्यवस्था भी की जा रही है। पन्ना जिला अब हीरे के बाद आंवला उत्पादन में भी नई पहचान बना रहा है।

कार्यालय मुख्य अभियंता, लो.नि.वि. सागर परिक्षेत्र सागर

फोन नं. - 07582-220840, ईमेल आईडी - cepwdsagar@nic.in

एनआईटी नं. - 29/2022-23/केन्द्रीयकृत निविदा आमंत्रण **सागर, दिनांक : 20.03.2023**

निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन निविदा नवीन एकीकृत पंजीयन प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से आमंत्रण की जाती है :–

क्र.	पोर्टल टेंडर क्र.	कार्य का नाम	जिला	ठेके की अनुमानित राशि (पीएसी) (लाख में)	अमानत राशि (ईएमडी) (रु. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु. में)	कार्य पूर्ण करने का समय (माह में वर्षाकाल सहित)
1.	2023_ PWDRB_ 261671_1	लो.नि.वि. उपसंभाग रहली के अंतर्गत विभिन्न मार्गों का निर्माण कार्य कुल लंबाई 8.60 कि.मी. अनुमोदन करने बाबत। 1. रोजनवार से गणेशगंज आश्रम मार्ग लं. 1.00 कि.मी. अनुमानित लागत 82.96 लाख 2. गनेशगंज स्टेशन मार्ग से (टडा बोर से सासा मार्ग) सपेरा बरित (वार्ड क्र. 13) तक पहुंच मार्ग लं. 1.00 कि.मी. अनुमानित लागत 82.41 लाख 3. तालसेमरा गौशाला पहुंच मार्ग लं. 1.00 कि.मी. अनु. लागत 79.97 लाख 4. पचारा पिपरिया कछयाना मोहल्ला से बैरागी बाबा मंदिर मार्ग लं. 0.67 कि.मी. अनु. लागत 84.49 लाख 5. काछी पिपरिया से हनुमान टोरी मार्ग लं. 0.95 कि.मी. अनु. लागत 88.80 लाख 6. सुकाड नाला पर पुलिया का निर्माण कार्य लं. 0.0 कि.मी. अनु. लागत 80.09 लाख 7. तारादेही मंदिर से बेलई माफी पहुंच मार्ग लं. 4.0 कि.मी. अनु. लागत 475.43 लाख	सागर	974.15	974150	20000	12 माह वर्षाकाल सहित

1. निविदा से संबंधित बिड डॉक्यूमेंट वेबसाइट **http://mptenders.gov.in/**पर बिना भुगतान के देखे एवं डाउनलोड किये जा सकेंगे।
2. निविदा प्रपत्र का मूल्य ऑनलाइन पोर्टल पर क्रेडिट/डेबिट/कैशकार्ड/इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से भुगतान कर निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकेगा।
3. निविदा प्रपत्र केवल ऑनलाइन दिनांक 21.03.2023 समय 10.30 बजे से दिनांक 05.04.2023 समय 05.30 तक खरीदा जा सकेगा। सूचना व अन्य जानकारी वेबसाइट पर देखी जा सकती है।
4. निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उपरोक्त वेबसाइट पर ही दर्ज किये जायेंगे, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

मुख्य अभियंता
लो.नि.वि. सागर परिक्षेत्र सागर

जी-25072/48342/2023

कॅरियर की राहें

खिलौना उद्योग में कॅरियर के मौके तेजी से बढ़ने का परिदृश्य

'रोज़गार और निर्माण' के पाठकों के लिये 'कॅरियर की राहें' नाम से उपयोगी स्तंभ लगातार प्रकाशित किया जा रहा है। अच्छे कॅरियर के लिये जरूरी है कि युवा कॅरियर की विभिन्न विधाओं से परिचित हों और अपनी रुचि, योग्यता और क्षमताओं के अनुरूप अपने लिये उपयुक्त कॅरियर का निर्धारण करें। पिछले 40 वर्षों से नई पीढ़ी के लिये कॅरियर संबंधी विषयों पर नियमित लेखन कर रहे, डॉ. जयंतीलाल भंडारी युवाओं को कॅरियर के विभिन्न अवसरों से परिचित कराते हुये आगे बढ़ने का मार्गदर्शन दे रहे हैं।

यकीनन इस समय जिस तेजी से भारतीय खिलौना उद्योग ने ऊंची सफलताएं हासिल करके खिलौनों के तेजी से बढ़ते निर्यात और घटते आयात का नया लाभप्रद अध्याय रेखांकित किया है, उससे भारत की नई पीढ़ी के लिए खिलौना सेक्टर में कॅरियर के मौकों का अभूतपूर्व परिदृश्य निर्मित हुआ है।

वर्ष 2024 तक 3 बिलियन डॉलर मूल्य का होगा खिलौना उद्योग

तीन-चार वर्षों पहले तक भारत खिलौने के लिए बहुत कुछ दूसरे देशों पर निर्भर था और भारत में अधिकतर खिलौने चीन और

अन्य देशों से आया करते थे। लेकिन अब वह समय बीत चुका है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मुताबिक देश में खिलौना उद्योग के रणनीतिक विकास से भारत में पिछले तीन वर्षों में खिलौने के आयात में 70 फीसदी की कमी आई है। साथ ही भारत का खिलौना निर्यात तेजी से बढ़कर करीब 2600 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया है। भारत से अमेरिका, ब्रिटेन, यूरोपीय यूनियन, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका सहित कई देशों को खिलौने निर्यात किए जा रहे हैं। इस समय भारतीय खिलौना उद्योग का कारोबार करीब 1.5 बिलियन डॉलर का है जो वैश्विक बाजार हिस्सेदारी का 0.5 फीसदी मात्र है। लेकिन जिस तरह भारत में खिलौना उद्योग को प्रोत्साहन दिया जा रहा है, उससे खिलौना उद्योग बढ़ते हुए 2024 तक 3 बिलियन डॉलर तक की ऊंचाई पर पहुंचने की संभावनाएं रखता है।

भारत को खिलौना का हब बनाने की रणनीति और रोज़गार के मौके

नि:संदेह देश को खिलौनों का वैश्विक हब बनाने की रणनीति बनाई गई है। भारतीय खिलौनों को वैश्विक खिलौना बाजार में बड़ी भूमिका निभाने हेतु खिलौना उद्यमियों को प्रेरित किया गया है। सरकार के द्वारा खिलौना उत्पादकों से कहा गया है कि वे ऐसे खिलौने बनाएं, जिनमें एक भारत, श्रेष्ठ भारत की झलक हो और उन खिलौनों को देख दुनिया वाले भारतीय संस्कृति और पर्यावरण के प्रति गंभीरता जताएं और भारतीय मूल्यों को समझ सकें। ऐसे में डिजिटल गेमिंग के लिए भारत के द्वारा खिलौना निर्माण में भारतीय मूल्यों पर आधारित विषयों तथा भारत की स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगांठ के मद्देनजर स्वतंत्रता संग्राम के सेनानियों की कहानियों तथा उनके शौर्य को गेमिंग अवधारणाओं के रूप में प्रस्तुत किए जाने से जहां बच्चों में देश भक्ति की भावना बढ़ी, वहीं भारतीय खिलौनों की बिक्री भी तेजी से बढ़ी है। सरकार के द्वारा भारतीय खिलौनों को वैश्विक खिलौना बाजार में बड़ी भूमिका निभाने हेतु प्रेरित किया जा रहा है। ताकि चीनी खिलौनों की मांग को नियंत्रित करके भारतीय खिलौना उद्योग में रोज़गार के मौके बढ़ाए जा सकें। अब देश का खिलौना उद्योग सरकार की प्राथमिकता में आ गया है, जो देश के खिलौना व्यापारियों एवं लघु उद्योग के लिए एक शुभ संकेत है। ऐसे में अब भारतीय खिलौना सेक्टर बेहतर कर रहा है और घरेलू और वैश्विक बाजार में अन्य देशों के खिलौनों के कारोबार को कड़ी टक्कर दे रहा है। इससे रोज़गार के मौके बढ़ रहे हैं।

खिलौना उद्योग में कॅरियर की संभावनाएं

निश्चित रूप से जिस तरह देश में खिलौना उद्योग को आगे बढ़ाने के प्रयास किए जा रहे हैं, उनसे भारत में खिलौने के आतंरिक बाजार के अलावा वैश्विक खिलौने के बाजार में भारत के खिलौने उद्योग की हिस्सेदारी भी बढ़ायी जा सकेगी। उल्लेखनीय है कि खिलौना उद्योग में रोज़गार और स्वरोज़गार संबंधी विभिन्न अवसर हैं। ये अवसर प्रमुखतया टॉय प्रोडक्शन, टॉय डिजाइनिंग एवं टॉय मार्केटिंग से संबंधित हैं। टॉय डिजाइनर्स के लिए देश-विदेश की विभिन्न टॉय मेकिंग कंपनियों में कॅरियर के अच्छे मौके हैं। इस समय बच्चों के कमरे या प्ले स्कूल भी टॉय की थीम पर डिजाइन किए जाने का चलन बढ़ता जा रहा है। टॉय डिजाइनर के लिए टॉय इंडस्ट्री में कंसल्टेंट के रूप में भी मौके मिलते हैं। देश के कोने-कोने में कहीं भी सॉफ्ट टॉय मेकिंग को स्वरोज़गार के रूप में सरलता से शुरू किया जा सकता है, सॉफ्ट टॉय मेकिंग एक ऐसा स्व-रोज़गार है, जिसमें लागत कम होती है, लेकिन कारोबार अधिक होता है और अच्छा लाभ कमाया जा सकता है। सॉफ्ट टॉय ऐसे खिलौने होते हैं, जो किसी भी आयु वर्ग के बच्चों को पसंद आ सकते हैं। छोटे-बड़े और कई तरह के टेडी बियर्स और खिलौने स्थानीय स्तर पर बच्चों की पसंद को ध्यान में रख कर बनाए जाते हैं। सॉफ्ट टॉय महिलाएं भी आसानी से घर में बना सकती हैं। सॉफ्ट टॉय बनाने का व्यवसाय शुरू करते समय बच्चों के मन और उनकी जरूरतों के साथ-साथ बाजार में आ रहे नए-नए ट्रेंड्स को भी ध्यान में रखना जरूरी होता है।

मध्यप्रदेश में खिलौन उद्योग

उल्लेखनीय है कि पूरे देश की तरह मध्यप्रदेश में खिलौना उद्योग के तहत

रोज़गार व स्व-रोज़गार के अच्छे मौके हैं। अभी भी इंदौर खिलौने बनाने और उनके निर्यात के लिए प्रसिद्ध है। अब मध्यप्रदेश सरकार विभिन्न तरह के खिलौने इंदौर सहित मध्यप्रदेश के कोने-कोने में निर्माण करने के लिए विभिन्न प्रोत्साहनों के साथ आगे बढ़ी है।

खिलौना उद्योग में कॅरियर के लिए जरूरी स्किल्स

निश्चित रूप से खिलौना उद्योग में कॅरियर बनाने के लिए कुछ विशेष स्किल्स जरूरी हैं। खिलौना उद्योग में कॅरियर बनाने के लिए कम्प्यूटर नॉलेज, रचनात्मकता, कल्पनाशीलता, ग्रॉफिक डिजाइन, मॉडर्न डिजाइन, मल्टीमीडिया, साइकोलॉजी तथा कार्टूनिंग से परिचित होना जरूरी है। उच्च स्तर के हाईटेक खिलौना उद्योग का हिस्सा बनने के लिए कम्प्यूटर एवं इलेक्ट्रॉनिक इंजीनियरिंग की पृष्ठभूमि भी जरूरी है। खिलौने बनाने में इस्तेमाल होने वाली वस्तुओं और केमिकल्स से सुरक्षा संबंधी ज्ञान का भी ध्यान रखना जरूरी होता है। नए दौर के खिलौने बनाने के लिए के साथ-साथ विभिन्न टॉय डिजाइनर को बाजार के ट्रेंड की जानकारी और विभिन्न आयु वर्ग के बच्चों की पसंदगी का भी पता होना फायदेमंद होता है।

खिलौना उद्योग संबंधी कोर्स

खिलौना उद्योग में कॅरियर बनाने के लिए इस उद्योग से संबंधित कोर्सों को ध्यान में रखा जाना चाहिए। जहां सॉफ्ट टॉय मेकिंग का स्व-रोज़गार एक-दो महीने की उपयुक्त ट्रेनिंग से शुरू किया जा सकता है, वहीं टॉय मेकिंग या टॉय डिजाइनिंग से संबंधित बेसिक ट्रेनिंग, सर्टिफिकेट डिप्लोमा और डिग्री कोर्स देश के कुछ इंस्टिट्यूशंस में उपलब्ध हैं। चूंकि टॉय मेकिंग में ग्राफिक डिजाइन, मल्टीमीडिया इंडस्ट्रियल डिजाइनिंग, मल्टीमीडिया, कम्प्यूटर डिजाइनिंग और कार्टूनिंग की जानकारी लाभप्रद होती है, अतएव इन विभिन्न विधाओं से संबंधित कोर्स भी लाभप्रद होते हैं।

- डॉ. जयंतीलाल भंडारी

(लेखक, कॅरियर मार्गदर्शन के लिए लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में प्रतिष्ठित हैं।)

मध्यप्रदेश के जिलों को जानिए

क्षेत्रफल के मामले में मध्यप्रदेश का सबसे बड़ा जिला है छिंदवाड़ा

छिंदवाड़ा, मध्यप्रदेश के जबलपुर संभाग का एक जिला है। इसका गठन 01 नवंबर, 1956 को किया गया था। यह 'पहाड़ों की सतपुड़ा रेंज' के दक्षिण-पश्चिमी क्षेत्र में स्थित है। इस जिले के दक्षिण में महाराष्ट्र राज्य का नागपुर जिला, उत्तर में होशंगाबाद और नरसिंहपुर, पश्चिम में बैतूल और पूर्व में सिवनी जिला है।

यह जिला 11,815 वर्ग किलोमीटर क्षेत्रफल के साथ मध्यप्रदेश में क्षेत्रफल के मामले में प्रथम स्थान पर है, जो कि राज्य के क्षेत्रफल का 3.85% है। छिंदवाड़ा जिले में अधिकांश जनजातीय आबादी है। आदिवासी समुदायों में गोंड, प्रधान, भारिया और कोरकू शामिल हैं। यह जिला कोयले की खदानों के लिए देशभर में जाना जाता है। देश का पहला मसाला पार्क छिंदवाड़ा में स्थापित किया गया है। यह जिला पोला, भुजलिया, मेघनाथ, अखाड़ी, हरज्योति आदि त्योहारों के लिए प्रसिद्ध है। जिले के पांढुर्ना नगर की पहचान अद्वितीय 'गोटमार मेला' है । यह विश्व प्रसिद्ध मेला है। शिवरात्रि के दिन हर साल 'चौरागढ़' में 'महादेव मेला' मनाया जाता है।

इतिहास

ऐसा माना जाता है कि इस जिले का नाम यहां के छिंद वृक्षों (खजूर) की अधिकता के कारण रखा गया है। एक समय यह क्षेत्र छिंद के पेड़ों से भरा था, और इसलिए इस जगह का नाम छिंद-वाड़ा (वाड़ा का मतलब है-जगह) था। नाम को लेकर एक और मान्यता यह है कि शेरों (सिंह) की आबादी के कारण इस जिले में प्रवेश करना शेरों की मांद के प्रवेश द्वार से गुजरने जैसा था इसलिए इसे 'सिंहद्वारा' या सिन्हवाड़ा कहा जाता था और बाद में धीरे-धीरे यह 'छिंदवाड़ा' बन गया।

यहां का पठार गोंड राजवंशों की कर्मभूमि रहा है। क्षेत्र के नीलकंठ गांव में मिली एक प्राचीन पट्टिका के अनुसार यहां के आरंभिक शासक राष्ट्रकूट वंश से संबंधित थे। इस राजवंश ने 7वीं सदी तक शासन किया फिर 'गोंडवाना' वंश आया जिसने देवगढ़ में राजधानी बनाकर शासन किया। गोंड राजा 'जाटव' ने देवगढ़ किले का निर्माण करवाया था। यहां पर कई राजवंशों ने शासन किया था। यहां पर मराठों का शासन 1803 (अंग्रेजों के आगमन) तक कायम रहा था। 17 सितंबर 1803 को ईस्ट इंडिया कंपनी ने ब्रिटिश शासन शुरू होने पर 'रघुजी द्वितीय' को हराकर इस राज्य पर कब्ज़ा कर लिया। स्वतंत्रता के बाद 'नागपुर' को छिंदवाड़ा जिले की राजधानी बना दिया गया था और 1 नवंबर, 1956 को इसे मध्यप्रदेश का जिला बनाया गया।

अर्थव्यवस्था

छिंदवाड़ा को कॉर्न सिटी के नाम से जाना जाता है। मकई को विकसित करने के लिए आवश्यक उपयुक्त मिट्टी और जलवायु की उपस्थिति के कारण पूरे जिले में इसकी पैदावार होती है। मक्का यहां से निर्यात भी किया जाता है। छिंदवाड़ा जिला गेहूं ,कपास और ज्वार की खेती से समृद्ध है। जिले में आम और संतरे के कई बाग हैं। छिंदवाड़ा में महाराष्ट्र सीमा के पास सौसर और पांढुर्ना क्षेत्र में संतरे उगाए जाते हैं। नागपुर, जिसे 'ऑरेंज सिटी' के रूप में जाना जाता है, जिले के इन दो क्षेत्रों से संतरे की आपूर्ति की जाती है। छिंदवाड़ा के उत्तर-पश्चिम में स्थित पेंच कन्हान वैली महत्वपूर्ण कोयला क्षेत्र हैं। यहां कोयले का कुल भंडार 2,411.28 मिलियन टन है। जिले के परासिया क्षेत्र को 'कोल माइन्स बेल्ट' के रूप में जाना जाता है। इस क्षेत्र में कई खदानें अभी भी काम कर रही हैं।

जिले में मैंगनीज, तांबा, डोलामाइट, अभ्रक, फेल्सपार, संगमरमर आदि खनिज भी पाए जाते हैं।

जिला प्रमुख तथ्य

1. जिले का गठन- 01 नवंबर 1956
2. संभाग- जबलपुर
3. जिला मुख्यालय- छिंदवाड़ा
4. क्षेत्रफल- 11,815 वर्ग किलोमीटर
5. जनसंख्या- 20,90,922 (पुरुष- 10,64,468 महिला-10,26,454)
6. लिंग अनुपात- 964
7. जन घनत्व- 177 प्रति वर्ग किलोमीटर
8. साक्षरता- 71.16 %
9. तहसीलें- 14 (छिंदवाड़ा, छिंदवाडा नगर, तामिया, परासिया, जुन्नारदेव, अमरवाड़ा, चौरई, सौसर, पांढुर्ना, बिछुआ, उमरेठ, मोहखेड़, चांद और हर्रई)
10. विकासखंड- 11
11. ग्राम पंचायत- 806
12. ग्राम- 1995
13. नगर परिषद- 9
14. . नगर निगम- 01
15. नगरपालिका- 7
16. विधानसभा क्षेत्र- 7 (जुन्नारदेव, अमरवाड़ा, चौरई, सौसर, छिंदवाड़ा, परासिया, पांढुर्ना)
17. लोकसभा क्षेत्र- 01 (छिंदवाड़ा)
18. भाषा एवं बोली- हिन्दी, मराठी, गोंडी, उर्दू, कोरकू, मुसाई, पारवारी

(सभी आंकड़े 2011 की जनगणना के अनुसार)

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

- छिंदवाड़ा जिले के पांढुर्ना में 'गोटमार' नाम से एक अनूठा मेला हर साल भाद्रपद अमावस्या के दिन मनाया जाता है। यह मेला 'जाम' नदी के तट पर मनाया जाता है। एक पेड़ को नदी के बीच में एक झंडे के साथ खड़ा किया जाता है। ग्रामीण 'सावरगांव' और 'पांढुर्ना' नदी के दोनों किनारों पर इकट्ठा होते हैं, और विपरीत गांव के उन व्यक्तियों पर पथराव ('पकड़') शुरू करते हैं, जो नदी के बीच में जाकर झंडा हटाने की कोशिश करते हैं। जिस गांव का निवासी झंडा हटाने में सफल होता है, उसे विजयी माना जाता है।
- जिले में हर साल महा शिवरात्रि के अवसर पर महादेव मेला आयोजित किया जाता है।
- तामिया को छिंदवाड़ा जिले का हिल स्टेशन कहा जाता है। तामिया तहसील अंग्रेजों के समय से ही अपने प्राकृतिक सौंदर्य और शांत वातावरण के लिए चर्चित है। यहां छोटा महादेव गुफा, जलप्रपात, चौड़ा पठार की लाल पहाड़ी का वल्चर पाइंट, नैनादेवी मंदिर सहित कई दर्शनीय स्थल हैं।

(शेष अगले पृष्ठ पर)

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए महत्वपूर्ण प्रश्नोत्तर

सामान्य हिन्दी

प्रश्न 1. 'शिक्षित' शब्द में किस प्रत्यय का प्रयोग हुआ है?
(अ) इत (ब) त
(स) क्षित (द) शिक्षा
उत्तर - (अ) इत

प्रश्न 2. इनमें कौनसा शब्द भाववाचक संज्ञा नहीं है?
(अ) संपन्नता
(ब) जीवंतता
(स) समृद्धि
(द) साहित्य
उत्तर - (द) साहित्य

प्रश्न 3. 'रत्नाकर' का सही संधि विच्छेद है -
(अ) रत्न+आकर
(ब) रत्ना+कर
(स) र+आकार
(द) रत्न+कर
उत्तर - (अ) रत्न+आकर

प्रश्न 4. कौन-सा शब्द 'चन्द्रमा' का पर्यायवाची नहीं है?
(अ) सोम
(ब) निशाकर
(स) शशि
(द) दिवाकर
उत्तर - (द) दिवाकर

प्रश्न 5. 'दुष्कर' शब्द में किस उपसर्ग का प्रयोग हुआ है?
(अ) दुष्क
(ब) दुस्
(स) दु
(द) दुष्
उत्तर - (ब) दुस्

प्रश्न 6. 'पौराणिक' शब्द में किस प्रत्यय का प्रयोग है?
(अ) क (ब) णिक
(स) इक (द) पुराण
उत्तर - (स) इक

प्रश्न 7. 'दाल-रोटी' में कौन सा समास है?
(अ) कर्मधारय समास
(ब) द्विगु समास
(स) तत्पुरुष समास
(द) द्वंद्व समास
उत्तर - (द) द्वंद्व समास

प्रश्न 8. हिन्दी में 'वचन' कितने प्रकार के होते हैं?
(अ) दो (ब) तीन
(स) चार (द) पांच
उत्तर - (अ) दो

प्रश्न 9. लिंग की दृष्टि से 'दही' क्या है?
(अ) स्त्रीलिंग
(ब) पुल्लिंग
(स) नपुंसक लिंग
(द) उभयलिंग
उत्तर - (ब) पुल्लिंग

प्रश्न 10. वर्तनी की दृष्टि से कौन-सा शब्द सही है?
(अ) ज्योतसना
(ब) ज्योत्स्ना
(स) ज्योतिस्ना
(द) जोत्स्ना
उत्तर - (ब) ज्योत्स्ना

प्रश्न 11. जिसका कोई शत्रु पैदा ही नहीं हुआ हो उसे कहते हैं?
(अ) आजानुबाहू
(ब) अजातशत्रु
(स) अज्ञातशत्रु
(द) अज्ञातपूर्व
उत्तर - (ब) अजातशत्रु

प्रश्न 12. निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द 'बादल' का पर्यायवाची नहीं है?
(अ) जलद (ब) नीरद
(स) वारिधि (द) मेघ
उत्तर - (स) वारिधि

प्रश्न 13. कौन-सा वाक्य सही है?
(अ) बैल और बकरी घास चरती हैं।
(ब) बैल और बकरी घास चरते हैं।
(स) बैल और बकरी घास चरता है।
(द) बैल और बकरी घास चर रही है।
उत्तर - (ब) बैल और बकरी घास चरते हैं।

प्रश्न 14. संघ की भाषा और लिपि कौन-सी है?
(अ) हिन्दी
(ब) देवनागरी
(स) अंग्रेजी
(द) अ और ब दोनों
उत्तर - (द) अ और ब दोनों

प्रश्न 15. जो क्रिया अभी हो रही है उसे क्या कहते हैं?
(अ) संदिग्ध वर्तमान
(ब) संदिग्ध भूत
(स) अपूर्ण वर्तमान
(द) सामान्य वर्तमान
उत्तर - (स) अपूर्ण वर्तमान

प्रश्न 16. हिन्दी में इस्तेमाल होने वाले उर्दू शब्दों को बहुवचन बनाने के लिए प्राय: किस भाषा के प्रत्यय लगाये जाते हैं?
(अ) हिन्दी (ब) अरबी
(स) फारसी (द) उर्दू
उत्तर - (अ) हिन्दी

प्रश्न 17. हमें ऋषि-मुनियों की संतान होने का .... है?
(अ) अभिमान
(ब) गर्व
(स) दर्प
(द) घमण्ड
उत्तर - (ब) गर्व

प्रश्न 18. हिन्दुस्तानी भाषा का रूप है?
(अ) दक्खिनी हिन्दी
(ब) संस्कृतनिष्ठ हिन्दी
(स) ब्रज-अवधी का मिश्रित रूप
(द) हिन्दी-उर्दू मिश्रित रूप
उत्तर - (द) हिन्दी-उर्दू मिश्रित रूप

प्रश्न 19. अपभ्रंश में कितने स्वर मौजूद थे?
(अ) 6
(ब) 7
(स) 8
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर - (स) 8

प्रश्न 20. अहा तुम्हें पाकर कितना आनंद आ रहा है? इस वाक्य में उचित विराम चिह्न कौन सा होगा।
(अ) पूर्ण विराम
(ब) प्रश्नवाचक
(स) उपविराम
(द) विस्मयादिबोधक
उत्तर - (द) विस्मयादिबोधक

प्रश्न 21. यहां प्रदर्शित वस्तुओं को छूना मना है? यह किस प्रकार का वाक्य है?
(अ) संकेतवाचक वाक्य
(ब) निषेधवाचक वाक्य
(स) विधानवाचक वाक्य
(द) प्रश्नवाचक वाक्य
उत्तर - (ब) निषेधवाचक वाक्य

प्रश्न 22. कौन सा शब्द बहुवचन है?
(अ) माता
(ब) प्राण
(स) लड़का
(द) किताब
उत्तर - (ब) प्राण

प्रश्न 23. 'नश्वर' का विलोम है -
(अ) नाशवान
(ब) शाश्वत
(स) निरंतर
(द) चिरायु
उत्तर - (ब) शाश्वत

प्रश्न 24. 'अर्जुन' का पर्यायवाची है -
(अ) केशव (ब) राधे
(स) साथी (द) पार्थ
उत्तर - (द) पार्थ

प्रश्न 25. 'गीदड़' का स्त्रीलिंग क्या होगा?
(अ) गीदांड़न
(ब) गीदडनी
(स) गीदड़ी
(द) गिदड़िया
उत्तर - (स) गीदड़ी

प्रश्न 26. 'साकार' का विलोम है -
(अ) दृश्यमान
(ब) निराकार
(स) स्थूल
(द) चिरायु
उत्तर - (ब) निराकार

प्रश्न 27. 'अग्नि' का पर्यायवाची है -
(अ) उम्दा
(ब) चोरवा
(स) कृशानु
(द) दीप्ति
उत्तर - (स) कृशानु

प्रश्न 28. हिन्दी में शब्दों का लिंग निर्धारण किसके आधार पर होता है?
(अ) संज्ञा (ब) सर्वनाम
(स) क्रिया (द) प्रत्यय
उत्तर - (अ) संज्ञा

प्रश्न 29. 'निरामिष' का विलोम है।
(अ) सामिष
(ब) निराहार
(स) स्वल्पाहार
(द) आहार
उत्तर - (अ) सामिष

प्रश्न 30. 'अश्व' का पर्यायवाची है -
(अ) वैश्वानार
(ब) धनंजय
(स) तुरंग
(द) पागा
उत्तर - (स) तुरंग

प्रश्न 31. मैंने एक विकलांग बालक को पैर से लिखते देखा तो दंग रह गया। निम्न पंक्ति में कौन सा वाक्य है?
(अ) सरल वाक्य
(ब) मिश्र वाक्य
(स) संयुक्त वाक्य
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर - (ब) मिश्र वाक्य

प्रश्न 32. निम्नलिखित शब्दों में से स्त्रीलिंग शब्दों का चयन कीजिए -
(अ) अपराध
(ब) अध्याय
(स) स्वदेश
(द) स्थापना
उत्तर - (द) स्थापना

प्रश्न 33. 'निरक्षर' का विलोम है -
(अ) अपढ़ (ब) मूर्ख
(स) साक्षर (द) विद्वान
उत्तर - (अ) साक्षर

प्रश्न 34. 'आदित्य' का पर्यायवाची है -
(अ) प्रभाकर
(ब) रवीन्द्र
(स) धनेश
(द) ज्ञानेश
उत्तर - (अ) प्रभाकर

प्रश्न 35. 'इन्दु' का पर्यायवाची है -
(अ) सुरेश
(ब) राकेश
(स) विश्वामित्र
(द) अखिलेश
उत्तर - (ब) राकेश

प्रश्न 36. 'सात्विक' का विलोम है -
(अ) तामसिक
(ब) यथार्थ
(स) मर्त्य
(द) सुस्वद्या
उत्तर - (अ) तामसिक

प्रश्न 37. निम्न में से व्यक्ति वाचक संज्ञा है -
(अ) गाय (ब) पहाड़
(स) आम (द) रामायण
उत्तर - (द) रामायण

प्रश्न 38. कौन-सा शब्द स्त्रीलिंग है?
(अ) सहारा (ब) सूचीपत्र
(स) सियार (द) परिषद
उत्तर - (द) परिषद

प्रश्न 39. 'जंगम' का विलोम है -
(अ) चर (ब) चल
(स) स्थावर (द) स्थित
उत्तर - (स) स्थावर

प्रश्न 40. 'कृष्ण' का पर्यायवाची है -
(अ) माधव (ब) धीवर
(स) वातायन (द) शठ
उत्तर - (अ) माधव

प्रश्न 41. 'कारक' के कितने भेद हैं?
(अ) 7 (ब) 8
(स) 9 (द) 10
उत्तर - (ब) 8

प्रश्न 42. 'जटिल' का विलोम है -
(अ) कठिन (ब) विषम
(स) गूढ़ (द) सरल
उत्तर - (द) सरल

प्रश्न 43. 'कर्ण' का पर्यायवाची है -
(अ) राधेय
(ब) पुण्डरीक
(स) हृषीकेश
(द) मधुसूदन
उत्तर - (अ) राधेय

प्रश्न 44. 'वृक्ष से पत्ते गिरते हैं' - इस वाक्य में से किस कारक का चिह्न है?
(अ) कर्म
(ब) करण
(स) अपादान
(द) अधिकरण
उत्तर - (स) अपादान कारक

प्रश्न 45. 'आरोह' का विलोम है -
(अ) अवरोह
(ब) अवतरण
(स) आरोही
(द) अवरोहन
उत्तर - (अ) अवरोह

प्रश्न 46. 'गंगा' का पर्यायवाची है -
(अ) जाह्नवी
(ब) रसना
(स) पयोधिनी
(द) शिवपुत्री
उत्तर - (अ) जाह्नवी

प्रश्न 47. 'वह घर से बाहर गया' - इस वाक्य में से कौन सा कारक है?
(अ) कर्ता (ब) कर्म
(स) करण (द) अपादान
उत्तर - (द) अपादान कारक

प्रश्न 48. 'आवृत' का विलोम है -
(अ) अनावृत
(ब) नग्न
(स) निवृत
(द) निरावृत
उत्तर - (अ) अनावृत

प्रश्न 49. 'चन्द्रमा' का पर्यायवाची है-
(अ) सुधाकर
(ब) नीरज
(स) सुरेश
(द) महेश
उत्तर - (अ) सुधाकर

प्रश्न 50. 'महोत्सव' का सही संधि-विग्रह है -
(अ) महो + त्सव
(ब) महोत् + सव
(स) मह: + उत्सव
(द) महा + उत्सव
उत्तर - (द) महा + उत्सव = महोत्सव

- डॉ. राममनोहर उपाध्याय
(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं से संबंधित विषयों पर लेखन करते हैं।)

(पिछले पृष्ठ का शेष)

- छिंदवाड़ा जिले के पहाड़ी ब्लॉक तामिया में स्थित पातालकोट ने अपनी प्राकृतिक सुंदरता के कारण देश-विदेश के प्रमुख पर्यटन स्थल के रूप में अपनी पहचान बना ली है। घाटी में काफी गहराई पर स्थित इस क्षेत्र में कई गांव और छोटी बस्तियां हैं। जिस स्थान पर यह स्थित हैं, उसकी गहराई के कारण इसे 'पातालकोट' के नाम से जाना जाता है। इस क्षेत्र में मुख्य रूप से भारिया जनजाति निवास करती है।
- जिले के मोहखेड़ में एक पहाड़ी पर स्थित देवगढ़ का ऐतिहासिक किला प्रसिद्ध पर्यटन स्थल है। देवगढ़ 18वीं शताब्दी तक 'गोंड' साम्राज्य की राजधानी था और उस समय देवगढ़ राज्य को मध्य भारत का सबसे बड़ा आदिवासी राज्य माना जाता था। यहां स्थित महल, किले और अन्य इमारतें आज भी अपने भव्य अतीत की याद दिला रही हैं।
- सन् 1864 से 1867 तक छिंदवाड़ा के कलेक्टर रहे मेजर एसबर्न ने छिंदवाड़ा में पानी की आपूर्ति करने के लिहाज से शहर में एक तालाब बनवाया था, जो आज भी 'अशरफ' या 'एसबर्न' तालाब के नाम से जाना जाता है। छिंदवाड़ा में आज भी करीब सौ-डेढ़ सौ साल पुराने चार कुएं मौजूद हैं, जो पानी की आपूर्ति भी कर रहे हैं।
- हिंगलाज माता मंदिर अंबारा, पेंच राष्ट्रीय उद्यान, बादल भोई आदिवासी म्यूजियम, हरियागढ़ का किला, लिलाही गांव का जलप्रपात, अनहोनी ग्राम का गर्म पानी का जलप्रपात, माता मंदिर और हनुमान मंदिर, कुकड़ी खापा का जलप्रपात, नीलकंठी का मंदिर, कल्याणदेवी मां का मंदिर कपुर्धा, सलीवाड़ा का शारदादेवी मां का मंदिर आदि जिले में स्थित अन्य प्रमुख दर्शनीय स्थल हैं।

- रीता मोदी
(लेखिका, समसामयिक विषय पर लेखन कार्य करती हैं।)

लक्ष्य से अधिक खनिज राजस्व प्राप्त - खनिज मंत्री

भोपाल, खनिज मंत्री श्री बृजेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा है कि वित्तीय वर्ष 2022-23 में खनिज विभाग को निर्धारित राजस्व लक्ष्य का 101 प्रतिशत राजस्व प्राप्त हुआ है। उन्होंने कहा कि विभाग के लिए राजस्व लक्ष्य 8110 करोड़ रुपये निर्धारित था, जिसके विरुद्ध विभाग को 8201 करोड़ 50 लाख रुपये की राजस्व प्राप्ति हुई है। श्री सिंह ने कहा कि विभाग को मुख्य खनिजों से 4200 करोड़ रुपये, गौण खनिजों से 3170 करोड़ और ग्रामीण अवसंरचना मद से 831 करोड़ 50 लाख रुपये राजस्व की प्राप्ति हुई है।

श्री सिंह ने कहा कि हमारा प्रदेश एक खनिज बहुल प्रदेश है, जिसमें विभिन्न प्रकार के खनिज पाये जाते हैं। मुख्य खनिजों में मुख्यत: कोयला, चूना पत्थर, मैंगनीज, कॉपर, आयरन, हीरा और गौण खनिज-डोलोमाइट, लेटराइट, पायरोफिलाइट, ग्रेनाइट, मार्बल, गिट्टी, रेत, फर्शी पत्थर इत्यादि पाये जाते हैं।

ग्रुप-2, सब ग्रुप-4 एवं पटवारी परीक्षा की तैयारी के लिए महत्वपूर्ण प्रश्न

सामान्य ज्ञान और गणित

1. किसे 'किंग हमाद ऑडर ऑफ द रेनेसां अवॉड प्रदान किया गया है?
अ. श्री शिवराज सिंह चौहान
ब. श्री नरेंद्र मोदी
स. श्री राजनाथ सिंह
द. श्री अमित शाह
उत्तर- ब. श्री नरेंद्र मोदी

2. महिला ODI World Cup 2025 की मेजबानी किसके द्वारा की जाएगी?
अ. ऑस्ट्रेलिया ब. अमेरिका
स. भारत द. नीदरलैंड
उत्तर- स. भारत

3. CSIR की पहली महिला निदेशक किसे नियुक्त किया गया है?
अ. डॉ. जी. हेमाप्रभा
ब. अलका मित्तल
स. मल्लिका श्रीनिवास
द. नल्लाथम्बी कलाइसेल्वी
उत्तर- द. नल्लाथम्बी कलाइसेल्वी

4. 'उदारशक्ति' नामक युद्ध अभ्यास किन दो देशों के मध्य सम्पन्न हुआ?
अ. मलेशिया, भारत
ब. भारत, ऑस्ट्रेलिया
स. भारत, अमेरिका
द. भारत, वियतनाम
उत्तर- अ. मलेशिया, भारत

5. देश का पहला 'हर घर जल' प्रमाणित जिला कौनसा घोषित किया गया है?
अ. बुरहानपुर ब. एरणाकुलम्
स. करूर द. प्रयागराज
उत्तर- अ. बुरहानपुर

6. 'भारतीय संविधान : अनकही कहानी' नामक पुस्तक के लेखक कौन हैं?
अ. प्रकाश सिंह
ब. राजेश तलवार
स. रिचा मिश्रा
द. राम बहादुर राय
उत्तर- द. राम बहादुर राय

7. 'ऑपरेशन मोल्टेन मेटल' का सम्बन्ध है?
अ. लाल चंदन तस्करी
ब. सोने की तस्करी
स. चांदी के खनन से
द. यूरेनियम खनन से
उत्तर- ब. सोने की तस्करी से

8. पुरातत्वविद् विष्णु श्रीधर वाकणकर का जन्म किस जिले में हुआ था?
अ. गुना ब. नीमच
स. ग्वालियर द. मंडला
उत्तर- ब. नीमच

9. 'लांजी का किला' मध्यप्रदेश में कहां अवस्थित है?
अ. बैतूल ब. धार
स. बालाघाट द. सतना
उत्तर- स. बालाघाट

10. निम्न में से किस जनजाति की बोली को 'कुरूख' कहा जाता है?
अ. पनिका ब. खैरवार
स. सहरिया द. उरांव
उत्तर- द. उरांव

11. भारत सरकार द्वारा प्रदत्त 'पद्म श्री' पुरस्कार निम्न में से मध्यप्रदेश की किस प्रसिद्ध हस्ती को प्रदान किया गया?
अ. डॉ. मुनीश्वर चंद्र
ब. जोधइया
स. रमेश परमार, शांति परमार
द. उपरोक्त सभी
उत्तर- उपरोक्त सभी

12. निम्न में से किस राष्ट्रीय उद्यान में 'गौर पुनर्वास योजना' संचालित की जा रही है?
अ. बांधवगढ़
ब. पन्ना
स. कान्हा - किसली
द. पेंच
उत्तर- अ. बांधवगढ़ राष्ट्रीय उद्यान

13. भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद के द्वारा उच्च न्यायालय को अधीनस्थ न्यायालय के अधीक्षण की शक्ति प्राप्त है?
अ. अनु. 215 ब. अनु. 227
स. अनु. 220 द. अनु. 214
उत्तर- ब. अनु. 227

14. 'खरोष्ठी भाषा' में अशोक के कौन से शिलालेख लिखे गए हैं?
अ. मानसेहरा ब. धोली
स. जौगढ़ द. शर-ए-कुना
उत्तर- अ. मानसेहरा

15. 'तुर्कान-ए-चहलगानी' नामक दल किस शासक द्वारा बनाया गया था?
अ. कुतुबुद्दीन ऐबक
ब. इल्तुतमिश
स. बलबन
द. फिरोजशाह तुगलक
उत्तर- ब. इल्तुतमिश

16. निम्न में से किस नदी को बांग्लादेश में जमुना कहा जाता है?
अ. गंगा ब. ब्रह्मपुत्र
स. यमुना द. कामेंग
उत्तर- ब. ब्रह्मपुत्र

17. 'ब्लैक फुट' नामक रोग निम्न में से किसके कारण होता है?
अ. पारा ब. कैडमियम
स. फ्लोरायड द. आर्सेनिक
उत्तर- द. आर्सेनिक

18. ICMP का प्रयोग कम्प्यूटर में किस हेतु किया जाता है?
अ. एड्रेसिंग
ब. एरर रिपोर्टिंग
स. फॉर्वडिंग
द. मल्टीकास्टिंग
उत्तर- ब. एरर रिपोर्टिंग (ICMP-इंटरनेट कन्ट्रोल मैसेज प्रोटोकॉल)

19. ई-मेल के सम्बन्ध में IMAP का विस्तारित रूप क्या होगा?
अ. इंटरनेट मैसेजिंग एक्सेस प्रोटोकॉल
ब. इंट्रानेट मैसेज एक्सेस प्रोटोकॉल
स. इंटरनेट मीडियम एक्सेस प्रोटोकॉल
द. इनमें से कोई नहीं
उत्तर- अ. इंटरनेट मैसेजिंग एक्सेस प्रोटोकॉल

20. मूल ASC-II कोडिंग स्कीम 128 विभिन्न कैरेक्टर्स की कोडिंग के लिए कितने 'बिट' का प्रयोग करती है?
अ. 6 ब. 7
स. 8 द. 16
उत्तर- ब. 7 बिट

21. TCP/IP मॉडल में कितनी परतें होती हैं?
अ. 2 ब. 4
स. 5 द. 7
उत्तर- ब. 4 परतें

22. गूगल द्वारा भारत में पहली बार 'मुफ्त पब्लिक वाई-फाई सेवा' किस रेलवे स्टेशन को प्रदान की गई थी?
अ. नई दिल्ली ब. मुंबई सेंट्रल
स. चेन्नई द. अहमदाबाद
उत्तर- ब. मुंबई सेंट्रल रेलवे स्टेशन

23. एमएस वर्ड में किसी डॉक्युमेंट में अंत में किए गए कार्य को अनडू (Undo) करने के लिए शॉर्टकट-की कौन सी है?
अ. Ctrl+X
ब. Ctrl+Y
स. Ctrl+Z
द. Ctr+Shift
उत्तर- स. Ctrl+Z

24. माइक्रोसॉफ्ट एक्सेल वर्कशीट में चयनित सेल का पता कहां प्रदर्शित किया जाता है?
अ. नेम बॉक्स ब. टाइटल बार
स. फॉर्मुला बार द. स्टेटस बार
उत्तर- अ. नेम बॉक्स

25. जिन व्यंजनों के उच्चारण में दोनों ओष्ठों द्वारा श्वास का अवरोध होता है, वे कहलाते हैं?
अ. मूर्धन्य व्यंजन
ब. ओष्ठ्य व्यंजन
स. तालव्य व्यंजन
द. कण्ठ्य व्यंजन
उत्तर- ब. ओष्ठ्य व्यंजन

26. 'सरकार' किस भाषा का शब्द है?
अ. पश्तो ब. तुर्की
स. फारसी द. पुर्तगाली
उत्तर- स. फारसी

27. 'साखी' का मूल तत्सम शब्द क्या है?
अ. शिक्षा ब. साक्षी
स. सखी द. सिख
उत्तर- ब. साक्षी

28. निम्न में से 'तितिक्षा' शब्द का विलोम होगा?
अ. मंथर ब. असहिष्णुता
स. सहिष्णुता द. सात्विक
उत्तर- ब. असहिष्णुता

29. 'जिसका जवाब न दिया गया हो, वाक्यांश के लिए एक शब्द कौन सा होगा?
अ. अनिर्णित
ब. अनिस्तीर्ण
स. सवाल
द. इनमें से कोई नहीं
उत्तर- ब. अनिस्तीर्ण

30. राम भोपाल से इंदौर जा रहा है, इस वाक्य में कौन सा कारक है?
अ. सम्बंध ब. अपादान
स. करण द. संप्रदान
उत्तर- ब. अपादान

31. आच्छादन = आ+छादन में कौन सी संधि है?
अ. स्वर (यण) ब. व्यंजन
स. दीर्घ संधि द. विसर्ग संधि
उत्तर- ब. व्यंजन

32. निम्नलिखित में से शुद्ध वाक्य का चयन किजिए?
अ. माता-पिता की शुश्रूषा करनी चाहिए
ब. तूफान आने का संदेह है
स. अनेक निरपराध दंड के भागी हुए
द. इसके मात्र दो कारण हो सकते हैं
उत्तर- अ. माता-पिता की शुश्रूषा करनी चाहिए

33. ऐसे उपवाक्यों के बीच जो परस्पर सम्बद्ध होने पर भी स्वतंत्र वाक्य प्रतीत होते हैं, वहां किस चिन्ह का प्रयोग होता है?
अ. पूर्ण विराम ब. अर्द्ध विराम
स. अल्प विराम द. निर्देश चिन्ह
उत्तर- ब. अर्द्ध विराम

34. 'नीम हकीम खतरे जान' लोकोक्ति का अर्थ है?
अ. नीम का पता चबाना
ब. नीम से हकीमी कराना
स. खतरनाक चीज
द. अल्पज्ञान भयंकर
उत्तर- द. अल्पज्ञान भयंकर

35. निम्न में से कौन सी क्वांटम संख्या किसी परमाणु के कक्षक के अभिविन्यास का निर्धारण करती है?
अ. मुख्य क्वांटम संख्या
ब. दिगंशी क्वांटम संख्या
स. चुम्बकीय क्वांटम संख्या
द. चक्रण क्वांटम संख्या
उत्तर- स. चुम्बकीय क्वांटम संख्या

36. जो पदार्थ अपने क्वथनांक से कम ताप पर अपघटित हो जाते हैं उनके प्रथक्करण के लिए कौन सी विधि प्रयोग में लाई जाती है?
अ. भाप आसवन
ब. प्रभाजी आसवन
स. निर्वात् आसवन
द. इनमें से कोई नहीं
उत्तर- स. निर्वात् आसवन

37. निम्न में से कौन सा कथन गामा किरणों के सम्बंध में असत्य है?
अ. इनकी भेदन क्षमता अत्याधिक निम्न होती है
ब. ये किरणे विद्युत उदासीन होती हैं
स. इनका वेग, प्रकाश के वेग के बराबर होता है
द. ये विद्युत चुम्बकीय विकिरण है
उत्तर- अ. इनकी भेदन क्षमता अत्याधिक निम्न होती है

38. निम्नलिखित में से कौन कार्बन का क्रिस्टलीय अपररूप नहीं है?
अ. हीरा
ब. ग्रेफाइड
स. फुलेरीन
द. इनमें से कोई नहीं
उत्तर- द. इनमें से कोई नहीं

39. निम्नलिखित में से कौन सा खनिज तत्व विटामिन-B_{12} का महत्वपूर्ण घटक है?
अ. मैंगनीज ब. कोबाल्ट
स. फ्लोरीन द. तांबा
उत्तर- ब. कोबाल्ट

40. किसी काम को A 20 दिन में B 15 दिन में और C 12 दिन में कर सकता है 'A' उस काम को कितने दिनों में समाप्त कर सकता है, यदि उसे एक दिन B और अगले दिन C एकान्तर क्रम में मदद करे?
अ. 14 ब. 6
स. 8 द. 10
उत्तर- स. 8 दिन
हल :- 1 चक्र अर्थात् 2 दिन
प्रथम दिन - A+B
द्वितीय दिन- A+C
∴ 1 चक्र अर्थात 2 दिन में किया गया

$$\text{काम} = \frac{1}{20} + \frac{1}{15} + \frac{1}{20} + \frac{1}{12}$$

$$= \frac{3+4+3+5}{60} = \frac{15}{60} = \frac{1}{4}$$

$$\Rightarrow \frac{\text{पूरा काम}}{\text{चक्रों की संख्या}}$$

∴ पूरा काम 4 चक्र अर्थात $4\times2=8$ दिन में समाप्त होगा

41. 4,000 के मूलधन पर 5% प्रतिवर्ष की दर से 2 वर्ष के लिए वार्षिक चक्रवृद्धि ब्याज और साधारण ब्याज में अन्तर है?
अ. ₹ 20 ब. ₹ 10
स. ₹ 50 द. ₹ 60
उत्तर- ब. ₹ 10
हल :- ब्याजों में अंतर =

$$\text{मूलधन} \times \left(\frac{\text{दर}}{100}\right)^2 = 4000 \times \left(\frac{5}{100}\right)^2 = ₹\,10$$

42. एक बेईमान फल-विक्रेता, अपना माल लागत मूल्य पर बेचता है, पर एक किलो भार के स्थान पर 900 ग्रम तौलता है, तदानुसार उसके लाभ का प्रतिशत कितना है?
अ. $11\frac{1}{9}\%$ ब. $10\frac{1}{9}\%$
स. 10% द. 12%
उत्तर- अ. $11\frac{1}{9}\%$
हल :- प्रतिशत लाभ

$$= \frac{\text{तौल में कमी} \times 100}{\text{तौली गयी मात्रा}}$$

$$= \frac{100 \times 100}{900}$$

$$= 11\frac{1}{9}\%$$

43. किसी स्कूल में दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है। यदि राम, श्याम से तेज लेकिन अनिल से धीमा दौड़ा। सुरेश सबसे तेज दौड़ा। रमेश, अनिल से तेज दौड़ा। दौड़ पूरी करने वालों में दूसरा अंतिम कौन था?
अ. राम ब. सुरेश
स. श्याम द. रमेश
उत्तर- अ. राम
हल:-सुरेश > रमेश > अनिल > राम > श्याम

44. सीमा 2 किमी पूर्व की ओर चलती है फिर वह उत्तर-पश्चिम की ओर मुड़ती है और 3 किमी चलती है फिर वह दक्षिण की ओर मुड़ती है और फिर 5 किमी चलती उसके बाद वह फिर से पश्चिम की ओर मुड़ती है और 2 किमी चलती है। अंत में वह उत्तर की ओर मुड़ती है और 6 किमी चलती है। वह आरंभिक बिंदु से किस दिशा में है।
अ. दक्षिण-पश्चिम
ब. दक्षिण-पूर्व
स. उत्तर-पश्चिम
द. उत्तर-पूर्व
उत्तर- स. उत्तर-पश्चिम
हल :- यदि P = आरंभिक बिन्दु हो,

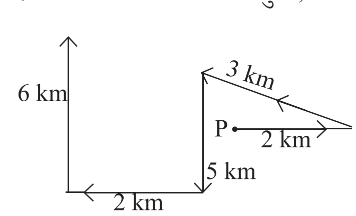

- कृतिका जावरिया
(लेखिका, प्रतियोगी परीक्षाओं से संबंधित विषयों पर लेखन करती हैं)

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिये महत्वपूर्ण प्रश्न

विषय - इतिहास

प्र. 1 काव्य शैली का प्राचीनतम नमूना किसके अभिलेख में मिलता है ?
(A) रुद्रदामन
(B) अशोक
(C) राजेन्द्र I
(D) चन्द्रगुप्त
उत्तर (A) रुद्रदामन

प्र. 2 समुद्रगुप्त की सैनिक उपलब्धियों का वर्णन उसके किस अभिलेख में उपलब्ध है ?
(A) एरण (B) गया
(C) नालंदा (D) प्रयाग
उत्तर (D) प्रयाग

प्र. 3 चचनामा सिंध का इतिहास है, निम्न में से मूल रूप से किस भाषा में लिखा गया है ?
(A) फारसी (B) हेब्रु
(C) अरबी (D) संस्कृत
उत्तर (C) अरबी

प्र. 4 भारत वर्ष के लिये इंडिया शब्द का प्रयोग सर्वप्रथम किसने किया ?
(A) हेरोडोट्स (B) मेगस्थनीज
(C) स्ट्रेबो (D) एरियन
उत्तर (A) हेरोडोट्स

प्र. 5 निम्न में से किस स्थल से रोमन के सिक्के प्राप्त हुये है ?
(A) दिल्ली (B) आगरा
(C) अरिकमेडु (D) जयपुर
उत्तर (C) अरिकमेडु

प्र. 6 विक्रमांकचरित के रचनाकार का नाम है ?
(A) कल्हण (B) बाल्मिकी
(C) वेदव्यास (D) बिल्हण
उत्तर (D) बिल्हण

प्र. 7 किस वेद में प्राचीन वैदिक युग की संस्कृति के बारे में सूचना दी गई है ?
(A) ऋग्वेद (B) यजुर्वेद
(C) सामवेद (D) अर्थववेद
उत्तर (A) ऋग्वेद

प्र. 8 पुरापाषाण युग में मनुष्य द्वारा की गई सबसे बड़ी खोज थी ?
(A) आग जलाना
(B) कुम्भकार की चाक
(C) धातु उपकरण
(D) पहिये का निर्माण
उत्तर (A) आग जलाना

प्र. 9 निम्नलिखित में से कौन सा स्थल प्रागैतिहासिक चित्रकला के लिये प्रसिद्ध है?
(A) बाहा (B) अजन्ता
(C) भीम बेटका (D) अमरावती
उत्तर (C) भीम बेटका

प्र. 10 गंगा के मैदान में मानव बस्ती के प्राचीनतम अवशेष कहाँ मिले ?
(A) बागोर (B) कालपी
(C) आदमगढ़ (D) टेरी
उत्तर (B) कालपी

प्र. 11 भारत के किस शिलाश्रय से सर्वाधिक चित्र प्राप्त हुये ?
(A) घघरिया (B) लेखनिया
(C) आदमगढ़ (D) भीम बेटका
उत्तर (D) भीम बेटका

प्र. 12 सिंधु घाटी सभ्यता के किस क्षेत्र से एक उन्नत जल प्रणाली के प्रमाण मिले ?
(A) धौलावीरा (B) आलमगीरपुर
(C) कालीबंगा (D) लोथल
उत्तर (A) धौलावीरा

प्र. 13 मांडा किस नदी के किनारे स्थित था ?
(A) चेनाब (B) सतलज
(C) रावी (D) सिंधु
उत्तर (A) चेनाब

प्र. 14 हड़प्पाकाल का ताँबे का रथ किस स्थान से प्राप्त हुआ ?
(A) रोपड़ (B) बनावली
(C) दैमाबाद (D) राखीगढ़ी
उत्तर (C) दैमाबाद

प्र. 15 किस हड़प्पाकालीन स्थल से 'पुजारी की प्रस्तर मूर्ति' प्राप्त हुई ?
(A) हड़प्पा
(B) मोहनजोदड़ो
(C) लोथल
(D) रंगपुर
उत्तर (B) मोहनजोदड़ो

प्र. 16 किस पशु के अवशेष हड़प्पा संस्कृति से प्राप्त नहीं हुये हैं?
(A) शेर (B) घोड़ा
(C) गाय (D) हाथी
उत्तर (A) शेर

प्र. 17 भारतीय संगीत का आदिग्रंथ कहा जाता है?
(A) ऋग्वेद (B) उपनिषद्
(C) पुराण (D) सामवेद
उत्तर (D) सामवेद

प्र. 18 निम्न में से किस फसल का ज्ञान वैदिक काल के लोगों को नहीं था ?
(A) जौ (B) गेहूं
(C) चावल (D) तम्बाकू
उत्तर (D) तम्बाकु

प्र. 19 प्राचीन भारत में निष्क से जाने जाते थे ?
(A) स्वर्ण आभूषण
(B) गोधन
(C) ताँबे के सिक्के
(D) चाँदी की मुद्राएं
उत्तर (A) स्वर्ण आभूषण

प्र. 20 उपनिषद्काल के राजा अश्वपति शासक थे?
(A) काशी
(B) कैकेय
(C) पांचाल
(D) विदेह
उत्तर (B) कैकेय

प्र. 21 निम्न से वह दस्तकारी कौनसी है जो आर्यों द्वारा व्यवहार में नहीं लाई गई थी ?
(A) मृदभांड (पॉटरी)
(B) आभूषण
(C) बढ़ई गिरी
(D) लुहार (लुहारगिरी)
उत्तर (D) लुहार (लुहारगिरी)

प्र. 22 कर्म का सिद्धांत संबंधित है ?
(A) न्याय से
(B) मीमांसा से
(C) वेदांत से
(D) वैशेषिक से
उत्तर (B) मीमांसा से

प्र. 23 काशी तथा लिच्छवी का विलय मगध साम्राज्य में किसने किया ?
(A) बिम्बिसार
(B) अजातशत्रु
(C) उदयिन
(D) शिशु नाग
उत्तर (B) अजातशत्रु

प्र. 24 महाजनपदकाल में श्रेणियों के संचालक को कहा जाता था ?
(A) श्रेष्ठिन (B) सेठ
(C) जेठ्ठक (D) ग्राम भोजक
उत्तर (A) श्रेष्ठिन

प्र. 25 गृहपति का अर्थ महाजनपदकाल में होता था?
(A) धनी किसान
(B) धनी व्यापारी
(C) धनी व्यक्ति
(D) इनमें से कोई नहीं
उत्तर (A) धनी किसान

प्र. 26 बौद्ध ग्रंथ ''पिटक'' की रचना किस भाषा में की गई ?
(A) संस्कृत (B) पालि
(C) प्राकृत (D) अर्द्धमगधी
उत्तर (B) पालि

प्र. 27 साँची के स्तूप किस कला एवं मूर्तिकला का निरुपण करते हैं?
(A) जैन (B) बौद्ध
(C) मुस्लिम (D) सिख
उत्तर (B) बौद्ध

प्र. 28 सातवाहनों के समय में मुद्रा सर्वाधिक किस धातु की बनी ?
(A) सीसा (B) पोटीन
(C) ताँबा (D) स्वर्ण
उत्तर (A) सीसा

प्र. 29 निम्नलिखित राजवंशों में किसका उल्लेख संगम साहित्य में नहीं हुआ ?
(A) कदम्ब (B) चेर
(C) चोल (D) पाण्ड्य
उत्तर (A) कदम्ब

प्र. 30 किस नाटक के कुछ अंश अठाई दिन का झोपड़ा मस्जिद की दीवारों पर अंकित है ?
(A) हरिकेलि
(B) नागानंद
(C) मालती माधव
(D) उत्तरामचरित्रम
उत्तर (A) हरिकेलि

प्र. 31 11वीं सदी के भारत का दर्पण किस रचना को कहा जाता है ?
(A) किताब उलहिन्द
(B) रेहला
(C) तारिख-ए-यामिनी
(D) उपरोक्त में से कोई नहीं
उत्तर (A) किताब उलहिन्द

प्र. 32 मुगल सम्राट अकबर द्वारा किसको जरी कलम की उपाधि से अलंकृत किया गया था ?
(A) मोहम्मद हुसैन
(B) मीर सैय्यद
(C) मुहम्मद खाँ
(D) अस्बुस्समद
उत्तर (A) मोहम्मद हुसैन

प्र. 33 मुगलकाल में निम्नलिखित बंदरगाहों में से किसे बाबुल मक्का (मक्का द्वार) कहा जाता था ?
(A) कालीकट (B) भड़ौच
(C) खम्भात (D) सूरत
उत्तर (D) सूरत

प्र. 34 शिवाजी के अष्टप्रधान का जो सदस्य विदेशी मामलों की देख-रेख करता था, वह था ?
(A) पेशवा (B) सचिव
(C) पंडित राव (D) सुमन्त
उत्तर (D) सुमन्त

प्र. 35 वांडीवाश के युद्ध (1760) में अंग्रेजों का नेतृत्व किसने किया ?
(A) सर आयर कुट (B) टॉमस स्मिथ
(C) टामस रो (D) इनमें से कोई नहीं
उत्तर (A) सर आयर कुट

प्र. 36 महात्मा गांधी ने सर्वप्रथम सत्याग्रह क्रियाविधि कहां प्रयुक्त की ?
(A) दाण्डी (B) चम्पारण
(C) खेड़ा (D) अहमदाबाद
उत्तर (B) चम्पारण

प्र. 37 द. अफ्रीका में महात्मा गाँधी द्वारा प्रकाशित पत्रिका का नाम था ?
(A) अफ्रीकन न्यूज
(B) इंडियन ओपिनियन
(C) हरिजन
(D) नवजीवन
उत्तर (B) इंडियन ओपिनियन

प्र. 38 अमेरिका में ''फ्री हिन्दुस्तान'' अखबार किसने शुरु किया था ?
(A) रामनाथ पुरी
(B) जीडी कुमार
(C) लाला हरदयाल
(D) तारकनाथ दास
उत्तर (D) तारकनाथ दास

प्र. 39 झण्डा गीत किसने लिखा था ?
(A) रविन्द्रनाथ
(B) बंकिमचंद
(C) मैथलीशरण
(D) श्यामलाल गुप्त
उत्तर (D) श्यामलाल गुप्त

प्र. 40 म.प्र. में गोंड वंश का अंतिम शासक था ?
(A) छत्रसाल
(B) नाहरशाह
(C) नवलशाह
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं
उत्तर (B) नाहरशाह

प्र. 41 नागवंश के शासकों के सिक्के कहां प्राप्त हुये हैं ?
(A) विदिशा (B) एरण
(C) खजुराहो (D) मालवा
उत्तर (A) विदिशा

प्र. 42 लौहयुग के धूसर चित्रित मृदभाण्ड म.प्र. में कहाँ से मिले हैं ?
(A) मुरैना-भिण्ड
(B) सतना-रीवा
(C) गुना-देवास
(D) जबलपुर-रीवा
उत्तर (A) मुरैना-भिण्ड

प्र. 43 ऐतिहासिक स्थल चित्रकूट कहाँ है ?
(A) सतना (B) छतरपुर
(C) टीकमगढ़ (D) शाजापुर
उत्तर (A) सतना

प्र. 44 म.प्र. में प्रथम ताम्र बस्ती के साक्ष्य कहाँ से प्राप्त हुये ?
(A) कायथा
(B) नावदाटोली
(C) नागदा
(D) हतोना
उत्तर (A) कायथा

प्र. 45 पनगुरारि से निम्न में से क्या प्राप्त हुये हैं ?
(A) गुफाएँ
(B) पाषाणकालीन साक्ष्य
(C) शिलालेख
(D) भित्ति चित्र
उत्तर (C) शिलालेख

प्र. 46 मांधाता नगरी (वर्तमान ओंकारेश्वर) की स्थापना किस शासक ने की ?
(A) मुचकुन्द
(B) महिस्मत
(C) बिन्दुसार
(D) अशोक
उत्तर (A) राजा मुचकुन्द

प्र. 47 अशोक ने विदिशा के श्रेष्ठी की किस पुत्री से विवाह किया था ?
(A) श्रीदेवी
(B) शकुन्तला
(C) रेवा
(D) इनमें से कोई नहीं
उत्तर (A) श्रीदेवी

प्र. 48 होल्कर ने अपना राज्य कहाँ स्थापित किया था ?
(A) ग्वालियर (B) नागपुर
(C) इंदौर (D) उज्जैन
उत्तर (C) इंदौर

प्र. 49 महाराजा छत्रसाल की मृत्यु उपरांत म.प्र. कितनी रियासतों में बंट गया था ?
(A) 6 (B) 7
(C) 8 (D) 9
उत्तर (A) 6

- श्रद्धा सुमन
(लेखिका, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी विषयों पर लेखन करती हैं)

मिलेट्स बन सकता है वैश्विक खाद्य संकट का समाधान

भारत की वर्तमान G20 अध्यक्षता में वैश्विक खाद्य संकट का मुद्दा बेहद प्रमुखता के साथ चर्चा का विषय बना हुआ है। इस साल भारत की अध्यक्षता में G20 देशों की बैठक के दौरान मोटे अनाज के साथ वैश्विक खाद्य संकट का समाधान निकाला जा सकता है। हाल ही में नई दिल्ली में ग्लोबल मिलेट्स (मोटा अनाज) कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। भारत के प्रयासों से ही संयुक्त राष्ट्र द्वारा वर्ष 2023 को अंतर्राष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष घोषित किया गया है। भारत श्री अन्न (मोटा अनाज या मिलेट्स) का सबसे बड़ा उत्पादक और दूसरा सबसे बड़ा निर्यातक है। श्री अन्न के लिए इस बार के बजट में भी प्रावधान किया गया है।

महामारी और युद्ध के कारण दुनिया भर में खाद्य की बढ़ती कीमतों के साथ मुद्रास्फीति में वृद्धि हुई है। 2022 की कमोडिटी मार्केट्स आउटलुक के अनुसार, युद्ध ने व्यापार, उत्पादन और खपत को बदल दिया है जिससे मूल्य वृद्धि हुई है और खाद्य असुरक्षा बढ़ गई है। विश्व खाद्य कीमतों में साल दर साल 20.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। युद्ध ने खाद्य कीमतों को 40 प्रतिशत तक बढ़ा दिया है।

पहले से ही सूखे और अकाल से प्रभावित क्षेत्रों में कीमतें बढ़ रही हैं और खाद्य संकट अपने चरम पर है। यहां तक कि यूनाइटेड किंगडम (यूके) और संयुक्त राज्य अमेरिका (यूएस) जैसे उच्च आय वाले खाद्य-सुरक्षित देशों में भी खाद्य असुरक्षा के कारण लागत मुद्रास्फीति का प्रभाव पड़ रहा है। यह स्थिति 2007-08 के विश्व खाद्य संकट के समान है जिसके कारण आर्थिक अस्थिरता, भोजन की कमी और मूल्य वृद्धि हुई। खाद्य संकट पर 2022 की वैश्विक रिपोर्ट में 193 मिलियन लोगों के साथ संघर्ष, आर्थिक झटके और मौसम की चरम स्थितियों के कारण खाद्य असुरक्षा का सामना करने वाली भूख का खतरनाक स्तर दिखाया गया है।

खाद्य सुरक्षा के लिए एक और खतरा बढ़ती जनसंख्या है, जिसका वर्तमान 8 बिलियन से 2050 तक 9.8 बिलियन और 2100 तक 11.2 बिलियन तक पहुंचने का अनुमान है। खाद्य और कृषि संगठन (FAO) के अनुसार, 'अत्यधिक जनसंख्या विश्व खाद्य आपूर्ति के लिए खतरा है' और 2027 के आसपास भोजन समाप्त हो सकता है। विश्व बैंक द्वारा 83 देशों में किए गए 2022 के रैपिड फोन सर्वेक्षण में पाया गया कि महामारी के दौरान घरों में कम कैलोरी का सेवन और पोषण से समझौता किया गया। यूनिसेफ के अनुसार, संकटग्रस्त देशों में वैश्विक भूख हर मिनट एक बच्चे को गंभीर कुपोषण की ओर धकेल रही है। यूक्रेन संघर्ष से प्रेरित बढ़ती कीमतों और महामारी के साथ आर्थिक गिरावट के कारण बच्चों में गंभीर कुपोषण का विनाशकारी स्तर हो गया है।

मिलेट्स के रूप में समाधान

खाद्य और कृषि संगठन (FAO) ने वर्ष 2023 को अंतर्राष्ट्रीय मोटा अनाज या पोषक अनाज वर्ष (International Year of Millets) घोषित किया है। मोटे अनाज या 'मिलेट्स' (Millets) में विशेष पोषक गुण (प्रोटीन, आहार फाइबर, सूक्ष्म पोषक तत्वों और एंटीऑक्सिडेंट से समृद्ध) पाए जाते हैं और ये विशेष कृष्य या शस्य विशेषताएं (जैसे सूखा प्रतिरोधी और अर्द्ध-शुष्क क्षेत्रों के लिये उपयुक्त होना) रखते हैं।

मिलेट्स छोटे बीज वाली विभिन्न फसलों के लिये संयुक्त रूप से प्रयुक्त शब्द है जिन्हें समशीतोष्ण, उपोष्ण और उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों के शुष्क भूभागों में सीमांत भूमि पर अनाज फसलों के रूप में उगाया जाता है। भारत में उपलब्ध कुछ सामान्य मोटे अनाजों में रागी, ज्वार, साँवा, बाजरा और वरिगा शामिल हैं। इन अनाजों के प्राचीनतम साक्ष्य सिंधु सभ्यता से प्राप्त हुए हैं और माना जाता है कि ये खाद्य के लिये उगाई गई प्रथम फसलों में से एक थी। विश्व के 131 देशों में इनकी खेती की जाती है और ये एशिया एवं अफ्रीका में लगभग 60 करोड़ लोगों के लिये पारंपरिक आहार का अंग हैं।

जब पूरी दुनिया शाकाहार, प्रोटीन बेस्ड डाइट और अन्य स्वास्थ्य अनुकूल आहार परिवर्तनों को धीरे-धीरे स्वीकार रही है, ऐसे समय में मिलेट्स का प्रचार और लोकप्रियता गरीब मिलेट्स उत्पादक देशों के लिए बहुत सारे व्यवसायों के विकल्प की संभावनाओं को जन्म देता है। बाजरा वर्ष के परिणामस्वरूप इस फसल का अधिक और बड़े पैमाने पर उत्पादन होगा, जिससे निर्यात में काफी वृद्धि होगी।

भारत और दुनिया में मिलेट्स

भारत में दो वर्गों के मोटे अनाज उगाए जाते हैं। प्रमुख मोटे अनाज (Major millets) में ज्वार (sorghum), बाजरा (pearl millet) और रागी (finger millet) शामिल हैं, जबकि गौण मोटे अनाज (Minor millets) में कंगनी (foxtail), कुटकी (little millet), कोदो (kodo), वरिगा/पुनर्वा (proso) और साँवा (barnyard millet) शामिल हैं। भारत की 'मिलेट क्रांति' (Millet Revolution) मोटे अनाजों के स्वास्थ्य संबंधी और पर्यावरणीय लाभों के बारे में बढ़ती जागरूकता के साथ-साथ पारंपरिक कृषि अभ्यासों को पुनर्जीवित करने तथा छोटे पैमाने के किसानों को समर्थन देने के प्रयासों से प्रेरित है। इसे सार्वजनिक स्वास्थ्य में सुधार और सतत कृषि को बढ़ावा देने की देश की दोहरी चुनौतियों के समाधान के रूप में देखा जा रहा है।

भारत, नाइजीरिया और चीन दुनिया में मोटे अनाज के सबसे बड़े उत्पादक देश हैं, जो वैश्विक उत्पादन में संयुक्त रूप से 55% से अधिक की हिस्सेदारी रखते हैं। कई वर्षों से भारत मोटे अनाजों का सर्वप्रमुख उत्पादक बना रहा है। इन अनाजों की उच्च प्रोटीन सामग्री उन्हें मुख्य रूप से संयुक्त राज्य अमेरिका, यूरोप और एशिया-प्रशांत में स्थित शाकाहारी आबादी के लिए आदर्श बनाती है। इसके अलावा, महामारी ने बाजार को सकारात्मक रूप से प्रभावित किया है, क्योंकि बहुत से लोग अपने आहार में बाजरा शामिल कर रहे हैं और जंक फूड से पोषक तत्वों से भरपूर खाद्य पदार्थ जैसे बाजरा और उनके डेरिवेटिव को प्रतिरक्षा और स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए स्थानांतरित कर रहे हैं। इसलिए इन क्षेत्रों में बाजरा आधारित उत्पादों की मांग तेजी से बढ़ रही है, जिससे बाजरा वैश्विक स्तर पर बेहद लोकप्रिय हुआ है।

अपनी G20 अध्यक्षता में भारत द्वारा मिलेट्स के प्रसार हेतु प्रयास

सरकार ने मिलेट्स को G20 बैठकों का भी एक हिस्सा बनाया है। मिलेट फेस्टिवल्स और इससे जुड़े कार्यक्रम देश के विभिन्न हिस्सों में आयोजित किए जा रहे हैं, जिनमें देश के भीतर और बाहर दोनों से लोगों की भागीदारी हो रही है। भारत के इस प्रयास के परिणामस्वरूप दुनिया भी मिलेट्स को जानने और अपनाने के लिए उत्सुक है। भारत की G20 अध्यक्षता में मिलेट्स को शामिल किया जा रहा है जिससे विदेशी अतिथियों को इसके गुण और प्रभाव के बारे में जानने का मौका मिला है।

भारत द्वारा मोटे अनाज के लिए पहल

भारत सरकार द्वारा मिलेट्स के विकास और प्रसार के लिए कई सारी पहलें और योजनाएं चलाई जा रही हैं। मूल्य समर्थन योजना (PSS) के माध्यम से मोटे अनाजों की खेती के लिये किसानों को वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है। तो वहीं मूल्य-वर्धित उत्पादों के विकास द्वारा मोटे अनाजों की मांग और उपभोग को बढ़ाने के लिये मूल्य-वर्धित मिलेट-आधारित उत्पादों के उत्पादन को प्रोत्साहित किया जा रहा है। इसके अलावा सरकार ने मोटे अनाजों को सार्वजनिक वितरण प्रणाली में शामिल किया है ताकि इसे आम लोगों के लिये सुलभ और सस्ता बनाया जा सके। साथ ही सरकार जैविक मोटे अनाजों के उत्पादन और उपभोग को बढ़ाने के लिये मोटे अनाजों की जैविक खेती (Organic Farming) को भी बढ़ावा दे रही है।

कोविड-19 के दौरान आर्थिक मदद के हिस्से के रूप में, भारत सरकार ने प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (पीएमजीकेएवाई) और आत्मनिर्भर भारत योजना (एएनबीएस) जैसी अतिरिक्त राष्ट्रव्यापी योजनाओं को लागू किया है। वर्ष 2020 के दौरान, 3.22 करोड़ (32.2 मिलियन) मीट्रिक टन खाद्यान्न और वर्ष 2021 के दौरान, लगभग 3.28 करोड़ (32.8 मिलियन) मीट्रिक टन खाद्यान्न पीएमजीकेएवाई योजना के तहत लगभग 80 करोड़ (800 मिलियन) एनएफएसए लाभार्थी लोगों को मुफ्त आवंटित किया गया है। भारत की अध्यक्षता में G20 से वैश्विक स्तर के खाद्य संकट का समाधान मिलेट्स से निकल सकता है। अपनी ओर से भारत ने इसकी शुरुआत कर दी है और दुनिया ने भी भारत के मार्गदर्शन में मिलेट्स को अपने खाद्य संकट से बाहर निकलने के प्रयास के रूप में शुरू कर दिया है जिससे सतत विकास और वैश्विक लक्ष्यों की ओर बढ़ने में बेहतर सहायता मिल रही है।

- रश्मि रंजन
(लेखिका, समसामयिक विषयों पर लेखन करती हैं)

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए महत्वपूर्ण प्रश्न

सामान्य ज्ञान - खेल

1. इनमें से किस टूर्नामेंट का संबंध क्रिकेट से है।
(अ) डेविस कप
(ब) रणजी ट्रॉफी
(स) सैयद मोदी कप
(द) डूरंड ट्रॉफी

2. कार रेसर फर्नांडो अलोंसो ने किस वर्ष पहली बार फॉर्मूला-वन चैम्पियनशिप जीती है।
(अ) वर्ष 2005 (ब) वर्ष 2006
(स) वर्ष 2008 (द) वर्ष 2010

3. वर्ष 2022 में मोंटे कार्लो मास्टर्स टेनिस टूर्नामेंट किसने जीता है।
(अ) डेनिल मेदवेदेव
(ब) कैस्पर रूड
(स) होल्गर रूने
(द) स्टेफानोस सितसिपास

4. इनमें से कौन-सा खेल ओलिंपिक खेलों में शामिल नहीं है।
(अ) कबड्डी (ब) तलवारबाजी
(स) जिम्नास्टिक (द) गोल्फ

5. टेस्ट क्रिकेट में इंग्लैंड के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं।
(अ) बेन स्टोक्स (ब) एलिस्टर कुक
(स) एंड्रयू स्ट्रॉस (द) इनमें से कोई नहीं

6. इस वर्ष किस क्लब ने स्पेनिश सुपर कप का खिताब जीता है।
(अ) रियल मेड्रिड
(ब) वेलेंसिया
(स) बार्सिलोना
(द) सेविला

7. इनमें से किस भारतीय खिलाड़ी को डोपिंग के कारण प्रतिबंधित किया गया है।
(अ) मनु भाकर
(ब) दीपा कर्माकर
(स) पी वी सिंधु
(द) इनमें से कोई नहीं

8. इनमें से किस खेल को किक वॉलीबॉल भी कहते हैं।
(अ) वुशु
(ब) ताइक्वांडो
(स) सेपकतकरा
(द) इनमें से कोई नहीं

9. आईसीसी टी-20 वर्ल्डकप-2022 में किस बल्लेबाज ने सबसे ज्यादा रन बनाये हैं।
(अ) जोस बटलर
(ब) मोहम्मद रिजवान
(स) कुशल मेंडिस
(द) विराट कोहली

10. किम क्लिस्टर्स किस देश की दिग्गज महिला टेनिस खिलाड़ी हैं।
(अ) बेलारूस (ब) बेल्जियम
(स) सर्बिया (द) क्रोएशिया

11. वर्ष 2010 में किस देश में एशियाई खेल आयोजित किए गए थे।
(अ) चीन (ब) जापान
(स) इंडोनेशिया (द) सउदी अरब

12. बेसबॉल खेल में प्रत्येक टीम में कितने खिलाड़ी होते हैं।
(अ) 5 (ब) 7
(स) 8 (द) 9

13. इस वर्ष किस खिलाड़ी ने अर्जेंटीना ओपन में पुरुष वर्ग का खिताब जीता है।
(अ) कार्लोस अलकरेज
(ब) कैमरन नॉरी
(स) फेबियो फोगनिनी
(द) कैस्पर रूड

14. वर्ल्ड एथेलेटिक्स चैम्पियनशिप में अब तक सबसे ज्यादा स्वर्ण पदक जीतने वाले एथलीट हैं।
(अ) जस्टिन गेटलिन
(ब) कार्ल लुईस
(स) मोहम्मद फराह
(द) उसेन बोल्ट

15. फीफा वर्ल्डकप-2014 के शुभंकर का नाम था।
(अ) फुलेको (ब) जाविवाका
(स) ला इब (द) जाकुमी

16. आईसीसी ने किस खिलाड़ी को वर्ष 2022 के लिए सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर चुना है।
(अ) रोहित शर्मा
(ब) बाबर आजम
(स) केन विलियमसन
(द) उस्मान ख्वाजा

17. इनमें से किस निशानेबाज को मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार मिला है।
(अ) जसपाल राणा
(ब) समरेश जंग
(स) अभिनव बिंद्रा
(द) सौरभ चौधरी

18. लिएंडर पेस ने किस वर्ष ओलिंपिक में टेनिस में कांस्य पदक जीता था।
(अ) वर्ष 1992 (ब) वर्ष 1996
(स) वर्ष 2004 (द) वर्ष 2008

19. इनमें से कौन-सा देश एफआईएच पुरुष हॉकी प्रो लीग में हिस्सा नहीं ले रहा है।
(अ) पाकिस्तान (ब) स्पेन
(स) अर्जेंटीना (द) जर्मनी

20. वन-डे अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में दो बार हैट्रिक लेने वाले भारतीय गेंदबाज हैं।
(अ) चेतन शर्मा
(ब) दीपक चाहर
(स) मोहम्मद शमी
(द) कुलदीप यादव

21. भारत के किस शहर में इस वर्ष फॉर्मूला-ई रेस आयोजित की गई है।
(अ) गौतमबुद्ध नगर
(ब) मोहाली
(स) हैदराबाद
(द) बेंगलूरू

22. इनमें से किस भारतीय क्रिकेटर ने हाल ही में 100वां टेस्ट मैच खेला है।
(अ) रविचंद्रन अश्विन
(ब) चेतेश्वर पुजारा
(स) रोहित शर्मा
(द) इनमें से कोई नहीं

23. सौरव गांगुली ने वन-डे अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में कितने शतक बनाए हैं।
(अ) 22
(ब) 23
(स) 24
(द) 29

24. तेजस्विन शंकर किस खेल में भारत का प्रतिनिधित्व करते हैं।
(अ) बैडमिंटन
(ब) कबड्डी
(स) निशानेबाजी
(द) एथेलेटिक्स

25. वर्ष 2022 में किस खिलाड़ी ने पेरिस मास्टर्स खिताब जीता था।
(अ) एलेक्जेंडर ज्वेरेव
(ब) होल्गर रूने
(स) कार्लोस अल्करेज
(द) राफेल नडाल

उत्तर

1. (ब), 2. (अ), 3. (द), 4. (अ), 5. (ब), 6. (स), 7. (ब), 8.(स), 9. (द), 10. (ब), 11. (अ), 12. (द), 13. (अ), 14. (द), 15. (अ), 16. (ब), 17. (स), 18. (ब), 19. (अ), 20. (द), 21. (स), 22. (ब), 23. (अ), 24. (द), 25. (ब)

- पुष्पेंद्र कुमार सविता
(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं से संबंधित विषयों पर लेखन करते हैं।)

रानी रामपाल के नाम पर बना हॉकी स्टेडियम

रायबरेली, भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान रानी रामपाल के नाम पर रायबरेली में हॉकी स्टेडियम बनाया गया है। यह सम्मान हासिल करने वाली रानी देश की पहली महिला हॉकी खिलाड़ी हैं। रानी ने सोशल मीडिया हैंडल पर स्टेडियम की तस्वीरें जारी कर बताया कि इस स्टेडियम का नाम रानीस गर्ल्स हॉकी टर्फ रखा गया है। उन्होंने इस स्टेडियम उद्‌घाटन भी किया। रानी ने कहा कि मेरे नाम से स्टेडियम बनना मेरे लिए गर्व की बात है। मैं इसे भारतीय महिला हॉकी टीम को समर्पित करती हूं। मुझे उम्मीद है कि ये आने वाली पीढ़ी और महिला खिलाड़ियों को प्रेरित करेगा।

दक्षिण अफ्रीका ने ट्वेंटी-20 में किया सबसे सफल रन चेज

सेंचुरियन, दक्षिण अफ्रीका ने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में नया इतिहास रच दिया है। दक्षिण अफ्रीका ने ट्वेंटी-20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे बड़े स्कोर का सफलतापूर्वक पीछा करने का रिकॉर्ड बनाया है। दक्षिण अफ्रीका ने वेस्टइंडीज के खिलाफ खेली जा रही तीन मैचों की ट्वेंटी-20 सीरीज के दूसरे मैच में वेस्टइंडीज को 6 विकेट से हराया। मैच में वेस्टइंडीज ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 5 विकेट खोकर 258 रन बनाये। वेस्टइंडीज के लिए जॉनसन चार्ल्स ने 118 रन बनाये। इसके जवाब में क्विटंन डिकॉक और रीजा हैंड्रिक्स ने दक्षिण अफ्रीका को तूफानी शुरुआत दिलाई। डिकॉक ने 100 रन तथा हैंड्रिक्स ने 68 रन बनाकर दक्षिण अफ्रीका की जीत सुनिश्चित कर दी। दक्षिण अफ्रीका ने 18.5 ओवरों में 4 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया।

करुणारत्ने छोड़ेंगे श्रीलंकाई टेस्ट टीम की कप्तानी

वेलिंग्टन, श्रीलंका की टेस्ट क्रिकेट टीम के कप्तान दिमुथ करुणारत्ने ने कप्तानी से इस्तीफा देने की पेशकश की है। करुणारत्ने की कप्तानी में श्रीलंका को न्यूजीलैंड दौरे पर टेस्ट सीरीज में 2-0 से हार का सामना करना पड़ा है। करुणारत्ने ने कहा कि वे अगले महीने आयरलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के बाद टीम की कप्तानी छोड़ देंगे। उन्होंने कहा कि मैंने इस संबंध में चयनकर्ताओं को बता दिया है, लेकिन अभी कोई जवाब नहीं मिला है।

जर्मनी के मेसुत ओजिल ने फुटबॉल से लिया संन्यास

म्युनिख, जर्मनी की फुटबॉल टीम के अनुभवी खिलाड़ी मेसुत ओजिल ने फुटबॉल को अलविदा कह दिया है। ओजिल ने सोशल मीडिया पर संन्यास की घोषणा करते हुए कहा कि मैं तात्कालिक प्रभाव से पेशेवर फुटबॉल से संन्यास ले रहा हूं। पिछले कुछ सप्ताहों में मैं कई बार चोटिल हुआ हूं, जिससे मुझे लगता है कि अब फुटबॉल के इस बड़े मंच को अलविदा कहने का समय आ गया है। ओजिल वर्ष 2014 में फीफा विश्वकप जीतने वाली जर्मन टीम के सदस्य थे। उन्होंने वर्ष 2009 में नॉर्वे के खिलाफ मैच से अंतर्राष्ट्रीय फुटबॉल में पदार्पण किया था।

विश्व महिला मुक्केबाजी चैम्पियनशिप

भारतीय मुक्केबाजों ने जमाया स्वर्णिम चौका

नई दिल्ली, विश्व महिला मुक्केबाजी चैम्पियनशिप में भारत की मुक्केबाजों ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदकों का चौका जमाया है। इस विश्व चैम्पियनशिप का आयोजन भारत में किया गया था। चैम्पियनशिप में भारत ने चार स्वर्ण पदक जीतकर पदक तालिका में पहला स्थान हासिल किया है। चैम्पियनशिप में भारत की चार मुक्केबाजों नीतू घंघस, स्वीटी बूरा, लवलीना बोरगोहेन और निकहत जरीन ने स्वर्ण पदक जीते हैं।

नीतू ने दिलाया पहला पदक

प्रतियोगिता में भारत के लिए पहला स्वर्ण पदक नीतू घंघस ने जीता। नीतू ने 48 किलोग्राम भारवर्ग के फाइनल में मंगोलिया की लुत्सईखानी अल्तांतसेतसेग को एकतरफा मुकाबले में 5-0 से हराया। मुकाबले में नीतू ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया और प्रतिद्वंद्वी को टिकने का कोई मौका नहीं दिया।

स्वीटी को दूसरा स्वर्ण पदक

विश्व चैम्पियनशिप में भारत को दूसरा स्वर्ण पदक स्वीटी बूरा ने दिलाया। स्वीटी ने 81 किलोग्राम लाइट हेवीवेट भारवर्ग में भारत के लिए स्वर्ण पदक जीता। स्वीटी ने स्पर्धा के फाइनल में चीन की वांग लिना को कड़े मुकाबले में 4-3 से मात दी। मुकाबले में दोनों खिलाड़ियों ने बेहतरीन खेल दिखाया। मैच में अंतिम समय तक मुकाबला कांटे का रहा। अंत में निर्णयकों ने बाउट की समीक्षा के आधार पर स्वीटी के पक्ष में फैसला लेते हुए उन्हें 4-3 से विजेता घोषित किया।

- भारत ने दूसरी बार विश्व महिला मुक्केबाजी चैम्पियनशिप में 4 स्वर्ण पदक जीते हैं। इससे पहले भारत ने वर्ष 2006 में चार स्वर्ण पदक जीते थे।
- एम.सी. मैरीकॉम ने सबसे ज्यादा 6 बार विश्व मुक्केबाजी चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीते हैं।
- विश्व चैम्पियनशिप में दो बार स्वर्ण पदक जीतने वाली निकहत जरीन दूसरी भारतीय मुक्केबाज हैं।

निकहत दूसरी बार बनीं चैम्पियन

भारत की स्टार मुक्केबाज निकहत जरीन ने लगातार दूसरी बार विश्व चैम्पियनशिप का खिताब अपने नाम किया है। निकहत ने 50 किलोग्राम लाइट फ्लाइवेट भारवर्ग के फाइनल में वियतनाम की एनगुएन थी टैम को 5-0 से हराकर खिताब पर कब्जा किया। निकहत के तेज-तर्रार पंच के सामने दो बार की एशियाई चैम्पियन टैम लयहीन नजर आयी। मुकाबले में निकहत ने सटीक पंच लगाये और अपने बेहतरीन फुटवर्क से विपक्षी मुक्केबाज के प्रहार को नाकाम करने में सफल रहीं।

लवलीना भी बनीं विश्व चैम्पियन

विश्व चैम्पियनशिप में भारत को चौथा स्वर्ण पदक लवलीना बोरगोहेन ने दिलाया। वर्ष 2018 और 2019 की विश्व चैम्पियनशिप में कांस्य पदक जीतने वाली लवलीना इस बार अपने पदक का रंग बदलने में सफल रहीं। लवलीना ने 75 किलोग्राम मिडिलवेट भारवर्ग के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया की कैटलिन पार्कर को 5-2 से हराया।

सलीमा टेटे चुनी गईं सर्वश्रेष्ठ नवोदित महिला खिलाड़ी

मुंगयोंग, एशियाई हॉकी महासंघ (एएचएफ) ने भारतीय महिला हॉकी टीम की खिलाड़ी सलिमा टेटे को वर्ष की सर्वश्रेष्ठ नवोदित महिला खिलाड़ी के पुरस्कार से सम्मानित किया है। एएचएफ की वार्षिक बैठक में सलिमा को यह पुरस्कार प्रदान किया गया। इस दौरान हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह को सर्वश्रेष्ठ खेल अधिकारी के पुरस्कार से नवाजा गया। सलिमा टेटे भारतीय हॉकी टीम में बतौर मिडफील्डर खेलती हैं। एएचएफ ने सलिमा को दो वर्ष की अवधि के लिए भारत से एएचएफ एथलीट्स एम्बेसडर भी नियुक्त किया है।

विजडन की वर्ल्ड टेस्ट टीम में तीन भारतीय शामिल

लंदन, क्रिकेट की प्रसिद्ध पत्रिका विजडन ने वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप टीम घोषित की है। विजडन ने यह टीम वर्ष 2021-2023 में खेली गई आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप में प्रदर्शन के आधार पर घोषित की है। इस टीम में तीन भारतीय खिलाड़ियों को भी जगह मिली है। इनमें ऋषभ पंत, रवींद्र जडेजा और जसप्रीत बुमराह शामिल हैं। इनके अलावा टीम में उस्मान ख्वाजा, दिमुथ करुणारत्ने, मार्नस लाबुशेन, दिनेश चांदीमल, जॉनी बेयरस्टो, पैट कमिंस, कैगिसो रबाडा और नाथन लॉयन को भी जगह मिली है। इस टीम में रोहित शर्मा, केन विलियमसन, स्टीव स्मिथ और रविचंद्रन अश्विन जैसे बड़े खिलाड़ियों को जगह नहीं मिली है।

निशानेबाजी विश्वकप में भारत ने जीते सात पदक

भोपाल, भारतीय निशानेबाजों ने भोपाल की राज्य निशानेबाजी अकादमी में आयोजित आईएसएसएफ निशानेबाजी विश्वकप में शानदार प्रदर्शन करते हुए सात पदक जीते हैं। प्रतियोगिता में भारत ने एक स्वर्ण, एक रजत और पांच कांस्य पदक जीते। इस प्रदर्शन के चलते भारत ने पदक तालिका में दूसरा स्थान हासिल किया है। विश्वकप में चीन 8 स्वर्ण सहित 12 पदक जीतकर पहले स्थान पर रहा।

विश्वकप में सरबजोत सिंह ने भारत के लिए स्वर्ण पदक जीता। सरबजोत ने पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में ये पदक जीता। सरबजोत ने अजरबैजान के रूसलान लुनेव को 16-0 से हराया। स्पर्धा में वरुण तोमर ने कांस्य पदक जीता। विश्वकप में वरुण तोमर ने रिदम सांगवान के साथ मिलकर 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में रजत पदक भी जीता है।

विश्वकप में रूद्रांश पाटिल ने भी दो कांस्य पदक जीते हैं। रूद्रांश ने पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में कांस्य पदक अपने नाम किया। वहीं 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम स्पर्धा में नर्मदा राजू के साथ मिलकर कांस्य पदक पर कब्जा जमाया। विश्वकप में स्वर्ण पदक की दावेदार मनु भाकर ने अपने प्रदर्शन से निराश किया हालांकि वे कांस्य पदक जीतने में सफल रहीं। मनु ने महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में कांस्य पदक जीता।

विश्वकप में भारत के लिए आखिरी पदक सीता कौर ने जीता। सीता ने महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन में कांस्य पदक अपने नाम किया।

सात्विक और चिराग की जोड़ी ने जीता स्विस ओपन

बासेल, भारत के सात्विक साईराज रैंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी ने स्विस ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट में पुरुष युगल वर्ग का खिताब जीता है। टूर्नामेंट के फाइनल में चीन के रेन शियांग यू और तान कियांग को 21-19, 24-22 से हराया। सात्विक और चिराग की जोड़ी ने पहली बार स्विस ओपन का खिताब अपने नाम किया है। सात्विक और चिराग की जोड़ी ने पिछले वर्ष अक्टूबर में फ्रेंच ओपन बैडमिंटन खिताब जीतकर इतिहास रच दिया था।

फाइनल मुकाबले में सात्विक और चिराग की जोड़ी शुरुआत से शानदार लय में दिखी। भारतीय जोड़ी ने पहले गेम में 21-19 से जीत दर्ज की। दूसरे गेम में चीनी जोड़ी ने बेहतरीन पलटवार कर मैच को रोमांचक बना दिया। इसके बावजूद भारतीय जोड़ी ने आखिरी क्षणों में शानदार खेल दिखाया और गेम को 24-22 से अपने नाम कर खिताब पर कब्जा जमाया।

- सात्विक और चिराग की जोड़ी का ये इस वर्ष पहला वर्ल्ड टूर खिताब है।
- सात्विक और चिराग की जोड़ी ने पिछले वर्ष राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीता था।

महिला प्रीमियर लीग

मुंबई इंडियंस बनी पहली चैम्पियन

मुंबई, हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली मुंबई इंडियंस ने महिला प्रीमियर लीग के पहले सीजन का खिताब अपने नाम किया है। मुंबई इंडियंस ने टूर्नामेंट के फाइनल में दिल्ली कैपिटल्स को सात विकेट से हराया। मुंबई की जीत में इंग्लैंड के नेट साइवर बंट ने अहम योगदान दिया।

फाइनल मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। शैफाली वर्मा (11) ने टीम को तेज शुरुआत दिलाने की कोशिश की, लेकिन वे जल्द आउट हो गईं। इसके बाद एलिस कैप्सी और जेमिमाह रोड्रिग्ज ने भी अपना विकेट गंवा दिया। कप्तान मेग लेनिंग (35) और मेरिजन केप (18) ने पारी को संभालने की कोशिश की, लेकिन सफल नहीं हो सकीं। मुंबई के गेंदबाजों के सामने दिल्ली ने 9 विकेट महज 79 रन के अंदर गिरा दिए थे। इसके बाद शिखा पांडेय और राधा यादव ने आखिरी विकेट के लिए 52 रनों की नाबाद साझेदारी की। शिखा ने 17 गेंदों में 27 रन बनाये, वहीं राधा ने 12 गेंदों में 27 रन बटोरे। दिल्ली कैपिटल्स ने 20 ओवरों में 131 रन बनाये। मुंबई इंडियंस के लिए ईसी वोंग और हीली मैथ्यूज ने 3-3 तथा इमिलिया केर ने 2 विकेट लिए।

- महिला प्रीमियर लीग में पांच टीमों ने हिस्सा लिया है।
- लीग में मुंबई इंडियन की हीली मैथ्यूज (271 रन और 16 विकेट) प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट बनीं।
- मुंबई इंडियंस फ्रैंचाइजी ने पांच बार आईपीएल का खिताब भी जीता है।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी मुंबई की टीम की शुरुआत भी खराब रही। यास्तिका भाटिया और हीली मैथ्यूज जल्द पवेलियन लौट गईं। इसके बाद हरमनप्रीत कौर और नेट साइवर ब्रंट ने तीसरे विकेट के लिए 72 रनों की साझेदारी कर मैच में मुंबई की जीत पक्की कर दी। हरमनप्रीत ने 37 रन बनाये वहीं ब्रंट ने नाबाद 60 रनों की पारी खेली। इमिलिया केर (14) ने ब्रंट का अंत तक साथ निभाया। मुंबई इंडियंस ने तीन गेंद शेष रहते 7 विकेट से मैच जीत लिया।

रोनाल्डो बने सबसे ज्यादा मैच खेलने वाले फुटबॉलर

लिस्बन, पुर्तगाल के स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने फुटबॉल में नया कीर्तिमान स्थापित किया है। रोनाल्डो सबसे ज्यादा अंतर्राष्ट्रीय मैच खेलने वाले फुटबॉलर बन गए हैं। रोनाल्डो ने यह उपलब्धि यूरो कप क्वालिफायर में पुर्तगाल और लिस्टेंस्टीन के बीच खेले गए मैच के दौरान हासिल की। पुर्तगाल ने यह मैच 4-0 से जीता। इस मैच में रोनाल्डो ने दो बेहतरीन गोल दागे। रोनाल्डो के अलावा जोआओ कैंसेलो और बर्नाडो सिल्वा ने भी एक-एक गोल दागा। पुर्तगाल के लिए खेलते हुए रोनाल्डो का ये 197वां अंतर्राष्ट्रीय मैच था। रोनाल्डो ने सबसे ज्यादा अंतर्राष्ट्रीय फुटबॉल मैच खेलने के मामले में कुवैत के बदर अल मुतवा का रिकॉर्ड तोड़ा है।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

सामयिकी

इसरो के एलवीएम3 रॉकेट ने

ब्रिटेन के उपग्रहों को निर्धारित कक्षाओं में स्थापित किया

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के सबसे बड़े एलवीएम3 रॉकेट ने ब्रिटेन स्थित वनवेब समूह की कंपनी के

- **एलवीएम3 ने लगातार छठवीं सफल उड़ान में 5,805 किलोग्राम पेलोड को लो अर्थ ऑर्बिट में पहुंचाया।**

36 इंटरनेट उपग्रहों को पृथ्वी की निर्धारित कक्षाओं में स्थापित किया। 43.5 मीटर लंबे रॉकेट को सुबह 9 बजे सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र के दूसरे लॉन्च पैड से प्रक्षेपित किया गया। यह इसरो की कमर्शियल शाखा, न्यूस्पेस इंडिया लि. के लिए दूसरा मिशन है। इससे इसरो के अंतरिक्ष व्यवसाय में नई शुरुआत हो गई है।

श्री मधुसूदन साईं आयुर्विज्ञान एवं अनुसंधान संस्थान का उद्घाटन

विकसित राष्ट्र बनने के मार्ग पर तेजी से बढ़ रहा है भारत : प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने चिक्काबल्लापुर में श्री मधुसूदन साई आयुर्विज्ञान एवं अनुसंधान संस्थान का

- **श्री मधुसूदन साईं आयुर्विज्ञान और अनुसंधान संस्थान (एसएमएसआईएमएसआर) की स्थापना श्री सत्य साईं विश्वविद्यालय द्वारा मानव उत्कृष्टता के लिए सत्य साईं ग्राम, मुद्देनहल्ली, चिक्काबल्लापुर में की गई थी।**
- **ग्रामीण क्षेत्र में स्थित और चिकित्सा शिक्षा एवं स्वास्थ्य सेवा के गैर-व्यावसायीकरण की दृष्टि से स्थापित, एसएमएसआईएमएसआर सभी को पूरी तरह से निःशुल्क चिकित्सा शिक्षा और गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा देखभाल प्रदान करेगा।**

उद्घाटन किया। एसएमएसआईएमएसआर सभी को पूरी तरह से निःशुल्क चिकित्सा शिक्षा और गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा देखभाल प्रदान करेगा। यह संस्थान शैक्षणिक वर्ष 2023 में कार्य करना प्रारंभ कर देगा।

जनसभा को संबोधित करते हुए

प्रधानमंत्री ने कहा कि चिकबल्लापुर आधुनिक भारत के वास्तुकारों में से एक सर एम.एम. विश्वेश्वरैया की जन्मस्थली है। प्रधानमंत्री ने सत्य साईं ग्राम को सेवा का असाधारण मॉडल बताया। उन्होंने शिक्षा और स्वास्थ्य पहल के माध्यम से संस्था द्वारा चलाए जा रहे मिशन की सराहना की। उन्होंने कहा कि आज मेडिकल कॉलेज के उद्घाटन से इस मिशन को और बल मिला है।

प्रधानमंत्री ने श्री सत्य साईं विश्वविद्यालय के आदर्श वाक्य 'योगः कर्मसु कौशलम्' के संदर्भ में विस्तार से जानकारी देते हुए कहा कि इसका अभिप्राय है कर्म ही योग है। श्री मोदी ने चिकित्सा क्षेत्र में सरकार के प्रयासों के तौर पर इसका उदाहरण दिया। प्रधानमंत्री ने कहा कि हम स्वास्थ्य संबंधी नीतियों में माताओं और बहनों को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रहे हैं। हमारी माताओं के स्वास्थ्य और पोषण में सुधार होने पर पूरी पीढ़ी के स्वास्थ्य में सुधार होता है इस तथ्य का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार इस पर विशेष जोर दे रही है। उन्होंने शौचालय निर्माण, निःशुल्क गैस कनेक्शन प्रदान करने, नल से जल उपलब्ध कराने और पौष्टिक भोजन के लिए सीधे बैंक में धनराशि भेजने जैसी योजनाओं का उदाहरण दिया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि गांवों में महिलाओं के स्वयं सहायता समूहों को भी सशक्त बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जब देश स्वस्थ होगा और विकास के लिए 'सबका प्रयास' के प्रति समर्पित होगा, तब हम विकसित भारत के लक्ष्य को तेजी से हासिल कर सकेंगे। अपने संबोधन का समापन करते हुए प्रधानमंत्री ने भगवान साईं बाबा और संस्थान के साथ अपने लंबे जुड़ाव का स्मरण किया। उन्होंने कहा कि वह यहां अतिथि नहीं हैं, अपितु वह इस स्थल और भूमि का हिस्सा हैं। उन्होंने कहा कि हर बार जब वह यहां आते हैं तो संबंध नए सिरे से बनते हैं और मजबूत संबंधों की इच्छा हृदय में सदैव उभरती है।

गार्सेटी की नियुक्ति से मजबूत होंगे भारत-अमेरिका के संबंध

भारतीय-अमेरिकियों ने भारत में अमेरिका के राजदूत के तौर पर एरिक गार्सेटी की नियुक्ति का स्वागत करते हुए

- **सीनेट द्वारा गार्सेटी के नामांकन की पुष्टि के तुरंत बाद सीनेटर चक शूमर ने कहा, अमेरिका-भारत संबंध बेहद महत्वपूर्ण हैं और यह बहुत अच्छी बात है कि अब हमारे पास एक राजदूत है।**
- **गार्सेटी को उनकी पुष्टि पर बधाई देते हुए, इंडिस्पोरा के संस्थापक-अध्यक्ष एम.आर. रंगास्वामी ने कहा, हम राहत महसूस कर रहे हैं और उत्साहित भी हैं कि एरिक गार्सेटी जैसा कोई व्यक्ति भारत में संबंध बनाने जा रहा है।**

उम्मीद जताई कि राष्ट्रपति जो बाइडेन के साथ उनकी घनिष्ठता दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों के लिए महत्वपूर्ण साबित होगी।

भारत में पूर्णकालिक राजदूत की

जरूरत ऐसे समय में पहले से कहीं अधिक महसूस की गई, जब भारत जी20 देशों की अध्यक्षता कर रहा है और राष्ट्रपति सहित कई अन्य बड़ी हस्तियों के भारत यात्रा पर जाने की उम्मीद है। व्हाइट हाउस की प्रधान उप प्रेस सचिव ओलिविया डाल्टन ने कहा, राष्ट्रपति बाइडेन का मानना है कि भारत के साथ हमारी एक महत्वपूर्ण एवं परिणामी साझेदारी है और गार्सेटी एक प्रवल और प्रभावी राजदूत साबित होंगे।

कैलिफोर्निया के उद्यमी एवं समुदाय के नेता योगी चुग ने कहा कि गार्सेटी भारत में अमेरिकी राजूदत के पद के लिए बेहतरीन चयन है।

सीरिया

अमेरिका और ईरान के बीच जंग का बना अखाड़ा

दक्षिण-पश्चिम एशिया में स्थित सीरिया, ईरान और अमेरिका के बीच जंग का नया अखाड़ा बनता जा रहा है। बीते कुछ दिनों में यहां संघर्ष तेज हुए हैं। ईरान समर्थित ग्रुप ने पहले 23 मार्च को अमेरिकी बेस पर ड्रोन से हमला किया, जिसमें छह अमेरिकी सैनिक घायल हो गए, इसके बाद जवाबी कार्रवाई में अमेरिका ने सीरिया पर एयरस्ट्राइक कर दी।

अगले दिन 24 मार्च को ईरान ने दो अमेरिकी बेस पर फिर से हमला बोल दिया। इसके लिए ईरान ने तीन ड्रोन और पांच रॉकेट का इस्तेमाल किया। अमेरिका ने कार्रवाई करते हुए तीन में से दो ईरानी ड्रोन को मार गिराया। इस दौरान ईरानी हमले में एक और अमेरिकी सैनिक घायल हो गया।

इसके बाद अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन का बयान आया, जिसमें उन्होंने

- **अमेरिका ने ईरानी एयरबेस पर फाइटर जेट F-15 से हमला बोलते हुए कई ताबड़तोड़ रॉकेट भी दागे। इस एयरस्ट्राइक में ईरान के 11 सैनिक मारे गए। इससे बौखलाए ईरान ने दोबारा सीरिया में अमेरिकी ठिकानों पर 10 मिसाइल से हमला बोल दिया, जिसमें दो बच्चों और एक महिला को चोट पहुंची।**

कहा कि वह सीरिया में हरेक अमेरिकी नागरिक की सुरक्षा करेंगे। बाइडेन के बयान के बाद अमेरिका ने सीरिया के कई इलाकों में UAV के जरिए ईरान समर्थित ग्रुप पर हमले तेज कर दिए हैं। अमेरिका का दावा है कि जनवरी 2021 से अब तक सीरिया में उसके बेस पर ईरानी समर्थित ग्रुप ने 78 बार अटैक किया है।

ताजा घटनाक्रम में ईरान और सीरिया की सरकारों ने सीरिया की धरती पर हमलों के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका की निंदा की है, जिसमें कथित तौर पर 19 लोग मारे गए हैं। ईरानी और सीरियाई दोनों विदेश मंत्रालयों ने अमेरिकी हवाई हमलों की निंदा की, जिसमें इराक की सीमा से लगे दीर एज-ज़ोर के रणनीतिक क्षेत्र को निशाना बनाया गया था। अमेरिका ने भी माना है कि उसने ईरानी ड्रोन हमले के बाद एयरस्ट्राइक की है।

रूस तैनात करेगा

बेलारूस में सामरिक परमाणु हथियार

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने ऐलान किया है कि बेलारूस में सामरिक परमाणु हथियार तैनात किए जाएंगे। पश्चिमी देशों के साथ बढ़ते तनाव के बीच पुतिन ने कहा- मेरा ये फैसला न्यूक्लियर ट्रीटी का उल्लंघन नहीं करता है। अमेरिका ने भी कई देशों में अपने परमाणु हथियार तैनात कर रखे हैं और हम भी अब ऐसा ही करेंगे।

पुतिन के इस ऐलान के पीछे की बड़ी वजह बेलारूस की सीमा नाटो देश पोलैंड, लिथुआनिया और लैटविया से लगी हुई होना है। रूस और बेलारूस के बीच घनिष्ठ संबंध हैं। बीते साल बेलारूस ने रूस को

- **1990 के दशक के बाद पहली बार ऐसा होगा, जब रूसी परमाणु हथियार देश से बाहर तैनात होंगे।**
- **नाटो ने रूस के इस कदम की आलोचना की है। नाटो ने इसे 'खतरनाक और गैर-जिम्मेदार' बताया है।**

यूक्रेन में सेना भेजने के लिए अपने क्षेत्र के इस्तेमाल की मंजूरी दी थी।

उधर, पुतिन के इस फैसले पर अमेरिका ने सतर्क प्रतिक्रिया दी है। बाइडेन प्रशासन के एक अधिकारी ने कहा कि रूस और बेलारूस पिछले एक साल में इस बारे में बातचीत कर रहे थे।

ज्ञात रहे कि बीते साल यूक्रेन पर रूसी आक्रमण के साथ ही बेलारूस ने जनमत कराया था। इस जनमत का मकसद सोवियत दौर के बाद परमाणु हथियारों पर लगी पाबंदी निरस्त करना था। बीते साल 25 जून को पुतिन और बेलारूस के राष्ट्रपति लुकाशैंको ने रूसी परमाणु क्षमता से लैस मिसाइलों की तैनाती पर सहमति जताई। उसके बाद ही बेलारूस में रूस कई इस्कंदर मिसाइल सिस्टम भेज चुका है, जिसमें न्यूक्लियर वॉरहेड लगाए जा सकते हैं।

नॉर्थ कोरिया ने फिर दागी बैलिस्टिक मिसाइल

उत्तर कोरिया ने अपने पूर्वी तट से जापान सागर की ओर छोटी दूरी की दो बैलिस्टिक मिसाइलें दागी हैं। उत्तर कोरिया

- **अमेरिका और साउथ कोरिया ने कुछ दिनों पहले ही 11-दिवसीय सैन्य अभ्यास पूरा किया है।**

ने हथियारों के प्रक्षेपण में ये हड़बड़ाहट तब दिखाई है, जब संयुक्त राज्य अमेरिका और दक्षिण कोरिया ने उसके निकटवर्ती सागर में संयुक्त सैन्य अभ्यास को पूरा किया है। इसके अगले चरण के तहत अमेरिका वहां एक विमान वाहक हमले समूह को तैनात करने की तैयारी में है।

दक्षिण कोरिया के संयुक्त चीफ ऑफ स्टाफ ने कहा कि उत्तर कोरिया की राजधानी प्योंगयांग के दक्षिण में एक पश्चिमी अड्डे से दागी गई मिसाइलों ने क्रॉस-कंट्री उड़ान भरी है, लेकिन इस विशिष्ट उड़ान के विवरण जारी नहीं किए गए हैं। इस बीच, जापान के तट रक्षक ने कहा है कि दोनों हथियार जापान के विशेष आर्थिक क्षेत्र के बाहर गिरे हैं।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

स्वामी- मध्यप्रदेश माध्यम, प्रकाशक- राघवेन्द्र कुमार सिंह, मुद्रक- राघवेन्द्र कुमार सिंह द्वारा मेसर्स डी.बी. कॉर्प लिमिटेड, 10-11, सेक्टर-B, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा, भोपाल से मुद्रित एवं मध्यप्रदेश माध्यम 40, प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल-462011 (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक- राजीव तिवारी।